

RNI No. GUJHIN/2010/35230

महानगर मेट्रो

कार्यालय :- सी-8 रिची हाउस, स्वामी नारायण मंदिर के सामने मणिनगर अहमदाबाद गुजरात-380008

राष्ट्रीय दैनिक समाचार पत्र

महानगर मेट्रो
राष्ट्रीय दैनिक हिन्दी समाचार पत्र, प्रेस नोट एवं विज्ञापन के लिए कार्यालय पर सम्पर्क करें
सरबजीत माकन
+91-9638877700
mahanagarmetro7@gmail.com

वर्ष :16 । अंक: 65 । पेज: 08। mahanagarmetro7@gmail.co || अहमदाबाद, 01 नवम्बर 2026(रविवार) || सम्पादक - सरबजीत माकन (9638877700)।। मूल्य :- 1.50 रु.-/

पत्नी की हत्या कर पति ने साले के बेटे को फोन कर बोला- मेहराजबानु को मार दिया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। वटवा इलाके में दो साल से चल रहे घरेलू विवाद का शनिवार को खूनी अंत हो गया। 68 वर्षीय पति ने अपनी 60 वर्षीय पत्नी को घर से घसीटकर लॉबी में लाया और चाकू से ताबड़तोड़ वार कर उसकी हत्या कर दी। हमले में महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। परिजन उसे अस्पताल लेकर पहुंचे, लेकिन डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। वारदात के बाद आरोपी ने खुद फोन कर अपने भतीजे को हत्या की जानकारी दी। वटवा पुलिस ने आरोपी पति को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार वटवा स्थित वसंत गजेंद्र गडकर नगर (चार मंजिला) में महमूदभाई मोहम्मदभाई भाटी (68) अपनी पत्नी मेहराजबानु (60) के साथ रहते थे। महमूदभाई सेवानिवृत्त हैं। दंपती के बीच पिछले दो साल से छोटी-छोटी बातों पर विवाद होता रहता था। आरोप है कि महमूदभाई पत्नी के साथ मारपीट भी करते थे। शनिवार को भी दोनों के बीच किसी बात को लेकर कहासुनी हो गई। इस दौरान गुस्से में आए महमूदभाई ने पत्नी के साथ मारपीट की और उन्हें घर से घसीटकर बाहर लॉबी में ले आए।वहां उन्होंने धारदार चाकू से मेहराजबानु के दोनों हाथों और दाहिनी तरफ शरीर में कई वार किए। हमले में महिला गंभीर रूप से घायल होकर जमीन पर गिर पड़ीं।

क्या अहमदाबाद का वांच गांव गैर-कानूनी धंधों का हब बन गया है ?

पटाखा फैक्ट्रियों, शराब की दुकानों और कथित जबरन वसूली पर गंभीर सवाल

खाकी पर वसूली के आरोप, सवालों के घेरे में कानून-व्यवस्था

विवेकानंदनगर पुलिस स्टेशन की सीमा में कानून-व्यवस्था की स्थिति पर सवाल, मासूम बच्चों की जान खतरे में डालने का आरोप, PI परमार और वहीवटदार कल्पेश भरवाड़ पर जबरन वसूली करने के गंभीर आरोप, हर स्टॉल से 50 हजार रुपये तक वसूले जाने की चर्चा



महानगर मेट्रो का बड़ा सवालःक्या फायर सेफ्टी नियमों का पालन हो रहा है या सिस्टम सिर्फ़ कागज़ों पर है?

वांच गांव और विवेकानंदनगर इलाके में कथित अवैध पटाखा कारोबार, शराब तस्करी और वसूली को लेकर स्थानीय लोगों ने गंभीर आरोप लगाए हैं। शिकायतों में पुलिस अधिकारियों और एक प्रशासनिक कर्मचारी की भूमिका पर भी सवाल उठाए गए हैं। हालांकि, इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि और संबंधित अधिकारियों का पक्ष सामने आना बाकी है।

महानगर मेट्रो ब्यूरो/पवन माकन

अहमदाबाद। जिले का विवेकानंदनगर पुलिस स्टेशन इलाका और वांच गांव इन दिनों गंभीर विवादों के केंद्र में हैं। गुजरात का 'शिवाकाशी' कहे जाने वाले वांच गांव में बिना जरूरी सुरक्षा इंतजामों और सरकारी मंजूरियों के बड़े पैमाने पर पटाखा निर्माण और स्टोरेज की शिकायतें सामने आई हैं। सबसे चिंताजनक पहलू यह है कि नाबालिग बच्चों से बेहद खतरनाक माहौल में काम करवाने के आरोप लग रहे हैं, जो सीधे तौर पर मासूमों की जिंदगी को दांव पर लगाने जैसा है।

फायर सेफ्टी या कागजी खानापूर्ति?

रिहायशी इलाकों के करीब पटाखों जैसी अति-संवेदनशील वस्तुओं का अवैध कारोबार खुलेआम जारी है। स्थानीय स्तर पर एक हजार से अधिक गैर-कानूनी दुकानें और फैक्ट्रियां संचालित होने की चर्चाएं हैं। बड़ा सवाल यह है कि प्रशासनिक महकमों और फायर डिपार्टमेंट ने अब तक कितनी जगहों का निरीक्षण किया और सुरक्षा नियमों की अनदेखी पर आंखें क्यों मूंद रखी हैं?

खाकी पर वसूली के दाग और शराब का नेटवर्क

मामले में विवेकानंदनगर पुलिस स्टेशन के PI परमार और कल्पेश भरवाड़ पर वसूली के गंभीर आरोप लगे हैं। सूत्रों के अनुसार, प्रति स्टॉल 50,000 तक की कथित वसूली की बात सामने आ रही है। इसके अलावा, ड्राई स्टेट गुजरात के इस इलाके में देसी-विदेशी शराब की भट्टियां और तस्करों का नेटवर्क सक्रिय होने की जन-शिकायतें हैं। कैमरे पर एक कथित तस्कर द्वारा पुलिस से 'सेटिंग' का दावा करना पूरे पुलिस सिस्टम की कार्यशैली पर गंभीर प्रश्नचिह्न खड़े करता है।

क्या केवल तबादला ही समस्या का हल है?

खबर के असर के बाद कल्पेश भरवाड़ का SP ऑफिस में ट्रांसफर तो कर दिया गया, लेकिन यक्ष प्रश्न यह है कि क्या सिर्फ एक कर्मचारी के तबादले से अवैध गतिविधियों का पूरा संजाल खत्म हो जाएगा? क्या खाकी की आड़ में फल-फूल रहे इस काले कारोबार की जड़ तक जांच पहुंचेगी?

जनता के ज्वलंत सवाल: वांच गांव में पटाखे बनाने वाली फैक्ट्रियों और गोदामों के पास जरूरी लाइसेंस हैं या नहीं? क्या फायर सेफ्टी और सिक्योरिटी नियमों का पालन हो रहा है या नहीं? नाबालिग बच्चों से खतरनाक काम करवाने के आरोपों की जांच कौन करेगा? हर स्टॉल पर 50 हजार रुपये की कथित किश्त की शिकायत की जांच कब होगी? शराब और जुए के गैर-कानूनी नेटवर्क के खिलाफ पुलिस की कार्रवाई कहां तक पहुंची है? क्या PI परमार समेत जिम्मेदार अधिकारियों की भूमिका की निष्पक्ष जांच होगी? कल्पेश भरवाड़ के ट्रांसफर के बाद भी गैर-कानूनी गतिविधियों पर कंट्रोल क्यों जरूरी हो गया है?

सम्पादकीय टिप्पणी: वर्दी का आभामंडल किसी को भी कानून और सामाजिक जवाबदेही से ऊपर होने का लाइसेंस नहीं देता। सुरक्षा मानकों को ताक पर रखकर मासूमों की जान से खिलवाड़ करना और हफ्ता वसूली का साम्राज्य चलाना सीधे तौर पर शासन के मुंह पर तमाचा है। प्रशासनिक लीपापोती और केवल ट्रांसफर का खेल खेलकर उच्चाधिकारी अपनी जिम्मेदारियों से इतिश्री नहीं कर सकते। अगर गृह विभाग ने अब भी निष्पक्ष जांच के सख्त कदम नहीं उठाए, तो किसी बड़े हादसे की पूरी नैतिक जिम्मेदारी इसी सुस्त और भ्रष्ट तंत्र की होगी। अब वक्त कागजी खानापूर्ति का नहीं, बल्कि ठोस कार्रवाई का है।

पीएम मोदी का विपक्ष पर निशाना-विरोध की जगह अवरोध की राजनीति कर रहा विपक्ष

महानगर मेट्रो ब्यूरो

एकता नगर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को सरदार वल्लभभाई पटेल की 151वीं जयंती के अवसर पर गुजरात के एकता नगर में आयोजित राष्ट्रीय एकता दिवस कार्यक्रम में विपक्ष पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि देश का दुर्भाग्य है कि विपक्ष विरोध करने के बजाय अवरोध पैदा करने की राजनीति कर रहा है। प्रधानमंत्री ने किसी नेता का नाम लिए बिना विदेश में होने वाली कुछ राजनीतिक मुलाकातों पर भी सवाल उठाए और कहा कि कौन विदेश में किससे गुपचुप मिल रहा है, यह सब दिखाई दे रहा है। उन्होंने देशवासियों से एकजुट रहने की अपील की। प्रधानमंत्री ने एकता नगर स्थित स्टैच्यू ऑफ यूनिटी पर आयोजित कार्यक्रम में लोगों को राष्ट्रीय एकता की शपथ दिलाई। इस दौरान उन्होंने देश की एकता और अखंडता बनाए रखने के लिए सरदार पटेल के योगदान को याद किया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि वर्तमान परिस्थितियों में भारत के सामने कई तरह की चुनौतियां हैं और उनसे निपटने के लिए देश की एकजुटता सबसे बड़ी ताकत है। मोदी ने विपक्ष पर आरोप लगाते हुए कहा कि कुछ राजनीतिक नेता देश को बांटने की कोशिशों में लगे हैं। उन्होंने विदेश में होने वाली मुलाकातों का उल्लेख करते हुए कहा कि देश को ऐसी गतिविधियों के प्रति सतर्क रहना होगा। हालांकि, प्रधानमंत्री ने अपने भाषण में किसी नेता का नाम लेकर इन आरोपों का विस्तृत ब्योरा नहीं दिया। उन्होंने कहा कि आजादी किसी भी देश के लिए जरूरी है, क्योंकि इससे देश अपने भविष्य का फैसला स्वयं कर सकता है। लेकिन आजादी को वास्तविक शक्ति और दिशा गणतंत्र से मिलती है। उन्होंने संविधान और लोकतांत्रिक व्यवस्था के महत्व को रेखांकित करते हुए राष्ट्रीय एकता को मजबूत बनाए रखने का संदेश दिया।



MBA छात्रा यशस्वी मौत मामले में बड़ा खुलासा, घटना से ठीक पहले फोन पर हुई थी चंद मिनट की बात

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जयपुर। सुबह का वक्त था यूनिवर्सिटी में परीक्षा की तैयारी और सहपाठियों के बीच हंसी-मजाक चल रहा था। 23 वर्षीय यशस्वी रोहिला भी दोस्तों से सामान्य अंदाज में बातचीत कर रही थी। कुछ दिन पहले ही उसे 7 लाख 25 हजार रुपए सालाना पैकेज पर निजी कंपनी में नौकरी मिली थी। परिवार और खुद यशस्वी इससे काफी खुश थे। लेकिन शनिवार सुबह एक फोन कॉल के बाद घटनाक्रम ऐसा बदला कि कुछ ही पल में खुशियों के सपने मातम में बदल गए। यशस्वी ने सीतापुरा स्थित एक यूनिवर्सिटी की छठी मंजिल पर पहुंची और उसकी मौत हो गई। साथी विद्यार्थी उसे बचाने दौड़े, लेकिन वे बचा नहीं सके। उसे महात्मा गांधी अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद विश्वविद्यालय में अफरा-तफरी मच गई। यूर्निवर्सिटी ने शनिवार को होने वाली परीक्षा स्थगित कर छुट्टी कर दी।पुलिस के अनुसार गुर्जर की थड़ी स्थित प्रेम नगर निवासी यशस्वी MBA द्वितीय वर्ष में तृतीय सेमेस्टर की छात्रा थी। वह डिजिटल मार्केटिंग की पढ़ाई कर रही थी। शनिवार को उसका मिड सेमेस्टर का पेपर था। परीक्षा से पहले सुबह करीब 9: 45 बजे उसके पास फोन आया और वह बाहर आ गई। यूनिवर्सिटी प्रशासन के मुताबिक सीसीटीवी फुटेज में कुछ मिनट तक फोन पर बातचीत करती नजर आई। इसके बाद वॉशरूम गई और बैग में मोबाइल रखकर छठी मंजिल की तरफ चली गई।

राहुल गांधी का दावा- 2024 का लोकसभा चुनाव अवैध, मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ विपक्ष की मॉक संसद में जन-महाभियोग प्रस्ताव पारित

19 दलों के 215 सांसद हुए शामिल; ज्ञानेश कुमार पर लगाए गए छह आरोप

महानगर मेट्रो ब्यूरो



नई दिल्ली। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव की वैधता पर सवाल उठाते हुए दावा किया कि मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के माध्यम से 13.3 करोड़ यानी करीब 15 प्रतिशत मतदाताओं के नाम हटा दिए गए। राहुल ने कहा कि इनमें से कई मतदाताओं ने वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव में मतदान किया था। उन्होंने यह भी दावा किया कि उस चुनाव में जीत का अंतर केवल 3 प्रतिशत मतों का था। राहुल गांधी शनिवार को दिल्ली में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के आवास पर आयोजित विपक्ष की मॉक संसद को संबोधित कर रहे थे। विपक्ष की यह सांकेतिक संसद 3 घंटे 23 मिनट तक चली। इसकी अध्यक्षता लोकसभा की पूर्व अध्यक्ष मीरा कुमार ने की। कार्यक्रम में कांग्रेस सहित 19 विपक्षी दलों के कुल 215 सांसद शामिल हुए। इस दौरान कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ जन-महाभियोग प्रस्ताव पेश किया। प्रस्ताव में उन पर छह आरोप लगाए गए, जिसे उपस्थित सांसदों ने पारित किया।जन-महाभियोग एक सांकेतिक राजनीतिक प्रक्रिया है, जिसके माध्यम से जनता या राजनीतिक दल किसी संवैधानिक पद पर बैठे व्यक्ति के प्रति अपना विरोध दर्ज कराते हैं। यह संवैधानिक महाभियोग की औपचारिक प्रक्रिया नहीं है और इससे संबंधित पदाधिकारी को पद से हटाने का कोई कानूनी आदेश जारी नहीं होता। अपने संबोधन में राहुल गांधी ने कहा कि मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ महाभियोग पर चर्चा करने के लिए विपक्षी दलों को खुले बगीचे में बैठना पड़ रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्ष के लिए अन्य संस्थानों में अपनी बात रखने के रास्ते बंद हैं। राहुल ने कहा कि यह स्थिति लोकतांत्रिक व्यवस्था और संस्थाओं की भूमिका को लेकर गंभीर सवाल खड़े करती है।राहुल गांधी ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को लेकर भी तीखी टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि ज्ञानेश कुमार इस पद पर नहीं टिक पाएंगे।

उमर अब्दुल्ला की शादी की चर्चा, निधि राजदान के साथ तस्वीरें साझा कर लिखा- कल एक नई शुरुआत हुई

सोशल मीडिया पर दोनों की पोस्ट के बाद शादी और सगाई को लेकर चर्चाएं तेज

महानगर मेट्रो ब्यूरो



नई दिल्ली। नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला और पूर्व पत्रकार निधि राजदान की शादी को लेकर सोशल मीडिया पर चर्चाएं तेज हो गई हैं। उमर अब्दुल्ला ने शनिवार को निधि राजदान के साथ दो तस्वीरें साझा करते हुए लिखा, 'कल एक नई शुरुआत हुई, निधि।' इस संदेश के साथ उन्होंने अंगूठी का चिह्न भी लगाया। इसके बाद सोशल मीडिया पर दोनों के विवाह और सगाई को लेकर तरह-तरह की चर्चाएं शुरू हो गईं। निधि राजदान ने भी सोशल मीडिया पर अंगूठी के चिह्न के साथ 'इट्स डन ब्रो' लिखकर पोस्ट साझा की। दोनों की पोस्ट सामने आने के बाद उनके प्रशंसकों और सोशल मीडिया उपयोगकर्ताओं ने उन्हें नई शुरुआत के लिए बधाइयां दीं। हालांकि, साझा की गई तस्वीरों और संदेशों के आधार पर विवाह से जुड़ी औपचारिक जानकारी को लेकर स्थिति स्पष्ट नहीं हुई है। उमर अब्दुल्ला का अपनी पहली पत्नी पायल के साथ विवाह संबंध करीब 32 साल पुराना था। दोनों वर्ष 2011 से अलग रह रहे थे। इसी साल 31 जुलाई को सुप्रीम कोर्ट ने दोनों के तलाक को मंजूरी दी थी। अदालत में दोनों पक्षों ने आपसी सहमति से वैवाहिक संबंध समाप्त करने और एक-दूसरे के बीच लंबित विवादों को सुलझाने का निर्णय बताया था। तलाक का मामला सुप्रीम कोर्ट तक पहुंचा था। उमर अब्दुल्ला ने दिल्ली हाईकोर्ट के उस फैसले को चुनौती दी थी, जिसमें उनकी शादी खत्म करने की याचिका स्वीकार नहीं की गई थी। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने मामले की सुनवाई करते हुए दोनों की आपसी सहमति को ध्यान में रखकर तलाक की मंजूरी प्रदान की। उमर अब्दुल्ला और निधि राजदान की सोशल मीडिया पोस्ट के बाद उनकी निजी जिंदगी एक बार फिर चर्चा में आ गई है। फिलहाल दोनों की ओर से साझा किए गए संदेशों को लेकर लोगों में उत्सुकता बनी हुई है।

जेल से रिहा होते ही आजम खान को ईडी ने किया गिरफ्तार, बेटे अब्दुल्ला घर पहुंचे

11 महीने बाद रामपुर जेल से बाहर आए सपा नेता, गेट पर ही प्रवर्तन निदेशालय ने की पूछताछ;

महानगर मेट्रो ब्यूरो

रामपुर। समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता आजम खान को 11 महीने बाद रामपुर जेल से रिहाई मिलने के बावजूद जेल से बाहर आते ही एक बार फिर गिरफ्तारी का सामना करना पड़ा। जेल के मुख्य द्वार पर पहुंचते ही प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की टीम ने उन्हें हिरासत में ले लिया। उनके साथ जेल से बाहर आए बेटे अब्दुल्ला आजम रिहाई के बाद अपने घर चले गए। ईडी के अधिकारियों ने पहले जेल के बाहर आजम खान से काफी देर तक पूछताछ की और इसके बाद उन्हें अपने साथ वाहन में बैठाकर ले गए। बताया गया कि एजेंसी उन्हें गाजियाबाद की अदालत में पेश करेगी। आजम खान की गिरफ्तारी जौहर विश्वविद्यालय से जुड़े धन के कथित दुरुपयोग और धनशोधन के मामले में की गई है। प्रवर्तन निदेशालय का आरोप है कि विश्वविद्यालय के निर्माण में सरकारी धन और ठेकों से जुड़े पैसों का दुरुपयोग किया गया। एजेंसी विश्वविद्यालय पर हुए करीब 416.14 करोड़ रुपये के खर्च में कथित अनियमितताओं की जांच कर रही है। जांच का केंद्र यह पता लगाना है कि निर्माण कार्यों में खर्च की गई धनराशि का स्रोत क्या था और कहीं सरकारी धन का गलत इस्तेमाल तो नहीं हुआ। जेल के बाहर ईडी अधिकारियों और आजम खान के बीच काफी देर तक बातचीत और बहस हुई। इस दौरान आजम खान भावुक नजर आए। उन्होंने कहा, 'अब कहने को क्या है? यह मुसलमान होने की सजा है। गलती यह है कि एक मुसलमान ने विश्वविद्यालय बनाया। यह हमारा गुनाह है।' उनके इस बयान के बाद मामला राजनीतिक और सामाजिक चर्चा का विषय बन गया है। जानकारी के अनुसार, आजम खान की रिहाई से करीब 15 मिनट पहले ही ईडी की एक टीम जेल परिसर के अंदर पहुंच गई थी। सुरक्षा व्यवस्था के मद्देनजर केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के 24 जवान भी तैनात किए गए थे।

दिल्ली से वाराणसी का सफर महज साढ़े तीन घंटे में, अयोध्या और लखनऊ होते हुए गुजरेगी बुलेट ट्रेन

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। देश में उच्च गति रेल सेवा के विस्तार की दिशा में एक बड़ी योजना सामने आई है। नई दिल्ली से वाराणसी के बीच बुलेट ट्रेन चलाने की तैयारी की जा रही है। प्रस्तावित योजना के अनुसार, यह ट्रेन दिल्ली से आगरा की दूरी करीब एक घंटे में और वाराणसी तक का सफर लगभग 3 घंटे 30 मिनट में पूरा कर सकेगी। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शनिवार को वाराणसी में बताया कि प्रधानमंत्री ने दिल्ली-वाराणसी-गुवाहाटी बुलेट ट्रेन गलियारे के उत्तरी हिस्से को मंजूरी दे दी है। प्रस्तावित रेल गलियारा देश के कई प्रमुख शहरों को आपस में जोड़ेगा। इसकी शुरुआत नई दिल्ली से होगी और यह आगरा, कानपुर, लखनऊ तथा अयोध्या होते हुए वाराणसी पहुंचेगा। इसके आगे यह पटना और सिलीगुड़ी से होकर गुवाहाटी तक जाएगा। इस परियोजना के पूरा होने से उत्तर भारत के कई महत्वपूर्ण धार्मिक, शैक्षणिक, व्यापारिक और पर्यटन केंद्रों के बीच तेज आवागमन का रास्ता खुलने की उम्मीद है। दिल्ली से वाराणसी की दूरी करीब 807 किलोमीटर है। वर्तमान में तेजस और राजधानी जैसी प्रमुख रेलगाड़ियों से यह सफर तय करने में 10 घंटे से अधिक समय लगता है। प्रस्तावित बुलेट ट्रेन के संचालन से यह समय घटकर लगभग साढ़े तीन घंटे रह सकता है। इससे दिल्ली, उत्तर प्रदेश, बिहार और पूर्वोत्तर भारत के बीच यात्रा करने वाले लोगों को समय की बचत होगी।



दीपावली से पहले 1 नवंबर को रवि पुष्य नक्षत्र का शुभ संयोग

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। दीपावली से पहले खरीदारी और नए कार्यों की शुरुआत करने वालों के लिए 1 नवंबर, रविवार का दिन विशेष महत्व रखता है। इस दिन रवि पुष्य नक्षत्र का शुभ संयोग बन रहा है। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, जब रविवार के दिन पुष्य नक्षत्र पड़ता है, तो उसे रवि पुष्य नक्षत्र कहा जाता है। इसे खरीदारी, निवेश और नए कार्यों की शुरुआत के लिए शुभ माना जाता है। पुष्य नक्षत्र में सोना-चांदी, वाहन, मकान, भूखंड और व्यापार से जुड़ी वस्तुओं की खरीदारी करना शुभ माना गया है। इस अवसर पर व्यापारी नए बहीखाते शुरू करते हैं, जबकि कई परिवार अपने घरों और दुकानों में लक्ष्मी-गणेश की पूजा-अर्चना करते हैं। दीपावली से पहले आने वाले इस शुभ संयोग के कारण बाजारों में खरीदारी की गतिविधियां बढ़ने की संभावना है। ज्योतिष शास्त्र में रविवार का स्वामी सूर्य को माना गया है। सूर्य को मान-सम्मान, प्रतिष्ठा, नेतृत्व और आत्मविश्वास का कारक ग्रह बताया गया है। वहीं, पुष्य नक्षत्र को स्थिरता, समृद्धि और शुभता का प्रतीक माना जाता है। इसी मान्यता के चलते रवि पुष्य नक्षत्र में किए गए शुभ कार्यों को मान-सम्मान, प्रसिद्धि और लाभ से जोड़कर देखा जाता है। ज्योतिषीय मान्यताओं के अनुसार, यदि इस दिन वाहन की सुपुर्दगी शाम को लेनी हो तो सूर्यास्त से पहले लेना बेहतर माना गया है। इसी प्रकार मकान या भूखंड की बुकिंग और नए कार्यों की शुरुआत भी सूर्यास्त से पहले करने की सलाह दी जाती है। घर की जरूरतों से जुड़ी अन्य वस्तुओं की खरीदारी भी इस दिन शुभ मुहूर्त में की जा सकती है। इस दिन पुष्य नक्षत्र के साथ सप्तमी तिथि का भी संयोग रहेगा। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, सप्तमी तिथि सूर्यदेव की पूजा के लिए विशेष मानी जाती है। इस अवसर पर सुबह स्नान के बाद तांबे के लोटे में जल लेकर सूर्यदेव को अर्घ्य देने की परंपरा है।



राष्ट्रीय एकता दिवस पर अहमदाबाद में गूंजा एकता का संदेश, पुलिस ने आयोजित की भव्य एकता दौड़



महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर अहमदाबाद में पुलिस विभाग की ओर से भव्य एकता दौड़ का आयोजन किया गया। भारत की एकता और अखंडता के प्रतीक लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 151वीं जयंती के अवसर पर आयोजित इस कार्यक्रम में देशभक्ति और राष्ट्रीय गौरव का उत्साह देखने को मिला। अहमदाबाद शहर पुलिस की ओर से आयोजित इस दौड़ के माध्यम से नागरिकों को राष्ट्रीय एकता, अखंडता और आपसी भाईचारे का संदेश दिया गया। कार्यक्रम में अहमदाबाद के पुलिस आयुक्त अनुपमसिंह गहलोत विशेष रूप से उपस्थित रहे। उन्होंने एकता दौड़ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर पुलिस विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों, पुलिसकर्मियों, गृह रक्षकों के साथ बड़ी संख्या में युवाओं और आम नागरिकों ने भाग लिया। सभी प्रतिभागियों में कार्यक्रम को लेकर खासा उत्साह दिखाई दिया। पुलिस आयुक्त की उपस्थिति ने आयोजन को विशेष महत्व प्रदान किया।

गांधीनगर नगर निगम का आउटसोर्स कर्मचारी 22 हजार रुपये की रिश्वत लेते पकड़ा गया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गांधीनगर। गुजरात की राजधानी गांधीनगर में नगर निगम के मवेशी नियंत्रण विभाग में कार्यरत एक आउटसोर्स कर्मचारी को 22 हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो की टीम ने पकड़ लिया। आरोप है कि कर्मचारी ने शिकायतकर्ता के मवेशियों के खिलाफ मामला दर्ज नहीं करने और भविष्य में किसी प्रकार की परेशानी खड़ी नहीं करने के बदले रिश्वत की मांग की थी। आरोपी ने इस रकम को दिवाली की किस्त बताते हुए मांग की थी। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो की कार्रवाई के बाद नगर निगम से जुड़े विभागों में हलचल मच गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, गांधीनगर नगर निगम के मवेशी नियंत्रण विभाग में एक आउटसोर्सिंग एजेंसी के माध्यम से जयदीपसिंह रामसिंह राजपूत पशुधन निरीक्षक के पद पर कार्यरत था। बताया जा रहा है कि उसने एक शिकायतकर्ता से उसके मवेशियों के खिलाफ कार्रवाई नहीं करने और भविष्य में किसी तरह की परेशानी नहीं खड़ी करने के बदले 22 हजार रुपये की अवैध मांग की थी।



अहमदाबाद में एएमटीएस बस की टक्कर से मोटरसाइकिल सवार गंभीर घायल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। गुजरात के अहमदाबाद शहर के नारनपुरा क्षेत्र में नगर परिवहन सेवा (एएमटीएस) की बस की चपेट में आने से मोटरसाइकिल सवार गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसा सहजानंद चौक के पास हुआ, जहां तेज गति से आ रही बस ने मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी। टक्कर के बाद मोटरसाइकिल सवार बस के पिछले पहियों के नीचे आ गया। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। हादसे का पूरा घटनाक्रम पास में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, नारनपुरा के व्यस्त सहजानंद चौक पर यातायात सामान्य रूप से चल रहा था। इसी दौरान वहां से गुजर रही एएमटीएस बस और मोटरसाइकिल के बीच टक्कर हो गई। टक्कर लगने से मोटरसाइकिल सवार अपना संतुलन खो बैठा और बस के पिछले पहियों की चपेट में आ गया। घटना इतनी अचानक हुई कि आसपास मौजूद लोगों को संभलने का मौका तक नहीं मिला। हादसे को देखकर मौके पर मौजूद लोग तुरंत घायल की मदद के लिए आगे आए। हादसे के बाद स्थानीय लोगों ने घायल मोटरसाइकिल सवार को तत्काल अस्पताल पहुंचाया, जहां उसका उपचार जारी है।



डभोई में साइबर ठगी: संदिग्ध लिंक पर क्लिक करते ही युवक के खाते से उड़ाए 3 लाख रुपये

महानगर मेट्रो ब्यूरो

डभोई। गुजरात के डभोई तालुका में साइबर ठगी का एक मामला सामने आया है, जहां एक युवक को ई-चालान के नाम पर भेजे गए संदिग्ध लिंक पर क्लिक करना भारी पड़ गया। लिंक खोलते ही उसके मोबाइल में एक फर्जी ऐप डाउनलोड हो गया और कुछ ही देर में उसके बैंक खाते से 3 लाख रुपये से अधिक की रकम निकाल ली गई। अपनी मेहनत की कमाई गंवाने के बाद युवक ने साइबर सहायता केंद्र से संपर्क कर पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। जानकारी के अनुसार, डभोई तालुका के चनोद के पास स्थित नवा मांडवा गांव निवासी 29 वर्षीय अजय प्रवीणभाई माछी मोटरसाइकिल मरम्मत का काम करते हैं। इसी काम से होने वाली आमदनी के जरिए वह अपने परिवार का भरण-पोषण करते हैं। गत 12 सितंबर को दोपहर करीब 12 बजे वह अपने गैरेज में काम कर रहे थे। इसी दौरान उनके मोबाइल पर एक अनजान नंबर से वाहन के ई-चालान से संबंधित संदेश आया। संदेश के साथ 'व्हीकल एसजी ई-चालान' नाम का एक संदिग्ध लिंक भी भेजा गया था। अजय ने संदेश को अपने वाहन के चालान से संबंधित समझा और बिना उसकी सत्यता की जांच किए लिंक पर क्लिक कर दिया। इसके बाद उनके मोबाइल में 'एम परिवहन नेक्स्ट जनरेशन' नाम का एक ऐप अपने आप डाउनलोड हो गया। बताया गया है कि यह वास्तविक सरकारी ऐप नहीं, बल्कि ठगी के उद्देश्य से तैयार किया गया फर्जी ऐप था। ऐप डाउनलोड होने के बाद साइबर ठगों ने कथित तौर पर उनके मोबाइल तक पहुंच बना ली। इसके कुछ ही समय बाद उनके बैंक खाते से बिना जानकारी और अनुमति के लगातार कई लेनदेन होने लगे। जब तक युवक को खाते से रकम निकलने का पता चला, तब तक कुल 3 लाख 501 रुपये की राशि निकाली जा चुकी थी। बैंक खाते से इतनी बड़ी रकम निकलने की जानकारी मिलने पर अजय माछी के होश उड़ गए। मोटरसाइकिल मरम्मत का काम करके जुटाई गई मेहनत की कमाई इस तरह गंवाने के बाद उन्होंने तुरंत साइबर सहायता केंद्र से संपर्क किया। इसके बाद पुलिस थाने पहुंचकर पूरे घटनाक्रम की जानकारी दी और औपचारिक शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामले की जांच शुरू कर दी है। ठगी में इस्तेमाल किए गए मोबाइल नंबर, संदिग्ध लिंक और फर्जी ऐप से जुड़े तथ्यों की पड़ताल की जा रही है। साथ ही बैंक खातों में हुए लेनदेन और आरोपियों तक पहुंचने के प्रयास किए जा रहे हैं। इस घटना ने एक बार फिर मोबाइल पर आने वाले अनजान संदेशों और ई-चालान के नाम पर भेजे जाने वाले फर्जी लिंक को लेकर सतर्क रहने की जरूरत उजागर की है।

धर्म की आड़ में कथित कुकर्मों का साम्राज्य?

सागरचंद्र सागर पर गंभीर आरोपों से जैन समाज में भूचाल!

अश्लील तस्वीरों, साध्वियों के कथित शोषण और करोड़ों की बेनामी संपत्तियों को लेकर गंभीर आरोप

महानगर मेट्रो ब्यूरो/पवन माकन

अहमदाबाद / उज्जैन / पालिताना। जिस जैन धर्म की नींव अहिंसा, त्याग, संयम और ब्रह्मचर्य जैसे कठोर सिद्धांतों पर टिकी है, उसी धर्म के एक प्रमुख पद पर आसीन व्यक्ति पर उठे गंभीर सवालों ने श्रद्धालुओं को हिलाकर रख दिया है। पालिताना की पावन भूमि पर कथित आचार्य सागरचंद्र सागर को लेकर सामने आए आरोपों ने न केवल धार्मिक अनुयायियों के मन में शंकाएं पैदा की हैं, बल्कि पूरे समाज की साख और परंपरा पर भी बहस छेड़ दी है।

गंभीर आरोपों का घेरा और उठते सवाल

सामने आई जानकारी के अनुसार, सागरचंद्र सागर पर अश्लील गतिविधियों, साध्वियों और महिलाओं के कथित शोषण, दान की राशि के दुरुपयोग और करोड़ों रुपये की बेनामी संपत्तियां अर्जित करने के गंभीर आरोप लगे हैं। सोशल मीडिया पर कथित आपत्तिजनक सामग्री को लेकर भी चर्चाएं जारी हैं। हालांकि, इन आरोपों की अभी स्वतंत्र या न्यायिक पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन निष्पक्ष जांच न होना और स्थिति का स्पष्ट न होना समाज के भीतर संदेह और आक्रोश को बढ़ा रहा है।

दान के पैसों का पारदर्शी हिसाब कब?

जैन परंपरा में दान को अत्यंत पवित्र माना जाता है। देशभर के श्रद्धालु जीवदया, शिक्षा और धार्मिक सेवा के लिए अपनी गाढ़ी कमाई का अंश अर्पित करते हैं। ऐसे में यदि दान की राशि का उपयोग निजी सुख-सुविधाओं या संपत्तियों के निर्माण में होने के आरोप लगते हैं, तो यह सीधे तौर पर आस्था के साथ छलावा है। मांग उठ रही है कि संबंधित संस्थाओं के बैंक खातों, ऑडिट रिपोर्ट और संपत्तियों की निष्पक्ष वित्तीय जांच कराई जाए ताकि सच सामने आ सके।

शोषण के आरोपों पर न्याय की दरकार

प्रकरण का सबसे संवेदनशील पहलू महिलाओं और साध्वियों के साथ कथित अनुचित व्यवहार का है। यदि इन आरोपों में रत्ती भर भी सच्चाई है, तो पीड़ितों को सुरक्षा और कानूनी सहायता मिलना अत्यंत आवश्यक है। किसी भी सामाजिक या धार्मिक दबाव के कारण न्याय का रास्ता बाधित नहीं होना चाहिए।

उज्जैन से पालिताना तक आंदोलन की आहट

खबर है कि इस मुद्दे को लेकर उज्जैन से पालिताना तक विरोध प्रदर्शन की रूपरेखा तैयार हो रही है। आने वाले दिनों में एक राष्ट्रीय प्रेस कॉन्फ्रेंस के जरिए सबूत और दस्तावेज सार्वजनिक करने का दावा किया जा रहा है। यदि प्रमाण सामने आते हैं, तो यह मामला कानूनी एजेंसियों के हस्तक्षेप तक पहुंचेगा।

आस्था का आधार सिर्फ सत्य

धर्म किसी व्यक्ति की निजी संपत्ति नहीं हो सकता और न ही साधुता का चोला किसी को कानून से ऊपर बना सकता है। यदि आरोप गलत हैं तो संबंधित व्यक्ति को निर्दोष सिद्ध होने का अवसर मिलना चाहिए, और यदि आरोप सही पाए जाते हैं तो

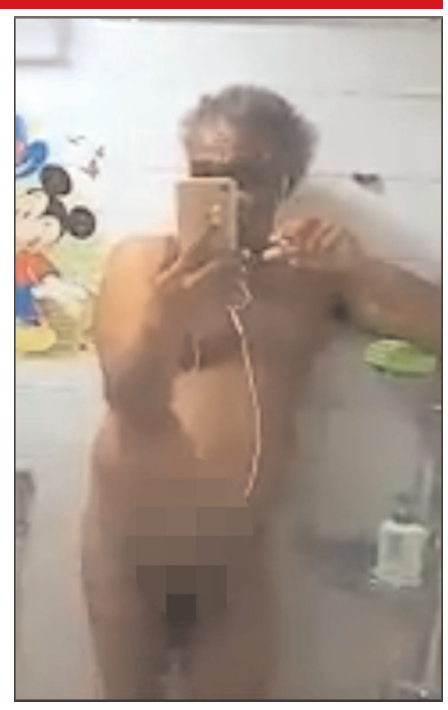


कठोरतम कार्रवाई होनी चाहिए। अब समय आ गया है कि भावनाओं के बजाय साक्ष्यों और निष्पक्ष जांच के जरिए इस पूरे प्रकरण की हकीकत उजागर की जाए।

जैन समाज के सामने पांच बड़े सवाल!

क्या सागरचंद्र सागर से जुड़े कथित आपत्तिजनक मामलों की निष्पक्ष जांच होगी? क्या साध्वियों और महिलाओं की शिकायतों पर स्वतंत्र जांच एजेंसी कार्रवाई करेगी? क्या धार्मिक दान और कथित संपत्तियों का पूरा वित्तीय हिसाब सार्वजनिक होगा? क्या संबंधित धार्मिक संस्थाएं इस विवाद पर आधिकारिक स्पष्टीकरण देंगी?

सम्पादकीय टिप्पणी: साधु का चोला पहन लेने भर से कोई कानून और सामाजिक जवाबदेही से ऊपर नहीं हो जाता। त्याग और तपस्या के पावन प्रतीक पर यदि चरित्रहीनता और वित्तीय डकैती के दाग लग रहे हैं, तो यह केवल मौन साधने का समय नहीं है।



आस्था के नाम पर बनाए गए साम्राज्य और चाटुकारिता के किले को अब सच के हथौड़े से ध्वस्त करना ही होगा। यदि इन संगीन आरोपों में तनिक भी सत्यता है, तो ऐसे छद्म आचार्यों को सलाखों के पीछे भेजकर धर्म की पवित्रता को बहाल किया जाए, अन्यथा मौन की यह सुगबुगाहट पूरे समाज को कटघरे में खड़ा रखेगी।

अहमदाबाद में 'लौह पुरुष' सरदार वल्लभभाई पटेल की 151वीं जयंती का भव्य आयोजन

निकोल में उनकी प्रतिमा पर प्रदेश भाजपा अध्यक्ष जगदीश विश्वकर्मा ने दी भावपूर्ण श्रद्धांजलि

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। 'लौह पुरुष' सरदार वल्लभभाई पटेल - जो एक अखंड भारत के निर्माता और देश के पहले गृह मंत्री थे - की 151वीं जयंती को पूरे देश में 'राष्ट्रीय एकता दिवस' के रूप में बड़े उत्साह और सम्मान के साथ मनाया जा रहा है। इस राष्ट्रीय अवसर पर, गुजरात की आर्थिक राजधानी अहमदाबाद में कई कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। शहर के निकोल इलाके में सरदार वल्लभभाई पटेल की भव्य प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित करने के लिए एक कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें प्रदेश भाजपा अध्यक्ष जगदीश विश्वकर्मा शामिल हुए। अहमदाबाद के निकोल इलाके में आयोजित इस विशेष श्रद्धांजलि समारोह में, गुजरात प्रदेश भाजपा अध्यक्ष जगदीश विश्वकर्मा ने 'लौह पुरुष' सरदार वल्लभभाई पटेल की प्रतिमा के चरणों में पारंपरिक सूती



माला ('सुतर नी आंटी') और फूलों का गुलदस्ता रखकर उन्हें भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर स्थानीय पदाधिकारी, संगठन के नेता, पार्टी कार्यकर्ता और बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक मौजूद थे। पूरा इलाका 'सरदार पटेल अमर रहें' और 'भारत माता की जय' के नारों से गूंज उठा। उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए, प्रदेश अध्यक्ष जगदीश विश्वकर्मा ने राष्ट्र के प्रति सरदार साहब के अद्वितीय योगदान को याद किया। उन्होंने कहा कि अपनी दृढ़ इच्छाशक्ति और कुशल रणनीति के माध्यम से, सरदार वल्लभभाई पटेल ने 562 से अधिक रियासतों को एकजुट करके उस अखंड भारत का निर्माण किया, जिसे आज हम देखते हैं। आज हम जो सुरक्षित और एकजुट भारत देख रहे हैं, उसका पूरा श्रेय सरदार साहब के अथक, कठिन प्रयासों और अदम्य साहस को जाता है। युवा पीढ़ी से आग्रह करते हुए उन्होंने कहा कि आज के 'राष्ट्रीय एकता दिवस' के अवसर पर, हम सभी को सरदार साहब के 'राष्ट्र प्रथम' के मंत्र को अपनाना चाहिए और देश की एकता व अखंडता को बनाए रखने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध रहना चाहिए।

नडियाद में अवैध लकड़ी के कारोबार का आरोप, संतराम वेब्रिज के पास रात के अंधेरे में हो रही नीलामी

शेहेरा, छोटा उदेपुर और संतरामपुर से लकड़ी से भरे ट्रक पहुंचने की चर्चा;

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नडियाद। गुजरात में एक ओर वन संरक्षण और हरियाली बढ़ाने के लिए वृक्षारोपण अभियान चलाए जा रहे हैं, वहीं दूसरी ओर अवैध रूप से पेड़ों की कटाई और लकड़ी के कारोबार को लेकर गंभीर आरोप सामने आए हैं। नडियाद के संतराम वेब्रिज के पास कथित रूप से बड़े पैमाने पर अवैध लकड़ी का कारोबार संचालित होने की जानकारी सामने आई है। बताया जा रहा है कि यहां रात के अंधेरे और सुबह के समय लकड़ी से भरे ट्रक पहुंचते



हैं, जिसके बाद लकड़ी की नीलामी की जाती है। इस पूरे मामले ने वन विभाग और स्थानीय प्रशासन की निगरानी व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार, पंचमहल और मध्य गुजरात के विभिन्न वन क्षेत्रों में अवैध रूप से पेड़ों की कटाई किए जाने के आरोप हैं। इनमें शेहेरा, छोटा उदेपुर और संतरामपुर जैसे क्षेत्र शामिल बताए जा रहे हैं। आरोप है कि इन इलाकों से लकड़ी भरकर ट्रकों के माध्यम से नडियाद तक पहुंचाई जाती है। इसके बाद संतराम वेब्रिज के आसपास कथित तौर पर लकड़ी की बिक्री और नीलामी की प्रक्रिया होती है। हालांकि, इन आरोपों की आधिकारिक पुष्टि और लकड़ी के स्रोत की जांच होना अभी बाकी है। मामले में संतराम वेब्रिज की भूमिका भी चर्चा में है।

सूरत नगर निगम की बैठक में 1 लाख के भजिये खाने पर बवाल, 31 किलो भजिये और घारी के खर्च ने खड़े किए सवाल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सूरत। दक्षिण गुजरात के प्रमुख औद्योगिक शहर सूरत में नगर निगम की सामान्य सभा की बैठक के दौरान भजिये और मिठाई पर हुए खर्च को लेकर नया विवाद खड़ा हो गया है। इस बार विवाद शहर के विकास कार्यों, बजट या नागरिक सुविधाओं को लेकर नहीं, बल्कि बैठक में परोसे गए नाश्ते के खर्च को लेकर है। नगर निगम की सामान्य सभा की बैठक में करीब 1 लाख रुपये के भजिये और घारी मंगवाए जाने की जानकारी सामने आने के बाद राजनीतिक गलियारों से लेकर आम नागरिकों के बीच चर्चा तेज हो गई है। सवाल उठ रहे हैं कि जब आम नागरिक सड़क, पानी और अन्य बुनियादी सुविधाओं से जुड़ी समस्याओं का सामना कर रहे हैं, तब नगर निगम के बजट से नाश्ते पर इतनी बड़ी राशि खर्च करना कितना उचित है। जानकारी के अनुसार, सूरत नगर निगम की हाल ही में आयोजित सामान्य सभा की बैठक में करीब 31 किलोग्राम भजिये मंगवाए गए थे। इनकी कीमत 750 रुपये प्रति किलोग्राम बताई गई है। इसके अलावा सूरत की प्रसिद्ध पारंपरिक मिठाई घारी भी बैठक में शामिल लोगों के लिए मंगवाई गई थी। भजिये और घारी पर हुए खर्च का मामला सामने आने के बाद नगर निगम के कामकाज और सार्वजनिक धन के इस्तेमाल को लेकर सवाल उठने लगे हैं। इस पूरे मामले में सबसे अधिक चर्चा 31 किलो भजिये की मात्रा और उनके खर्च को लेकर हो रही है। नगर निगम की बैठक में पार्षदों के अलावा अधिकारी, कर्मचारी और अन्य आमंत्रित लोग भी मौजूद रहते हैं। ऐसे में बैठक के दौरान नाश्ते की व्यवस्था को लेकर सवाल उठाए जा रहे हैं कि आखिर सार्वजनिक धन से इस तरह के खर्च की आवश्यकता क्यों पड़ी। विवाद बढ़ने के बाद सूरत की महापौर मायाबेन ने सामने आकर इस खर्च का बचाव किया। उन्होंने बताया कि जिस दिन बैठक आयोजित की गई थी, उस दिन चांदी पड़वा का पर्व था। इसी अवसर पर बैठक में मौजूद लोगों को पारंपरिक रूप से घारी और भजिये परोसे गए थे। महापौर के अनुसार, करीब 31 किलोग्राम भजिये मंगवाए गए थे, जिनकी दर 750 रुपये प्रति किलोग्राम थी। महापौर ने यह भी स्पष्ट किया कि नाश्ते की व्यवस्था केवल पार्षदों के लिए नहीं थी, बल्कि बैठक में मौजूद पत्रकारों, नगर निगम के कर्मचारियों और अन्य सभी लोगों को भी सद्भावना के तौर पर नाश्ता परोसा गया था। उनका कहना है कि यह आयोजन पर्व के अवसर पर पारंपरिक खानपान की व्यवस्था के तहत किया गया था। हालांकि, महापौर की सफाई के बावजूद विवाद थमता नजर नहीं आ रहा है।



डभोई में 'रन फॉर यूनिटी' की शानदार शुरुआत

5,000 से अधिक नागरिकों के जोश और उत्साह के बीच पूरे शहर में देशभक्ति का माहौल

गृह राज्य मंत्री हर्ष संघवी ने 'रन फॉर यूनिटी' को हरी झंडी दिखाई; स्थानीय लोगों, युवाओं और राजनीतिक व सामाजिक नेताओं की भारी उपस्थिति

महानगर मेट्रो ब्यूरो

डभोई। 'लौह पुरुष' और अखंड भारत के निर्माता सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती–जिसे 'राष्ट्रीय एकता दिवस' (नेशनल यूनिटी डे) के रूप में मनाया जाता है–के उपलक्ष्य में पूरे राज्य में विशेष कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इसी क्रम में, डभोई में एक भव्य और प्रेरणादायक 'रन फॉर यूनिटी' का आयोजन किया गया। गृह राज्य मंत्री हर्ष संघवी ने इस कार्यक्रम में शिरकत की और दौड़ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।



कॉलेज ग्राउंड से ऐतिहासिक 'वडोदरी भागोल' तक भारी जनसमूह

'रन फॉर यूनिटी' की शुरुआत डभोई के कॉलेज ग्राउंड से हुई। सुबह से ही यहाँ युवाओं, स्कूली और कॉलेज के छात्रों, सामाजिक नेताओं और स्थानीय निवासियों में गजब का उत्साह देखने को मिला। तिरंगा थामे 5,000 से अधिक प्रतिभागियों ने पूरे जोश के साथ इस दौड़ में हिस्सा लिया। इस अवसर पर गुजरात के गृह राज्य मंत्री हर्ष संघवी के साथ डभोई के विधायक शैलेशभाई मेहता, वडोदरा जिला भाजपा अध्यक्ष बी. जे. ब्रह्मभट्ट, वडोदरा जिला भाजपा के वरिष्ठ नेता शशिकांतभाई पटेल और कई स्थानीय पदाधिकारी व अधिकारी मौजूद थे। यह दौड़ कॉलेज रोड से शुरू होकर शहर के विभिन्न हिस्सों से गुजरी और ऐतिहासिक 'वडोदरी भागोल' (वडोदरी गेट) पर संपन्न हुई। पूरे रास्ते में हर उम्र के लोग दौड़ने वालों का उत्साह बढ़ाते नजर आए। पूरा मार्ग 'भारत माता की जय', 'वंदे मातरम' और 'सरदार पटेल अमर रहें' जैसे नारों से गूंज उठा, जिससे पूरा डभोई शहर देशभक्ति की भावना से सराबोर हो गया।

आज पूरी दुनिया सरदार साहब की ताकत के आगे नतमस्तक है: हर्ष संघवी

स्थानीय नागरिकों और युवाओं को संबोधित करते हुए, गृह राज्य मंत्री हर्ष संघवी ने कहा कि आज पूरी दुनिया उस 'अखंड भारत' की ताकत और क्षमता को देख रही है, जिसे सरदार वल्लभभाई पटेल ने 562 से अधिक रियासतों को एक साथ लाकर बनाया था। उन्होंने जोर देकर कहा, 'जो देश और लोग कभी पूरी दुनिया पर राज करते थे, वे आज भारत आकर सरदार साहब के आदर्शों और उनकी महानता के सामने अपना सिर झुकाते हैं।' मंत्री ने देश की आने वाली पीढ़ियों और युवाओं से आह्वान किया कि वे सरदार वल्लभभाई पटेल के आदर्शों–एकता, अखंडता और 'राष्ट्र सर्वोपरि' के सिद्धांत–को अपने निजी जीवन में अपनाएं।

डभोई के टिम्बी गांव में भीषण सड़क हादसा, आयशर वाहन की टक्कर से मोटरसाइकिल सवार की मौत

महानगर मेट्रो ब्यूरो

डभोई। गुजरात के डभोई तालुका के टिम्बी गांव के पास तेज रफ्तार आयशर वाहन की टक्कर से मोटरसाइकिल सवार एक अधेड़ उम्र के व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई। हादसा इतना भीषण था कि टक्कर लगते ही व्यक्ति मोटरसाइकिल से उछलकर सड़क पर जा गिरा और गंभीर चोटों के कारण उसने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया। दुर्घटना के बाद आयशर वाहन का चालक मौके से फरार हो गया। घटना की जानकारी मिलते ही आसपास के लोग और मृतक के परिजन मौके पर पहुंच गए। अचानक हुई इस घटना से परिवार में शोक की लहर फैल गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार, डभोई तालुका के पानसोली गांव स्थित नर्मदा कॉलोनी के निवासी वरसनभाई राठवा अपने रोजमर्रा के काम से बाहर गए हुए थे। 30 तारीख को सुबह करीब 10:45 बजे वह अपनी मोटरसाइकिल से घर लौट रहे थे। इसी दौरान जब वह टिम्बी गांव के बाहरी क्षेत्र से गुजर रहे थे, तभी तेज रफ्तार से आ रहे एक आयशर वाहन ने उनकी मोटरसाइकिल को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि वरसनभाई मोटरसाइकिल से उछलकर सड़क पर गिर पड़े। दुर्घटना में उनके सिर सहित शरीर के अन्य हिस्सों में गंभीर चोटें आईं। हादसे की आवाज सुनकर आसपास के खेतों में काम कर रहे लोग और राहगीर तुरंत घटनास्थल पर पहुंचे, लेकिन तब तक उनकी मौत हो चुकी थी। दुर्घटना के बाद आयशर वाहन का चालक रुकने के बजाय मौके से फरार हो गया। हादसे की सूचना मिलते ही मृतक के परिजन और ग्रामीण घटनास्थल पर पहुंच गए। परिवार के लिए यह घटना बेहद दुखद साबित हुई। बताया गया कि हादसे के समय परिवार के सदस्यों के सामने ही एक जिंदगी छिन गई।



सुरक्षित बचपन अभियान : विद्यालयों में विशेष विधिक साक्षरता शिविर का हुआ आयोजन

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजनांदगांव। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली के निर्देशन तथा छत्तीसगढ़ राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण बिलासपुर के मागदर्शन में सुरक्षित बचपन अभियान का प्रथम चरण के समापन दिवस 31 अक्टूबर 2026 को राजनांदगांव एवं तहसील स्तर पर स्थित्त विद्यालयों में विद्यार्थियों को पॉक्सो अधिनियम के संबंध में जागरूक किए जाने हेतु विशेष विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया। सुरक्षित बचपन अभियान के तहत आज शासकीय उच्चतर माध्यमिक शाला कन्हारपुरी, वेसलियन इंग्लिश मीडियम स्कूल, स्टेट स्कूल पूर्व माध्यमिक शाला, शासकीय हाईस्कूल सोमनी में जागरूकता शिविर आयोजित किया गया। शिविर में न्यायाधीशगणों द्वारा विद्यार्थियों को लैंगिक उत्पीडन् से पीड़ित को कानूनी संरक्षण के संबंध में जानकारी दी गई। उन्होंने बताया कि कोई भी विद्यार्थी लैंगिक अपराध में शामिल होता है तो वह कानून की दृष्टि में जघन्य अपराध है। वर्तमान परिस्थिति में विद्यार्थी अत्यधिक सोशल मीडिया का उपयोग करते हैं तथा नवीन एआई तकनीक का उपयोग कर सोशल मीडिया के फोटो को परिवर्तित कर देते हैं तथा परिवर्तित फोटो को सोशल मीडिया में अपलोड भी कर देते हैं। जिससे संबंधित फोटो, समाज में पीड़ित पर दुष्प्रभाव डालता है। पीड़ित ऐसी जानकारी को तत्काल नजदीकी पुलिस स्टेशन में देना चाहिए। ऐसा कृत्य करने वाले कोई भी व्यक्ति कानून में दोषी पाए जा सकते हैं। विद्यार्थियों को सोशल मीडिया के उपयोग से बचना चाहिये। सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्रीमती प्रीति नागवंशी द्वारा शासकीय हाईस्कूल सोमनी में ई-कचरा संग्रहण कॉर्नर का शुभारंभ किया गया। न्यायाधीश ने विद्यार्थियों को बताया कि लैंगिक अपराध से पीड़ित बालक-बालिका का जिला विधिक सेवा प्राधिकरण निःशुल्क विधिक सलाह उपलब्ध कराता है तथा आवश्यक होने पर निःशुल्क पैनल अधिवक्ता भी पीड़ित को उपलब्ध कराया जाता है। लैंगिक अपराध की जानकारी पीड़ित पक्ष अपने परिवार के नजदीकी सदस्य, जिन पर वह विश्वास करते हैं, उन्हें देना चाहिए तथा लैंगिक अपराध की जानकारी विद्यालय के अध्यापक अथवा अन्य किसी समझदार एवं विश्वासयोग्य व्यक्ति को दी जानी चाहिए।

पोइचा रंग सेतु पुल पर भारी वाहनों की आवाजाही एक साल से बंद, 40 किलोमीटर का अतिरिक्त चक्कर लगाने को मजबूर वाहन चालक

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजपीपला। नर्मदा और वडोदरा जिलों को जोड़ने वाले राजपीपला-वडोदरा मार्ग पर स्थित पोइचा रंग सेतु पुल पिछले करीब एक साल से भारी वाहनों के लिए बंद है। पुल पर बड़े और भारी वाहनों की आवाजाही पर रोक के कारण क्षेत्र के नागरिकों, व्यापारियों और वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। राजपीपला से वडोदरा और आसपास के क्षेत्रों में आने-जाने वाले मालवाहक वाहनों को अब करीब 40 किलोमीटर का अतिरिक्त रास्ता तय करना पड़ रहा है। इससे समय और ईंधन की खपत बढ़ने के साथ परिवहन लागत पर भी असर पड़ रहा है। नर्मदा नदी पर बना यह पुल दोनों जिलों के बीच आवागमन और व्यापारिक गतिविधियों के लिए महत्वपूर्ण माना जाता है। भारी वाहनों के लिए रास्ता बंद होने से माल की ढुलाई करने वाले वाहन चालकों को वैकल्पिक मार्गों का सहारा लेना पड़ रहा है। लंबा रास्ता तय करने के कारण माल पहुंचाने में अधिक समय लग रहा है और परिवहन खर्च भी बढ़ रहा है। इसका असर व्यापारियों और माल परिवहन से जुड़े कारोबारियों पर पड़ रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि पुल पर भारी वाहनों की आवाजाही बंद रहने से क्षेत्र की आर्थिक गतिविधियां भी प्रभावित हो रही हैं। इस मामले में पुल के निर्माण और उसकी गुणवत्ता को लेकर भी सवाल उठने लगे हैं। जानकारी के अनुसार, पोइचा रंग सेतु पुल का निर्माण वर्ष 2005 में हुआ था। करीब दो दशक बाद पुल की ऐसी स्थिति बनने और भारी वाहनों के लिए आवाजाही रोकने की जरूरत पड़ने से निर्माण की मजबूती, रखरखाव और गुणवत्ता की जांच की मांग उठ रही है। नागरिकों का सवाल है कि पुल की स्थिति इतनी खराब होने के पीछे क्या कारण रहे और समय-समय पर इसकी देखरेख तथा मरम्मत के लिए क्या कदम उठाए गए। हालांकि, पुल की मौजूदा स्थिति और उसकी तकनीकी खामियों के वास्तविक कारणों का पता विशेषज्ञों की जांच से ही चल सकेगा।



वडोदरा में प्राकृतिक जलमार्ग पर निर्माण मलबे का अंबार, भूखी कांस नाले का रास्ता बाधित

एम.एस. विश्वविद्यालय के पास खुलेआम डाला जा रहा निर्माण कचरा, बारिश के पानी की निकासी और पर्यावरण पर मंडराया खतरा; विश्वामित्री नदी के किनारों पर भी मलबा डालने के आरोप

महानगर मेट्रो ब्यूरो

वडोदरा। गुजरात की सांस्कृतिक नगरी वडोदरा में पर्यावरण संरक्षण और जलस्रोतों की सफाई को लेकर किए जा रहे दावों के बीच प्राकृतिक जलमार्गों की स्थिति पर सवाल खड़े हो रहे हैं। प्रतिष्ठित एम.एस. विश्वविद्यालय के पास से गुजरने वाले ऐतिहासिक भूखी कांस नाले में निर्माण और तोड़फोड़ से निकलने वाला मलबा डाले जाने का मामला सामने आया है। स्थानीय स्तर पर मिली जानकारी के अनुसार, नाले के आसपास लगातार निर्माण सामग्री, प्लास्टिक और अन्य ठोस कचरा फेंका जा रहा है। इससे प्राकृतिक जल निकासी व्यवस्था प्रभावित होने की आशंका जताई जा रही है। भूखी कांस केवल एक सामान्य नाला नहीं, बल्कि मानसून के दौरान शहर के बड़े हिस्से से बारिश के पानी की निकासी का महत्वपूर्ण प्राकृतिक माध्यम माना जाता है। इसके किनारों और जलप्रवाह के रास्ते में मलबे के ढेर जमा होने से पानी की आवाजाही बाधित हो सकती है। स्थानीय लोगों की चिंता है कि यदि समय रहते इस कचरे को नहीं हटाया गया, तो बारिश के दौरान आसपास के क्षेत्रों में जलभराव की समस्या गंभीर रूप ले सकती है। इसके साथ ही जमा गंदगी से दुर्गंध फैलने, मच्छरों की संख्या बढ़ने और मौसमी बीमारियों का खतरा भी पैदा हो सकता है।



आरोप है कि कुछ निर्माणकर्ताओं और अन्य लोगों की ओर से दिन-रात नाले के आसपास मलबा डाला जा रहा है। सवाल यह है कि शहर के प्रमुख शैक्षणिक संस्थान के नजदीक इस तरह की गतिविधियां लंबे समय तक कैसे जारी रह सकती हैं। नगर निगम की निगरानी व्यवस्था पर भी सवाल उठ रहे हैं। नागरिकों का कहना है कि प्राकृतिक जल निकासी के रास्तों को कचरा डालकर अवरुद्ध करना शहर के पर्यावरण और भविष्य की सुरक्षा के लिए गंभीर चिंता का विषय है। वहीं, वडोदरा की जीवनरेखा मानी जाने वाली विश्वामित्री नदी के किनारों पर भी मलबा डाले जाने की शिकायतें सामने आई हैं। आरोप है कि नदी के तल और आसपास के क्षेत्रों में निर्माण कचरा जमा होने से उसके प्राकृतिक बहाव पर असर पड़ सकता है। इस स्थिति को लेकर पर्यावरण से जुड़े लोगों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और विद्यार्थियों में चिंता जताई जा रही है। उनका कहना है कि नदी और प्राकृतिक जलमार्गों की क्षमता प्रभावित होने का सीधा असर मानसून के दौरान शहर की जल निकासी व्यवस्था पर पड़ सकता है। इस पूरे मामले में कई सवाल नगर निगम की कार्यप्रणाली को लेकर उठ रहे हैं। एम.एस. विश्वविद्यालय जैसे प्रमुख क्षेत्र के पास इतनी बड़ी मात्रा में मलबा किसकी अनुमति से डाला जा रहा है? क्या नगर निगम के संबंधित अधिकारियों को इसकी जानकारी नहीं है? यदि जानकारी है तो अब तक मलबा डालने वालों के खिलाफ कार्रवाई क्यों नहीं की गई? प्राकृतिक जलस्रोतों और नदी के किनारों को नुकसान पहुंचाने वालों की जिम्मेदारी तय करने की मांग भी उठ रही है। पर्यावरणविदों और नागरिकों ने मांग की है कि भूखी कांस नाले तथा विश्वामित्री नदी के आसपास जमा निर्माण मलबे को तत्काल हटाया जाए। साथ ही, मलबा डालने के लिए जिम्मेदार लोगों की पहचान कर नियमानुसार कार्रवाई की जाए। नागरिकों ने चेतावनी दी है कि यदि नगर निगम ने जल्द कदम नहीं उठाए तो इस मुद्दे पर जन आंदोलन शुरू किया जाएगा। अब देखना यह होगा कि प्रशासन प्राकृतिक जलमार्गों की सुरक्षा और शहर की जल निकासी व्यवस्था को लेकर कब ठोस कार्रवाई करता है।

वन कर्मचारियों के आंदोलन से गुजरात में वन सुरक्षा पर चिंता, लंबित मांगों को लेकर कई जिलों में प्रदर्शन

वेतनमान में सुधार, सुरक्षा भत्ता और समान सेवा अधिकारों की मांग पर अड़े कर्मचारी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गांधीनगर। गुजरात में वन विभाग के कर्मचारियों के आंदोलन ने वन और वन्यजीवों की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ा दी है। अपनी लंबे समय से लंबित मांगों को लेकर वन कर्मचारी राज्य के विभिन्न जिलों में धरना-प्रदर्शन कर रहे हैं। कर्मचारियों की मांगों में वेतनमान में सुधार, सुरक्षा भत्ते का प्रावधान और समान सेवा अधिकार शामिल हैं। आंदोलन के चलते वन विभाग की नियमित गतिविधियों पर असर पड़ने की आशंका जताई जा रही है। वहीं, पर्यावरण संरक्षण से जुड़े लोगों ने सरकार से कर्मचारियों की समस्याओं का जल्द समाधान निकालने की मांग की है।



जानकारी के अनुसार, राज्य के अलग-अलग वन क्षेत्रों में तैनात बीट गार्ड और वनपाल सहित कई कर्मचारी गांधीनगर से लेकर जिला मुख्यालयों तक विरोध-प्रदर्शन कर रहे हैं। कर्मचारियों का कहना है कि वे लंबे समय से अपनी मांगों को सरकार के सामने रख रहे हैं, लेकिन अब तक कोई ठोस समाधान नहीं निकला है। उनका आरोप है कि वन क्षेत्रों में कठिन परिस्थितियों में काम करने के बावजूद उन्हें अपेक्षित सुविधाएं और सेवा संबंधी लाभ नहीं मिल पा रहे हैं। वन कर्मचारियों के आंदोलन का असर जंगलों की निगरानी और सुरक्षा व्यवस्था पर पड़ने की चिंता जताई जा रही है। वन क्षेत्रों में नियमित गश्त, अवैध लकड़ी कटाई पर निगरानी, अतिक्रमण रोकने और शिकार जैसी गतिविधियों पर नियंत्रण के लिए कर्मचारियों की भूमिका महत्वपूर्ण होती है। ऐसे में कर्मचारियों के आंदोलन के दौरान निगरानी व्यवस्था प्रभावित होने पर अवैध गतिविधियों का खतरा बढ़ सकता है। हालांकि, अलग-अलग वन क्षेत्रों में वास्तविक स्थिति और गश्त की उपलब्धता को लेकर विभागीय जानकारी सामने आना जरूरी है।

अहमदाबाद में खाकी वर्दीधारी कर्मियों के बीच मारपीट, टीआरबी जवान पर कांस्टेबल की वर्दी फाड़ने का आरोप

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। शहर के खमासा चौराहे पर यातायात व्यवस्था संभालने के लिए तैनात दो वर्दीधारी कर्मियों के बीच मारपीट का मामला सामने आया है। ड्यूटी के दौरान ट्रैफिक कांस्टेबल और यातायात नियमन दल (टीआरबी) के जवान के बीच शुरू हुआ विवाद देखते ही देखते हाथापाई तक पहुंच गया। आरोप है कि टीआरबी जवान नरेशभाई कालिदास ने ट्रैफिक कांस्टेबल प्रवीणसिंह के साथ मारपीट की और उनकी वर्दी भी फाड़ दी। दिनदहाड़े व्यस्त चौराहे पर हुई इस घटना से वहां मौजूद लोगों में हलचल मच गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार, कालूपुर सर्कल क्षेत्र की बीट में तैनात टीआरबी जवान नरेशभाई कालिदास और ट्रैफिक कांस्टेबल प्रवीणसिंह खमासा चौराहे पर अपनी ड्यूटी कर रहे थे। इसी दौरान किसी बात को लेकर दोनों के बीच कहासुनी शुरू हो गई। शुरुआत में सामान्य बातचीत और बहस के रूप में शुरू हुआ



विवाद कुछ ही देर में बढ़ गया। आरोप है कि इस दौरान नरेशभाई ने आपा खोते हुए कांस्टेबल प्रवीणसिंह के साथ हाथापाई कर दी। बताया जा रहा है कि विवाद के दौरान कांस्टेबल की वर्दी भी फाड़ दी गई। व्यस्त चौराहे पर दो वर्दीधारी कर्मियों के बीच अचानक हुई इस घटना को देखकर राहगीर और वाहन चालक रुक गए। कुछ ही देर में मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। जिस स्थान पर इन कर्मियों की जिम्मेदारी यातायात व्यवस्था बनाए रखने की थी, वहीं उनके बीच हुए विवाद ने विभागीय अनुशासन को लेकर सवाल खड़े कर दिए। घटना की जानकारी वरिष्ठ अधिकारियों तक पहुंचाई गई। इसके बाद ट्रैफिक कांस्टेबल प्रवीणसिंह ने टीआरबी जवान नरेशभाई कालिदास के खिलाफ ई-डिवीजन ट्रैफिक पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई। शिकायत के आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस की ओर से विवाद के कारणों और घटना के दौरान हुई मारपीट से जुड़े तथ्यों की पड़ताल की जा रही है। इस घटना के बाद पुलिस विभाग के भीतर अनुशासन और ड्यूटी के दौरान कर्मचारियों के व्यवहार को लेकर चर्चा तेज हो गई है। नागरिकों का कहना है कि यातायात व्यवस्था और कानून का पालन कराने की जिम्मेदारी संभालने वाले कर्मियों से सार्वजनिक स्थानों पर संयमित व्यवहार की अपेक्षा की जाती है। अब पुलिस जांच के बाद ही स्पष्ट होगा कि विवाद किस वजह से शुरू हुआ और आरोपों के आधार पर संबंधित जवान के खिलाफ क्या कार्रवाई की जाती है।

अमरेली के बाबरा में बेमौसम बारिश से किसानों की फसल भीगी, दिवाली के बीच आर्थिक संकट गहराया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अमरेली। गुजरात के अमरेली जिले के बाबरा क्षेत्र में दिवाली के दौरान हुई बेमौसम बारिश ने किसानों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। देर रात अचानक हुई बारिश के कारण बाबरा कृषि उपज बाजार समिति के खुले मैदान में बिक्री के लिए रखी बड़ी मात्रा में कपास और मूंगफली भीग गई। महीनों की मेहनत के बाद उपज लेकर बाजार पहुंचे किसानों को अचानक मौसम बदलने से नुकसान उठाना पड़ा है। त्योहार के समय हुई इस घटना ने किसानों की खुशियों पर पानी फेर दिया है और उनके सामने आर्थिक संकट खड़ा कर दिया है। जानकारी के अनुसार, दिवाली की छुट्टियों से



पहले बाबरा और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के किसान अपनी कपास और मूंगफली की उपज बेचने के लिए बाजार समिति पहुंचे थे। बाजार में फसल की आवक अधिक होने और भंडारण की पर्याप्त जगह उपलब्ध नहीं होने के कारण बड़ी मात्रा में उपज खुले मैदान में रखी हुई थी। इसी दौरान देर रात मौसम में अचानक बदलाव आया और बारिश शुरू हो गई। किसानों को अपनी फसल सुरक्षित स्थान पर पहुंचाने का पर्याप्त समय नहीं मिल पाया। देखते ही देखते खुले में रखी कपास और मूंगफली बारिश में भीग गई। किसानों का कहना है कि उन्होंने पूरे मौसम में मेहनत कर फसल तैयार की थी। पहले ही मौसम की अनिश्चितता और खेती की बढ़ती लागत ने उनकी परेशानियां बढ़ा रखी थीं। ऐसे में फसल बेचने के लिए बाजार पहुंचने के बाद अचानक हुई बारिश ने उनकी उम्मीदों को झटका दिया है। किसानों को आशंका है कि भीगी हुई उपज की गुणवत्ता प्रभावित होने से उन्हें बाजार में उचित भाव नहीं मिल पाएगा।

त्योहारों से पहले अहमदाबाद पुलिस की व्यापारियों को बड़ी राहत, सोना-चांदी ले जाने पर मिलेगी निःशुल्क सुरक्षा

बाज़ारों में गश्त बढ़ाने और दुकानों पर सीसीटीवी लगाने के दिए निर्देश

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। दीपावली, धनतेरस और नए साल के त्योहारों को देखते हुए अहमदाबाद पुलिस ने शहर के सोने-चांदी के व्यापारियों और आभूषण कारोबारियों की सुरक्षा के लिए विशेष कार्ययोजना तैयार की है। त्योहारों के दौरान बाजारों में बढ़ने वाली भीड़, कारोबार और कीमती सामान के लेन-देन को ध्यान में रखते हुए पुलिस प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने का निर्णय लिया है। पुलिस आयुक्त अनुपमसिंह गहलोत की अध्यक्षता में आयोजित उच्चस्तरीय बैठक में शहर के प्रमुख आभूषण कारोबारियों और अंगड़िया फर्मों के संचालकों ने भाग लिया। बैठक में पुलिस आयुक्त ने व्यापारियों को आश्वस्त किया कि यदि किसी कारोबारी को सोना, चांदी या कीमती आभूषण एक स्थान से दूसरे स्थान तक ले जाने के लिए पुलिस सुरक्षा की आवश्यकता है, तो वह पुलिस विभाग से सहायता ले सकता है। इसके लिए अहमदाबाद पुलिस की ओर से निःशुल्क सुरक्षा उपलब्ध कराई जाएगी। इस पहल का उद्देश्य कीमती सामान के परिवहन के दौरान लूटपाट, चोरी और अन्य आपराधिक घटनाओं की आशंका को कम करना है। व्यापारियों को जरूरत के अनुसार पुलिस के साथ पहले से समन्वय स्थापित करने की सलाह दी गई है। बैठक में आभूषण दुकानों, बड़े शोरूम और अंगड़िया फर्मों की सुरक्षा को लेकर भी कई महत्वपूर्ण निर्देश दिए गए। पुलिस आयुक्त ने सभी कारोबारियों से अपने प्रतिष्ठानों के अंदर और बाहर उच्च गुणवत्ता वाले सीसीटीवी कैमरे लगाने को कहा। कैमरों की व्यवस्था ऐसी रखने पर जोर दिया गया, जिससे दुकानों के प्रवेश और निकास द्वार के साथ आसपास की सड़क पर होने वाली गतिविधियों पर भी निगरानी रखी जा सके। किसी आपराधिक घटना की स्थिति में सीसीटीवी फुटेज जांच में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।



छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर पद्मश्री गोविंदराम निर्मलकर ऑडिटोरियम में होगा जिला स्तरीय आयोजन

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजनांदगांव। छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर राज्योत्सव 2026 के उपलक्ष्य में 2 नवंबर 2026 को पद्मश्री गोविंदराम निर्मलकर ऑडिटोरियम गौरव पथ राजनांदगांव में जिला स्तरीय राज्योत्सव का आयोजन किया जाएगा। मुख्य कार्यक्रम का आयोजन शाम 6 बजे से होगा। राज्योत्सव में स्कूल शिक्षा, ग्रामोद्योग, विधि एवं विधायी कार्य तथा जिले के प्रभारी मंत्री श्री गजेन्द्र यादव मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। अतिविशिष्ट अतिथि के रूप में विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता सांसद संतोष पाण्डेय द्वारा की जाएगी। राज्योत्सव में विशिष्ट अतिथि के रूप में विधायक डोंगरगांव दलेश्वर साहू, विधायक खुज्जी भोलाराम साहू, विधायक डोंगरगढ़ श्रीमती हर्षिता स्वामी बघेल, महापौर मधुसूदन यादव, अध्यक्ष छत्तीसगढ़ पर्यटन मंडल नीलू शर्मा, अध्यक्ष छत्तीसगढ़ श्रम कल्याण मंडल योगेश दत्त मिश्रा, अध्यक्ष जिला पंचायत श्रीमती किरण वैष्णव, उपाध्यक्ष जिला पंचायत श्री किरण साहू, अध्यक्ष जनपद पंचायत राजनांदगांव श्रीमती प्रतिमा चन्द्राकर, समाज सेवी कोमल सिंह राजपूत उपस्थित रहेंगे। राज्योत्सव में विभिन्न विभाग की विभागीय महत्वपूर्ण योजनाओं एवं सफल योजनाओं की प्रदर्शनी का आयोजन पूर्वान्ह 11 बजे से होगा। सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन शाम 5 बजे से किया जाएगा। मुख्य अतिथि का आगमन एवं विभागीय विकास प्रदर्शनी का अवलोकन एवं विभिन्न विभागों के हितग्राहियों को सामग्री वितरण शाम 6 बजे से शाम 6.30 बजे तक किया जाएगा। मुख्य अतिथि का मंच पर आगमन एवं दीप प्रज्वलन शाम 6.30 बजे से शाम 6.45 बजे तक होगा। अतिथियों का स्वागत एवं उद्बोधन शाम 6.45 बजे से शाम 7.30 बजे तक होगा। लोककला एवं संगीत कलाकार श्री निलेश जोगी द्वारा शाम 7.30 बजे से रात्रि 10 बजे तक विशेष सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा।

सूरत सिविल अस्पताल में हंगामा: एक्स-रे के लिए व्हीलचेयर न मिलने से बुजुर्ग महिला परेशान; सुरक्षाकर्मियों और परिजनों के बीच तीखी बहस!

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सूरत। दक्षिण गुजरात की सबसे बड़ी और प्रमुख चिकित्सा सुविधा, सूरत न्यू सिविल अस्पताल, एक बार फिर मरीजों की परेशानी और प्रशासनिक लापरवाही के कारण विवादों में घिर गया है। भारी सरकारी फंडिंग और व्यापक सुविधाओं के दावों के बावजूद, अस्पताल में तब हंगामा मच गया जब एक बुजुर्ग मरीज को एक्स-रे के लिए समय पर व्हीलचेयर नहीं मिल सकी। इतनी बुनियादी सुविधा न मिलने से मरीज के परिजन भड़क गए, जिसके बाद अस्पताल के सुरक्षाकर्मियों के साथ उनकी तीखी बहस हुई और अस्पताल परिसर में भारी हंगामा खड़ा हो गया।

व्हीलचेयर न मिलने से बुजुर्ग महिला को परेशानी: व्यवस्था पर उठे सवाल।

रिपोर्ट्स के अनुसार, सिविल अस्पताल में इलाज कराने आई एक बुजुर्ग महिला को डॉक्टर ने एक्स-रे कराने की सलाह दी। लेकिन पता चला कि अस्पताल के बेहद भीड़भाड़ वाले माहौल में मरीजों को ले जाने के लिए पर्याप्त व्हीलचेयर या स्ट्रेचर ही उपलब्ध नहीं थे। परिजनों के बार-बार अनुरोध करने के बावजूद कोई व्हीलचेयर नहीं मिली, जिससे पहले से ही काफी तकलीफ झेल रहीं मरीज को पैदल चलने के लिए मजबूर होना पड़ा, जिससे उन्हें भारी परेशानी हुई। मरीज का असहनीय दर्द और प्रशासन की उदासीनता देखकर परिजनों का गुस्सा सातवें आसमान पर पहुंच गया और उन्होंने अस्पताल के कुप्रबंधन के खिलाफ विरोध जताना शुरू कर दिया।

वीडियो डिलीट करने को लेकर सुरक्षाकर्मियों और परिजनों के बीच तीखी बहस।

जब परिजनों ने अपनी लाचारी और प्रशासनिक लापरवाही को दिखाने के लिए मोबाइल फोन पर स्थिति को रिकॉर्ड करने की कोशिश की, तो सिविल अस्पताल के सुरक्षाकर्मियों ने तुरंत दखल दिया। सुरक्षाकर्मियों ने रिकॉर्डिंग करने से सख्ती से मना किया और फुटेज को डिलीट करने का दबाव डाला। इसके चलते सुरक्षाकर्मियों और आक्रोशित परिजनों के बीच तीखी बहस और जोरदार टकराव हो गया। मामला इतना बढ़ गया कि अस्पताल परिसर में मौजूद मरीजों और भीड़ के बीच भारी हंगामा मच गया। पुलिस का दखल और मामला खातोदरा पुलिस स्टेशन तक पहुंचा। जब स्थिति बेकाबू होने लगी, तो अस्पताल प्रशासन ने तुरंत पुलिस को सूचित किया। सूचना मिलते ही पुलिस की एक टीम मौके पर पहुंची और हालात को संभालने की कोशिश की। अस्पताल में हुए हंगामे को देखते हुए, पुलिस ने परिवार के सदस्यों को अपनी गाड़ी में बिठाया और खतोदरा पुलिस स्टेशन ले गई। लेकिन सिविल अस्पताल की खराब व्यवस्था और कुप्रबंधन को लेकर लोगों में भारी नाराजगी अभी भी बनी हुई है। 'महानगर मेट्रो न्यूज़' जनहित में, अस्पतालों में होने वाली ऐसी लापरवाही के खिलाफ अपनी आवाज़ उठाना जारी रखेगा।

जोधपुर पंचायत चुनाव में सोशल मीडिया इन्फ्लूएंसर की हार, महंत बने सरपंच

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जोधपुर। जिले में पंचायत चुनाव का दूसरा चरण पूरा होने के साथ ही गांवों की सरकार बनाने की चुनावी तस्वीर सामने आने लगी है। पहले चरण में 6 पंचायत समितियों में चुनाव हुए थे, जबकि दूसरे चरण में शेष 17 पंचायत समितियों में मतदान कराया गया। दूसरे चरण का चुनाव कई मायनों में रोचक रहा। इस बार गांव की सरकार बनाने के लिए सोशल मीडिया इन्फ्लूएंसर, पूर्व सरपंच, मठ के महंत और छात्र नेता तक चुनावी मैदान में उतरे। हालांकि, सोशल मीडिया पर लाखों लोगों के बीच लोकप्रिय चेहरों को भी मतदाताओं का वैसा समर्थन नहीं मिला, जिसकी उम्मीद की जा रही थी।जिले के चर्चित सोशल मीडिया इन्फ्लूएंसर हिम्मताराम खदाव भी चुनावी मैदान में अपनी किस्मत आजमाने उतरे थे। सोशल मीडिया पर उनके एक मिलियन से अधिक फॉलोअर्स हैं और उनकी अच्छी खासी पहचान है। इसके बावजूद वे चुनाव में जीत हासिल नहीं कर सके। मतदाताओं ने उन्हें तीसरे स्थान पर रखा। उनकी हार ने यह भी दिखाया कि सोशल मीडिया पर लोकप्रियता और गांव की राजनीति में मतदाताओं का समर्थन अलग-अलग समीकरणों पर निर्भर करता है। दूसरे चरण में एक और दिलचस्प परिणाम उम्मेद नगर क्षेत्र के खारड़ा मेवास से सामने आया। यहां मठ के महंत ने सरपंच पद पर जीत हासिल की और गांव की कमान संभालने का जनादेश प्राप्त किया। इस चुनाव में धार्मिक और सामाजिक पहचान रखने वाले महंत की जीत भी चर्चा का विषय बनी हुई है। भावी में दोबारा होगा मतदान वहीं बिलाड़ा क्षेत्र की भावी ग्राम पंचायत में चुनाव प्रक्रिया को लेकर नया मोड़ आ गया है। यहां दोबारा मतदान कराया जाएगा। इसे लेकर देर रात आदेश जारी किया गया। री-पोलिंग के आदेश के बाद अब भावी में चुनावी प्रक्रिया एक बार फिर पूरी कराई जाएगी। जोधपुर जिले के दूसरे चरण के चुनाव ने यह स्पष्ट कर दिया कि पंचायत चुनाव में केवल पहचान और लोकप्रियता ही जीत की गारंटी नहीं होती। गांवों में स्थानीय संपर्क, मतदाताओं का भरोसा और जमीनी समीकरण ही उम्मीदवारों की राजनीतिक किस्मत तय करते हैं।



एक महीने में सोना 10700 और चांदी 44-हजार रुपए सस्तीःदिवाली से पहले बड़ी गिरावट

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जयपुर। दिवाली से पहले सोने और चांदी की कीमतों में लगातार गिरावट जारी है। राजस्थान में 30 दिन में स्टैंडर्ड सोना 10 हजार 700 रुपए प्रति 10 ग्राम सस्ता हुआ है, जबकि चांदी की कीमत में 44 हजार रुपए प्रति किलो की गिरावट आई है। इसके बावजूद त्योहारी सीजन में सर्राफा बाजार को अपेक्षित रफ्तार नहीं मिल रही है। आम खरीदार फिलहाल सोने-चांदी में निवेश करने से बच रहे हैं। जयपुर सर्राफा बाजार की ओर से जारी ताजा भाव के अनुसार 24 कैरेट स्टैंडर्ड सोने की कीमत 1 लाख 42 हजार 200 रुपए प्रति 10 ग्राम रह गई है। वहीं 22 कैरेट जेवराती सोना 1 लाख 31 हजार 400 रुपए, 18 कैरेट सोना 1 लाख 10 हजार 800 रुपए और 14 कैरेट सोना 88 हजार 100 रुपए प्रति 10 ग्राम पर आ गया है। सोने-चांदी की कीमतों में गिरावट, खरीदारी का उत्साह नहीं सर्राफा बाजार में पिछले एक महीने के दौरान कीमतों में आई गिरावट ने कारोबारियों और निवेशकों को चौंका दिया है। बाजार में इसे बड़ी गिरावट माना जा रहा है। कीमतों में गिरावट के बाद भी बड़ी खरीदारी देखने को नहीं मिल रही।आमतौर पर दिवाली और धनतेरस से पहले सोने-चांदी की खरीदारी बढ़ जाती है, लेकिन इस बार बाजार में ग्राहकों का रुझान कमजोर बताया जा रहा है। कई खरीदार कीमतों में और गिरावट आने की संभावना के चलते खरीदारी का फैसला टाल रहे हैं।जयपुर सर्राफा एसोसिएशन के राकेश खंडेलवाल ने बताया- त्योहारी सीजन होने के बावजूद बाजार में अपेक्षित कारोबार नहीं हो रहा। खरीदार फिलहाल बाजार की चाल पर नजर रख रहे हैं और कीमतों में स्थिरता आने का इंतजार कर रहे हैं। बाजार में और टूट की आशंका राकेश खंडेलवाल का कहना है कि मौजूदा बाजार परिस्थितियों को देखते हुए कीमतों में उतार-चढ़ाव की आशंका बनी हुई है। रिकॉर्ड गिरावट के बाद भी सोने-चांदी के भाव में और कमी आने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता। ऐसे में निवेशकों को जल्दबाजी में फैसला लेने से बचना चाहिए। जो लोग सोने और चांदी में निवेश करना चाहते हैं, उन्हें लंबी अवधि के निवेश को ध्यान में रखकर फैसला लेना चाहिए। कम समय में मुनाफा कमाने की उम्मीद से निवेश करना जोखिम भरा हो सकता है। बाजार में लगातार बदलाव के बीच जल्दबाजी में की गई खरीदारी निवेशकों के लिए परेशानी का कारण बन सकती है।



जोधपुर की 440 ग्राम पंचायतों में उपसरपंच चुनाव, कई जगह निर्विरोध निर्वाचन

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जोधपुर। पंचायतीराज चुनाव के दूसरे चरण के बाद शनिवार को जिले की 17 पंचायत समितियों की ग्राम पंचायतों में उपसरपंच पद के लिए चुनाव प्रक्रिया पूरी की गई। सुबह से ही ग्राम पंचायतों में उपसरपंच चुनने के लिए वार्ड पंचों ने मतदान किया। कई ग्राम पंचायतों में एक ही प्रत्याशी का नामांकन आने से उपसरपंच निर्विरोध निर्वाचित हुए, जबकि अन्य जगहों पर मतदान के जरिए चुनाव हुआ। उपसरपंच चुनाव को लेकर गांवों में भी खासा उत्साह देखने को मिला। इससे पहले शुक्रवार को दूसरे चरण में 441 ग्राम पंचायतों में सरपंच और वार्ड पंच पदों के लिए मतदान कराया गया था। हालांकि, बिलाड़ा पंचायत समिति की भावी ग्राम पंचायत में मतदान के दौरान सामने आई गड़बड़ी के कारण दोबारा चुनाव कराने के आदेश जारी किए गए हैं। उपसरपंच पद के लिए नामांकन प्रक्रिया पूरी होने के बाद वार्ड पंच मतदान के जरिए अपना प्रतिनिधि चुनते हैं। यदि इस पद के लिए केवल एक ही प्रत्याशी नामांकन दाखिल करता है तो उसे निर्विरोध निर्वाचित घोषित कर दिया जाता है। जोधपुर जिले की कई ग्राम पंचायतों में इसी प्रक्रिया के तहत उपसरपंचों का निर्विरोध निर्वाचन हुआ। वहीं, एक से अधिक प्रत्याशी होने पर वार्ड पंचों ने मतदान कर अपने पसंदीदा उम्मीदवार को चुना। दूसरे चरण में आसोप, बावड़ी, भोपालगढ़, बिलाड़ा, धवा, हतुंडी, झंवर, कापरड़ा, केरू, लूणी, मंडोर, ओसियां, पीपाड़ सिटी, सालवा खुर्द, सामराऊ, तिंवरी और उम्मेदनगर पंचायत समितियों की ग्राम पंचायतों में उपसरपंच पद के लिए चुनाव कराए गए। इन पंचायत समितियों की 440 ग्राम पंचायतों में चुनाव प्रक्रिया संपन्न हुई।बिलाड़ा पंचायत समिति की भावी ग्राम पंचायत में चुनाव कार्यक्रम में बदलाव किया गया है। यहां सरपंच और वार्ड पंच पदों के लिए 2 नवंबर को दोबारा मतदान कराया जाएगा। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं जिला कलेक्टर आलोक रंजन ने इस संबंध में आदेश जारी किए हैं। प्रशासन के अनुसार शुक्रवार को मतदान के दौरान मतदान केंद्र संख्या 12, सेठ धनराज मगराज तेलीड़ा राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, भावी-मध्य भाग में वोट चोरी की शिकायत और मौके पर कानून-व्यवस्था बिगड़ने की स्थिति सामने आई थी।



SIR और वोट चोरी के आरोपों पर भाजपा का पलटवार, प्रहलाद जोशी बोले- सत्ता परिवर्तन का रास्ता चुनाव, अराजकता नहीं

राहुल गांधी पर साधा निशाना, बोले- बिना सत्यापन मतदाता सूची में नाम कैसे जोड़ दें

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जयपुर। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण और वोट चोरी के आरोपों को लेकर भाजपा और कांग्रेस के बीच राजनीतिक टकराव तेज हो गया है। कांग्रेस की ओर से चुनाव प्रक्रिया और मतदाता सूची को लेकर लगातार उठाए जा रहे सवालों के बीच भाजपा ने भी जवाबी हमला शुरू कर दिया है। शनिवार को भाजपा प्रदेश मुख्यालय में केंद्रीय मंत्री प्रहलाद जोशी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कांग्रेस और राहुल गांधी पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि सत्ता परिवर्तन का रास्ता केवल चुनाव है, अराजकता नहीं। कांग्रेस चुनावी प्रक्रिया और संवैधानिक संस्थाओं पर सवाल उठाकर देश में भ्रम और अस्थिरता का माहौल बनाने की कोशिश कर रही है। जोशी ने कांग्रेस के राजनीतिक अभियान को असफल राजनीतिक प्रोजेक्ट की बार-बार लॉन्चिंग करार देते हुए कहा कि कांग्रेस पुराने आरोपों को नए तरीके से जनता के सामने रखने का प्रयास कर रही है। राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि जनता ने उन्हें नकार दिया है और अब कांग्रेस के नेता भी इस बात को लेकर परेशान हैं कि असफल राजनीतिक प्रोजेक्ट को कितनी बार लॉन्च किया जाए।

'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' अभियान से देगी जवाब

भाजपा की ओर से चलाए जा रहे 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' अभियान का जिक्र करते हुए जोशी ने कहा कि पार्टी कार्यकर्ता जनता के बीच जाकर कांग्रेस के आरोपों का जवाब देंगे। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस चुनाव में हार मिलने के बाद चुनाव आयोग और लोकतांत्रिक संस्थाओं पर सवाल उठाने लगती है। उनके अनुसार, चुनावी हार को स्वीकार करने के बजाय संवैधानिक संस्थाओं की विश्वसनीयता पर सवाल खड़े करना उचित नहीं है।

SIR पर सवाल उठाने वाली कांग्रेस से पूछा- बिना जांच सभी नाम जोड़ दें क्या?

मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर कांग्रेस के आरोपों पर जोशी ने कहा कि कांग्रेस करीब 13 करोड़ मतदाताओं के नाम सूची से हटाए जाने का दावा कर रही है। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या इन सभी नामों को बिना किसी जांच और सत्यापन के दोबारा मतदाता सूची में शामिल कर दिया जाना चाहिए? जोशी के अनुसार, हटाए गए नामों में ऐसे लोग भी शामिल हैं, जिनकी मृत्यु हो चुकी है, जो स्थायी रूप से दूसरी जगह जा चुके हैं या जिनके वर्तमान पते का पता नहीं चल पाया है।उन्होंने कहा कि मतदाता सूची में पात्र नागरिकों के नाम जोड़ने की प्रक्रिया अभी भी जारी है और इसके लिए ऑनलाइन आवेदन की सुविधा उपलब्ध है। ऐसे में कांग्रेस को आरोप-प्रत्यारोप के बजाय मतदाता सूची को सही और अद्यतन बनाने की प्रक्रिया में सहयोग करना चाहिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि पात्र मतदाताओं को सूची में शामिल करने का रास्ता खुला है।



बैलेट पेपर से हारने पर भी चुनाव आयोग पर सवाल क्यों?

दीपावली से पहले माउंट आबू को चमकाने में जुटी नगरपालिका, नक्की झील का होगा कायाकल्प

जर्जर दीवार का निर्माण, सुलभ परिसर की सफाई और झाड़ियों की छंटाई के निर्देश;

महानगर मेट्रो ब्यूरो

माउंट आबू। दीपावली के त्योहार और पर्यटकों की बढ़ती आवाजाही को देखते हुए नगरपालिका ने शहर की व्यवस्थाओं को दुरुस्त करने के लिए तैयारियां तेज कर दी हैं। पालिका अध्यक्ष सुनील आचार्य और आयुक्त त्रिकमदान चारण के नेतृत्व में शहर में सफाई, सड़क मरम्मत, विद्युत सुरक्षा और सौंदर्यीकरण के कार्य करवाए जा रहे हैं। इसी कड़ी में शुक्रवार को नगरपालिका की टीम ने नक्की झील सहित विभिन्न क्षेत्रों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक सुधार के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान नक्की झील के पंप हाउस से मगरमच्छ गार्डन के आगे तक जर्जर हो चुकी दीवार की स्थिति सामने आई। इस पर पालिका अध्यक्ष ने पुरानी दीवार को तोड़कर उसके स्थान पर नई दीवार बनाने के निर्देश दिए। वहीं झील क्षेत्र में गंदगी से बदहाल सुलभ परिसर की सफाई करवाकर उसे स्वच्छ बनाने की कार्रवाई शुरू की गई, ताकि यहां आने वाले पर्यटकों और स्थानीय लोगों को असुविधा का सामना नहीं करना पड़े।



नक्की झील के आसपास होगा सौंदर्यीकरण

नक्की झील के चारों ओर उगी झाड़ियों और लताओं की छंटाई करवाने के निर्देश भी दिए गए। नगरपालिका का उद्देश्य झील के आसपास के क्षेत्र को साफ-सुथरा और आकर्षक बनाना है। दीपावली के दौरान बड़ी संख्या में पर्यटकों के माउंट आबू पहुंचने की संभावना को देखते हुए प्रमुख पर्यटन स्थलों की साफ-सफाई और व्यवस्थाओं पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

खुले बिजली बॉक्स और लटकते तारों पर जताई चिंता

निरीक्षण के दौरान पालिका अध्यक्ष ने नक्की झील के परिक्रमा पथ और पॉलो राउंड के बाहर लगे खुले विद्युत बॉक्स तथा लटकते तारों की स्थिति का भी जायजा लिया। उन्होंने विद्युत विभाग के अधिकारियों को मौके पर बुलाकर खुले बिजली बॉक्स बदलने और अव्यवस्थित तारों को व्यवस्थित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक स्थानों पर इस तरह की लापरवाही से हादसों की आशंका बनी रहती है। ऐसे में दीपावली से पहले सभी संवेदनशील स्थानों पर विद्युत सुरक्षा के इंतजाम सुनिश्चित किए जाएं। पालिका अध्यक्ष ने शहर की सफाई व्यवस्था में सुधार के साथ सड़कों की मरम्मत, रंग-रोगन और सजावट के कार्य भी दीपावली से पहले पूरे करने पर जोर दिया।

जालोर के आलासन गांव में दोबारा मतगणना करवाने की मांगःतीन बार हुई री-काउंटिंग

महानगर मेट्रो ब्यूरो

बागरा। जालोर जिले की उम्मेदाबाद पंचायत समिति के आलासन गांव में सरपंच पद की मतगणना को लेकर विवाद हो गया। यहां प्रकाश कंवर पत्नी करण सिंह राजपूत और रकमा देवी पत्नी जोगसिंह के बीच मुकाबला था। प्रकाश कंवर के पति करण सिंह ने आरोप लगाया कि रात में पहली बार हुई मतगणना में प्रकाश कंवर को आगे बताया गया था। इसके बाद रकमा देवी की ओर से तीन बार दोबारा मतगणना करवाई गई। करण सिंह ने प्रशासन पर पक्षपात करने और एक पक्ष को जिताने का आरोप लगाया है।करण सिंह के अनुसार, चौथी बार मतगणना करवाने के लिए प्रकाश कंवर के एजेंट ने मांग रखी। इस दौरान दोनों पक्षों के समर्थक आमने-सामने हो गए। हालांकि, पुलिस ने दोनों पक्षों को अलग कर स्थिति संभाल ली। इसके बाद करण सिंह दोबारा मतगणना की मांग को लेकर कलेक्टर कार्यालय के सामने धरना देने के लिए पैदल ही जालोर रवाना हो गए आलासन ग्राम पंचायत में सरपंच पद के चुनाव का मुकाबला नजदीकी होने के कारण ग्रामीणों में परिणाम को लेकर उत्सुकता बनी हुई है। गांव के कई लोग प्रकाश कंवर के पक्ष में हैं, जबकि कई ग्रामीण रकमा देवी का समर्थन कर रहे हैं। दोनों प्रत्याशियों के समर्थकों की निगाहें मतगणना के अंतिम परिणाम पर टिकी हुई हैं।



पाली में सड़क पर बने गड्ढे में गिरा बच्चाःनिगम ने नहीं की कार्रवाई तो पार्षद ने खुद के खर्च से

महानगर मेट्रो ब्यूरो

पाली। शहर के सोसायटी नगर में सीवरेज के कारण खोखली हुई सड़क पर गड्ढा हो गया, जिसमें जिग्नेश नाम का 10 साल का बच्चा गिर गया। हालांकि, बच्चा पूरी तरह से गड्ढा में नहीं गया था मौके पर मौजूद उसके पिता ने हाथ पकड़कर उसे बचा लिया। गनीमत रही कि उसे ज्यादा चोटें नहीं आईं।वहीं, दूसरी तरफ शिकायत पर वार्ड 53 के पार्षद कालूराम जाट मौके पर पहुंचे। उन्होंने निगम में सूचना दी, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं की गई। जिसके बाद पार्षद ने अपनी जेब से रुपए खर्च कर गड्ढा को दुरुस्त करवाने के लिए उसमें ईंटों के टुकड़े डलवाए, ताकि कोई और इस गड्ढा में गिरकर घायल न हो। बता दें कि शहर का ऐसा एक भी मोहल्ला नहीं है, जहां सीवरेज लाइन की समस्या नहीं हो। सीवरेज लाइन लीक होने से घरों का गंदा पानी सड़कों पर फैला रहता है। बदबू से लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ता है। इसके साथ ही हादसे होने का डर भी बना रहता है।पहले भी सीवर लाइन धंसने से गड्ढा हो चुका है। क्षेत्रवासियों का कहना है कि निगम को आमजन को राहत देने के लिए सीवरेज की समस्या का प्राथमिकता से समाधान करना चाहिए। दूसरी तरफ शिकायत पर वार्ड 53 के पार्षद कालूराम जाट मौके पर पहुंचे। उन्होंने निगम में सूचना दी, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं की गई। जिसके बाद पार्षद ने अपनी जेब से रुपए खर्च कर गड्ढा को दुरुस्त करवाने के लिए उसमें ईंटों के टुकड़े डलवाए, ताकि कोई और इस गड्ढा में गिरकर घायल न हो। बता दें कि शहर का ऐसा एक भी मोहल्ला नहीं है, जहां सीवरेज लाइन की समस्या नहीं हो। सीवरेज लाइन लीक होने से घरों का गंदा पानी सड़कों पर फैला रहता है। बदबू से लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ता है। इसके साथ ही हादसे होने का डर भी बना रहता है।पहले भी सीवर लाइन धंसने से गड्ढा हो चुका है।



सिरोही की 10 ग्राम पंचायतों में चुने गए उपसरपंच, दो जगह निर्विरोध निर्वाचन

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सिरोही। जिले में सरपंच और वार्ड पंचों के चुनाव संपन्न होने के बाद अब गांवों की सरकार को पूरा करने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। इसी कड़ी में शनिवार को पिंडवाड़ा पंचायत समिति की ग्राम पंचायतों में उपसरपंच पद के लिए चुनाव कराए गए। सुबह 10 बजे से शुरू हुई मतदान प्रक्रिया के बाद 10 ग्राम पंचायतों में उपसरपंच चुने गए। इनमें दो ग्राम पंचायतों में निर्विरोध निर्वाचन हुआ, जबकि अन्य पंचायतों में मतदान के जरिए उपसरपंच का चयन किया गया। पिंडवाड़ा क्षेत्र की नदिया ग्राम पंचायत में डॉ. हीराराम देवासी निर्विरोध उपसरपंच चुने गए। वहीं गुजर ग्राम पंचायत में गणेश कवि को भी निर्विरोध उपसरपंच निर्वाचित घोषित किया गया। दोनों पंचायतों में बिना मतदान के सहमति से उपसरपंच का चयन होने से चुनाव प्रक्रिया शांतिपूर्ण ढंग से पूरी हुई।

कहीं मुकाबला, कहीं निर्विरोध निर्वाचन

अन्य ग्राम पंचायतों में भी उपसरपंच पद के लिए चुनावी प्रक्रिया पूरी की गई। नितोड़ा ग्राम पंचायत में राजेंद्र कुमार घांची ने जीत दर्ज कर उपसरपंच पद हासिल किया। नया साल वाला ग्राम पंचायत में विरोली निवासी गणेश देवासी उपसरपंच चुने गए। जनापुर ग्राम पंचायत में यशपाल सिंह ने जीत हासिल की, जबकि कांटल ग्राम पंचायत में कांता देवी रावल को उपसरपंच चुना गया।इसी तरह रोहिड़ा ग्राम पंचायत में प्रकाश माली, वाटेरा में राजू चौधरी और राजपुरा में रमेश कुमार मीणा उपसरपंच निर्वाचित हुए। शिवगढ़ ग्राम पंचायत में जतना देवी को उपसरपंच की जिम्मेदारी सौंपी गई।



चुनाव के बाद समर्थकों ने दी बधाई

चुनाव प्रक्रिया पूरी होने के बाद नवनिर्वाचित उपसरपंचों के समर्थकों में उत्साह देखने को मिला। समर्थकों ने अपने-अपने प्रत्याशियों को जीत की बधाई दी और उनका स्वागत किया। सरपंच और वार्ड पंचों के निर्वाचन के बाद अब उपसरपंचों के चयन से ग्राम पंचायतों में नई कार्यकारिणी का गठन पूरा होने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। अब नवनिर्वाचित जनप्रतिनिधियों के सामने गांवों के विकास, स्थानीय समस्याओं के समाधान और पंचायत की व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने की जिम्मेदारी रहेगी।

शराब पार्टी के बाद चचेरे भाई ने की श्रवण की हत्या, ट्रेन से धक्का देने के बाद पत्थर से कुचला सिर

मृतक की पत्नी से आरोपी के अवैध संबंध होने का आरोप

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जयपुर। राजधानी जयपुर में रेलवे ट्रैक के पास शुक्रवार सुबह मिले युवक के शव के मामले में पुलिस ने हत्या की गुत्थी सुलझा ली है। युवक की हत्या किसी अनजान व्यक्ति ने नहीं, बल्कि उसके चचेरे भाई ने ही की थी। दोनों ने साथ में शराब पार्टी की थी। इसके बाद आरोपी ने ट्रेन के सामने धक्का देकर युवक को मारने की कोशिश की, लेकिन जब वह बच गया तो पत्थर से सिर कुचलकर उसकी हत्या कर दी। पुलिस के अनुसार हत्या के पीछे मृतक की पत्नी और आरोपी के बीच कथित अवैध संबंधों का मामला सामने आया है। डीसीपी वेस्ट प्रशांत किरण ने बताया कि शुक्रवार सुबह करीब 10 बजे बिंदायका थाना क्षेत्र के धानक्या-शयोसिंहपुरा रेलवे ट्रैक के पास एक युवक का शव मिला था। सूचना पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण कर जांच शुरू की। मृतक की पहचान झुंझुनूं जिले के गोविंदपुरा मेहाड़ा निवासी श्रवण सिंह (34) के रूप में हुई। वह मकराना में एक रेलवे ठेकेदार के पास काम करता था। पुलिस जांच में सामने आया कि श्रवण अपने चचेरे भाई भवानी उर्फ कालू (28) के साथ रेलवे ट्रैक के पास मौजूद था। दोनों ने शराब पार्टी की थी। इसी दौरान आरोपी ने ट्रेन को आता देखकर श्रवण को रेलवे ट्रैक की ओर धक्का दे दिया। ट्रेन की टक्कर लगने के बावजूद श्रवण की जान बच गई। इसके बाद आरोपी ने उसे संभलने का मौका दिए बिना पत्थर से सिर पर हमला कर दिया। गंभीर चोटों के कारण श्रवण की मौत हो गई।पुलिस के अनुसार जांच में हत्या के पीछे मृतक की पत्नी और आरोपी भवानी के बीच कथित अवैध संबंधों की बात सामने आई है। इसी वजह से आरोपी ने श्रवण को रास्ते से हटाने की साजिश रची। वारदात को अंजाम देने के लिए उसने रेलवे ट्रैक के पास मौका चुना और हत्या को हादसे का रूप देने की कोशिश की। बिंदायका थाना पुलिस ने मामले की जांच के दौरान आरोपी चचेरे भाई की भूमिका का खुलासा किया है। पुलिस अब वारदात से जुड़े अन्य पहलुओं और साक्ष्यों की जांच कर रही है। इस घटना ने रिश्तों के भरोसे को झकझोर दिया है, जहां पारिवारिक संबंधों के बीच ही एक युवक की जान ले ली गई।

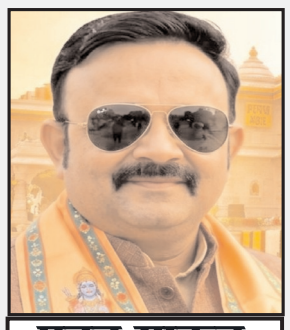




बेटियों की सुरक्षा और कानून का सवाल, कोडिनार की घटना ने खड़े किए कई गंभीर प्रश्न

नाबालिगों के अपहरण, कथित धर्मांतरण और यौन शोषण के आरोपों की निष्पक्ष जांच जरूरी

गुजरात के गिर सोमनाथ जिले की कोडिनार तहसील से सामने आया नाबालिग किशोरी के लापता होने और बाद में दो किशोरियों के उनावा स्थित दरगाह से बरामद होने का मामला केवल एक आपराधिक घटना तक सीमित नहीं है। इसने एक बार फिर समाज, प्रशासन और कानून व्यवस्था के सामने कई गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। पुलिस ने इस मामले में अपहरण, कथित धर्मांतरण और यौन शोषण जैसे गंभीर आरोपों में चार लोगों को गिरफ्तार किया है। मेडिकल जांच में पीड़िता के साथ यौन शोषण की पुष्टि होने की जानकारी भी सामने आई है। अब सबसे जरूरी है कि पूरे मामले की जांच तथ्यों और कानूनी साक्ष्यों के आधार पर निष्पक्ष तरीके से पूरी की जाए।



पवन माकन
ग्रुप एडिटर, महानगर मेट्रो

इस घटना का सबसे चिंताजनक पहलू यह है कि इसमें नाबालिग बच्चियों की सुरक्षा और उनके अधिकारों से जुड़े सवाल शामिल हैं। किशोरावस्था में बच्चे कई बार भावनात्मक रूप से संवेदनशील होते हैं। ऐसे में किसी भी व्यक्ति द्वारा बहला-फुसलाकर उन्हें अपने प्रभाव में लेने, उनकी स्वतंत्रता से खिलवाड़ करने या उनका शोषण करने की कोशिश गंभीर अपराध है। यदि पुलिस जांच में लगाए गए आरोप प्रमाणित होते हैं, तो दोषियों के खिलाफ कानून के अनुसार कठोर कार्रवाई होनी चाहिए। इस मामले में सोशल मीडिया के माध्यम से संपर्क, विवाह का कथित झांसा, किशोरियों को दूसरे जिले में ले जाना और धर्म परिवर्तन कराने के आरोपों की भी गहराई से जांच आवश्यक है। पुलिस ने विशेष जांच दल का गठन किया है। अब इस दल की जिम्मेदारी है कि वह प्रत्येक आरोपी की भूमिका, घटनाक्रम और उपलब्ध साक्ष्यों की बारीकी से पड़ताल करे। किसी भी निष्कर्ष पर पहुंचने से पहले जांच प्रक्रिया और न्यायिक व्यवस्था का सम्मान भी उतना ही जरूरी है। यह मामला समाज के लिए भी एक चेतावनी है। अभिभावकों को बच्चों के साथ संवाद बनाए रखने, उनकी परेशानियों को समझने और उनकी ऑनलाइन गतिविधियों को लेकर जागरूक रहने की जरूरत है। वहीं, प्रशासन और पुलिस की जिम्मेदारी है कि गुमशुदगी की शिकायतों पर तत्काल कार्रवाई हो तथा बच्चों की सुरक्षा से जुड़े मामलों में संवेदनशीलता बरती जाए। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि इस घटना को किसी धर्म या समुदाय के विरुद्ध नफरत फैलाने का माध्यम नहीं बनने दिया जाना चाहिए। अपराध की जिम्मेदारी व्यक्ति और उसके कृत्य के आधार पर तय होनी चाहिए, न कि किसी पूरे समुदाय पर आरोप लगाकर। कानून का उद्देश्य पीड़ित को न्याय दिलाना और अपराध करने वालों को दंडित करना है। कोडिनार की घटना में बरामद दोनों किशोरियों की सुरक्षा, सम्मान, मानसिक स्थिति और भविष्य को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। उनकी पहचान और निजता की रक्षा करना भी समाज और मीडिया की जिम्मेदारी है। सरकार और प्रशासन को यह सुनिश्चित करना होगा कि जांच में कोई दबाव या पक्षपात न हो। बेटियों की सुरक्षा केवल भाषणों और नारों का विषय नहीं, बल्कि व्यवस्था की वास्तविक जिम्मेदारी है। इस मामले में न्याय तभी सुनिश्चित होगा, जब सच्चाई सामने आएगी, दोषियों को कानून के अनुसार सजा मिलेगी और पीड़ितों को सुरक्षित भविष्य मिल सकेगा।

नेहरू से राजीव गांधी तक: इतिहास के सवालों पर राजनीति या लोकतंत्र की वास्तविक बहस?

देश का इतिहास केवल बीती हुई घटनाओं का संग्रह नहीं होता, बल्कि वह वर्तमान की राजनीति और लोकतांत्रिक व्यवस्था को समझने का आधार भी होता है। आजादी के बाद जवाहरलाल नेहरू प्रधानमंत्री कैसे बने और सरदार वल्लभभाई पटेल प्रधानमंत्री क्यों नहीं बन सके, यह सवाल दशकों से राजनीतिक बहस का हिस्सा रहा है। बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने पटना में 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' पदयात्रा के दौरान एक बार फिर इस मुद्दे को उठाकर कांग्रेस के तत्कालीन नेतृत्व और फैसलों पर सवाल खड़े किए हैं। सम्राट चौधरी का कहना है कि सरदार पटेल को अधिक समर्थन मिला था, लेकिन महात्मा गांधी की सलाह पर उन्होंने अपना नाम वापस ले लिया और नेहरू प्रधानमंत्री बन गए। यह बयान राजनीतिक दृष्टि से भले ही नया न हो, लेकिन इसके पीछे छिपे ऐतिहासिक घटनाक्रम को समझना जरूरी है। वर्ष 1946 में कांग्रेस अध्यक्ष के चयन को लेकर जो परिस्थितियां बनी थीं, वे आज की चुनावी प्रक्रिया से बिल्कुल अलग थीं। उस समय देश में सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार के आधार पर आम चुनाव नहीं हुए थे और प्रधानमंत्री का चयन भी सीधे जनता के मतदान से नहीं हुआ था। कांग्रेस अध्यक्ष के चयन में प्रांतीय कांग्रेस समितियों की भूमिका, पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के बीच सहमति और महात्मा गांधी की राय महत्वपूर्ण थी। कई ऐतिहासिक विवरणों में सरदार पटेल को प्रांतीय समितियों का व्यापक समर्थन मिलने की बात सामने आती है। वहीं, गांधीजी ने नेहरू के पक्ष में अपनी राय रखी और अंततः पटेल ने अपना नाम वापस ले लिया।

बांग्लादेश में वायुसेना के पूर्व अधिकारी की रहस्यमयी मौत

पूर्व फ्लाइट लेफ्टिनेंट केएम ताहिफ सौरी पर भारतीय खुफिया एजेंसी रॉ से संबंध होने का जताया गया था संदेह, अधिकारी ने पॉडकास्ट में आरोपों को बताया था बेबुनियाद; परिवार ने हत्या की साजिश का लगाया आरोप

पड़ोसी देश बांग्लादेश में वायुसेना के पूर्व अधिकारी केएम ताहिफ सौरी की रहस्यमयी परिस्थितियों में मौत का मामला सामने आने के बाद राजनीतिक और सुरक्षा गलियारों में हलचल मच गई है। पूर्व फ्लाइट लेफ्टिनेंट का शव ढाका की तुराग नदी में संदिग्ध हालत में मिला। इस घटना ने कई गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। खास बात यह है कि ताहिफ सौरी का नाम अगस्त 2024 में तत्कालीन प्रधानमंत्री शेख हसीना के देश छोड़ने के दौरान सामने आए एक वीडियो को लेकर भी विवादों में रहा था। इस मामले में उन पर संदेह जताया गया था और कुछ समय बाद उन्हें वायुसेना की नौकरी से भी निकाल दिया गया था। कुछ मीडिया रिपोर्टों में उनके भारतीय खुफिया एजेंसी रॉ से कथित संबंधों की आशंका भी जताई गई थी। हालांकि, उन्होंने इन आरोपों को सिरे से खारिज किया था।



दोस्त से मिलने निकले थे, फिर नहीं लौटे घर

प्राप्त जानकारी के अनुसार, केएम ताहिफ सौरी अपने परिवार के साथ ढाका के उत्तरा इलाके में रहते थे। बताया गया है कि वह पिछले मंगलवार शाम को एक दोस्त से मिलने के लिए घर से निकले थे। देर रात करीब 1:30 बजे उन्होंने अपनी मां को संदेश भेजकर बताया था कि वह घर लौट रहे हैं। लेकिन इसके बाद उनका कोई पता नहीं चला। परिवार के लोग उनके घर नहीं पहुंचने से चिंतित हो गए और उनकी तलाश शुरू की गई। अगले दिन ढाका की तुराग नदी में उनका शव संदिग्ध परिस्थितियों में मिला। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए शहीद सुहरावर्दी मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेज दिया। फिलहाल उनकी मौत के वास्तविक कारणों को लेकर स्थिति स्पष्ट नहीं है। पुलिस जांच और पोस्टमार्टम रिपोर्ट से ही मौत की परिस्थितियों का खुलासा होने की उम्मीद है।

शेख हसीना के देश छोड़ने का वीडियो बना था विवाद की वजह

ताहिफ सौरी का नाम उस समय चर्चा में आया था, जब 5 अगस्त 2024 को बांग्लादेश में बड़े पैमाने पर छात्र आंदोलन और हिंसा के बीच तत्कालीन प्रधानमंत्री शेख हसीना को देश छोड़ना पड़ा था। उस समय शेख हसीना हेलीकॉप्टर से बांग्लादेश से रवाना हुई थीं। उनके देश छोड़ने से जुड़ा एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से प्रसारित हुआ था। इस वीडियो को लेकर बांग्लादेश की सुरक्षा एजेंसियों में भी सवाल उठे थे। बताया जाता है कि इस वीडियो के सामने आने के बाद ताहिफ सौरी संदेह के घेरे में आ गए थे। उन पर वीडियो बनाने या उसे बाहर पहुंचाने में भूमिका निभाने का शक जताया गया। इसके बाद उन्हें वायुसेना से बर्खास्त कर दिया गया था। कुछ स्थानीय मीडिया रिपोर्टों में यह दावा भी किया गया कि उनके भारतीय खुफिया एजेंसी रॉ से संबंध हो सकते हैं। हालांकि, इन दावों की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हुई थी।

पॉडकास्ट में रॉ से संबंधों के आरोपों को बताया था गलत

ताहिफ सौरी ने हाल ही में एक पॉडकास्ट साक्षात्कार में अपने ऊपर लगे आरोपों को गलत बताया था। उन्होंने भारतीय खुफिया एजेंसी रॉ से किसी भी तरह का संबंध होने की बात को खारिज करते हुए इसे बेबुनियाद सूचना करार दिया था। उनका कहना था कि उनके बारे में गलत जानकारियां फैलाकर उन्हें विवाद में घसीटा गया। अब उनकी रहस्यमयी मौत के बाद पुराने मामले और उससे जुड़े आरोप एक बार फिर चर्चा में आ गए हैं।

परिवार ने जताई हत्या की आशंका, मानसिक प्रताड़ना का भी आरोप

पूर्व अधिकारी की मौत के बाद उनके परिवार ने इसे सामान्य घटना मानने से इनकार किया है। उनके पिता केएम अनायेतुल करीम और अन्य परिजनों ने हत्या की आशंका जताई है। परिवार का आरोप है कि ताहिफ को लंबे समय से मानसिक रूप से प्रताड़ित किया जा रहा था। शेख हसीना के देश छोड़ने से जुड़े वीडियो के मामले में उन्हें गलत तरीके से फंसाया गया और उनकी छवि खराब की गई। परिजनों का मानना है कि उनकी मौत के पीछे कोई गहरी साजिश हो सकती है। हालांकि, परिवार की ओर से लगाए गए इन आरोपों की अभी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। पुलिस जांच में ही यह स्पष्ट हो सकेगा कि उनकी मौत दुर्घटना, आत्महत्या या हत्या का परिणाम थी।

पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार, जांच के बाद खुलेगा मौत का राज

बांग्लादेश के गृह विभाग से जुड़े अधिकारियों के अनुसार, शुरुआती जांच और पोस्टमार्टम रिपोर्ट सामने आने के बाद ही मौत की वास्तविक वजह के बारे में स्थिति स्पष्ट हो सकेगी। फिलहाल मामले में किसी निष्कर्ष पर पहुंचना जल्दबाजी होगी। एक ओर शेख हसीना के सत्ता छोड़ने से जुड़ा पुराना विवाद है, दूसरी ओर वायुसेना के पूर्व अधिकारी की संदिग्ध मौत और परिवार की ओर से लगाए गए हत्या के आरोप हैं। इन घटनाक्रमों ने बांग्लादेश की राजनीति और सुरक्षा व्यवस्था को लेकर नए सवाल खड़े कर दिए हैं। अब सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या ताहिफ सौरी की मौत के पीछे कोई व्यक्तिगत कारण था या फिर उनके पुराने विवादों से इसका कोई संबंध है? इसका जवाब जांच पूरी होने और आधिकारिक रिपोर्ट सामने आने के बाद ही मिल सकेगा।

आईडीबीआई बैंक की बिक्री पर उठे गंभीर सवाल

घाटे से उबारकर मुनाफे में लाए गए बैंक को कनाडाई कंपनी को बेचने की प्रक्रिया पर सवाल, न्यूनतम मूल्य से कम बोली स्वीकार करने और नियमों में बदलाव के आरोप; एलआईसी के पॉलिसीधारकों के हितों को लेकर भी उठी चिंता

देश की बैंकिंग व्यवस्था में आईडीबीआई बैंक की हिस्सेदारी बिक्री को लेकर एक बड़ा विवाद सामने आया है। सार्वजनिक धन और भारतीय जीवन बीमा निगम के निवेश से संकट से उबरे इस बैंक को निजी क्षेत्र के हाथों सौंपने की प्रक्रिया पर कई गंभीर सवाल उठाए जा रहे हैं। आरोप है कि जिस बैंक को कभी भारी घाटे और डूबे हुए कर्ज की समस्या से जूझना पड़ा था, उसी बैंक ने आर्थिक स्थिति सुधरने के बाद हजारों करोड़ रुपये का मुनाफा कमाया। इसके बावजूद सरकार की ओर से उसकी हिस्सेदारी बेचने का फैसला किया गया। इस पूरी प्रक्रिया में बिक्री मूल्य, बोली लगाने के नियमों और पारदर्शिता को लेकर सवाल खड़े हो रहे हैं।

1964 में हुई थी स्थापना, बाद में वित्तीय संकट में फंसा बैंक

आईडीबीआई बैंक का इतिहास वर्ष 1964 से शुरू होता है। एक जुलाई 1964 को संसद के अधिनियम के तहत औद्योगिक विकास बैंक ऑफ इंडिया की स्थापना की गई थी। इसका प्रमुख उद्देश्य देश में औद्योगिक विकास को गति देना और उद्योगों को दीर्घकालीन वित्तीय सहायता उपलब्ध कराना था। वर्ष 2005 में बैंकिंग कारोबार के पुनर्गठन के बाद आईडीबीआई लिमिटेड का बैंक में विलय किया गया। समय के साथ बैंक की वित्तीय स्थिति बिगड़ती चली गई। वर्ष 2018 तक बैंक गंभीर वित्तीय संकट में पहुंच गया था। सितंबर 2018 तक इसके सकल गैर-निष्पादित परिसंपत्तियों का अनुपात 31.78 प्रतिशत तक पहुंच गया था। वित्त वर्ष 2018 में बैंक को लगभग 8,238 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ था। बढ़ते डूबे कर्ज और कमजोर वित्तीय स्थिति के कारण बैंक के भविष्य को लेकर चिंताएं बढ़ गई थीं।

एलआईसी ने लगाया हजारों करोड़ का निवेश

बैंक को वित्तीय संकट से बाहर निकालने के लिए जनवरी 2019 में भारतीय जीवन बीमा निगम ने बड़ा कदम उठाया। एलआईसी ने बैंक में 51 प्रतिशत हिस्सेदारी हासिल करने के लिए लगभग 21,624 करोड़ रुपये का निवेश किया। इसके बाद एलआईसी बैंक की प्रमुख हिस्सेदार बन गई। इस निवेश के जरिए बैंक को आर्थिक संकट से उबारने और उसकी वित्तीय स्थिति मजबूत करने का प्रयास किया गया। इस प्रक्रिया में बीमा नियामक एवं विकास प्राधिकरण से विशेष अनुमति भी ली गई थी। इस निवेश को लेकर अब यह सवाल उठाया जा रहा है कि आम नागरिकों की बीमा पॉलिसियों से जुटाई गई राशि का उपयोग करके जिस बैंक को संकट से बाहर निकाला गया, उसके निजीकरण से पॉलिसीधारकों और सार्वजनिक हितों को कितना लाभ होगा।

घाटे से मुनाफे तक का सफर, बैंक के प्रदर्शन पर उठे सवाल

बैंक के वित्तीय प्रदर्शन में सुधार के बाद उसकी स्थिति में बड़ा बदलाव आने का दावा किया जा रहा है। प्रस्तुत आंकड़ों के अनुसार, वित्त वर्ष 2025-26 में बैंक की कुल आय 35,744 करोड़ रुपये तक पहुंच गई। बैंक का कुल कारोबार 6 लाख करोड़ रुपये के पार चला गया, जबकि जमा राशि में 23 प्रतिशत की वृद्धि के साथ यह 3.47 लाख करोड़ रुपये बताई गई। सितंबर 2026 में समाप्त हुई तिमाही में बैंक ने 2,226 करोड़ रुपये का मुनाफा दर्ज किया। वहीं, वित्त वर्ष 2025 में 7,515 करोड़ रुपये के मुकाबले वित्त वर्ष 2026 में वार्षिक मुनाफा 9,513 करोड़ रुपये बताया गया है। इन आंकड़ों के आधार पर बैंक की बिक्री को लेकर सवाल उठाए जा रहे हैं कि जब किसी बैंक की वित्तीय स्थिति में सुधार हो रहा हो और वह लगातार मुनाफा कमा रहा हो, तब उसकी हिस्सेदारी बेचने का फैसला किस आधार पर लिया गया।

फेयरफैक्स को हिस्सेदारी बेचने के फैसले पर विवाद

रिपोर्ट में दिए गए विवरण के अनुसार, 14 अक्टूबर 2026 को केंद्र सरकार ने सरकार और एलआईसी के पास मौजूद कुल 60.72 प्रतिशत हिस्सेदारी कनाडा की कंपनी फेयरफैक्स फाइनेंशियल होल्डिंग्स को 52,878 करोड़ रुपये में बेचने की मंजूरी दी। इस प्रस्ताव के सामने आने के बाद सौदे की कीमत और पूरी प्रक्रिया को लेकर बहस शुरू हो गई। आरोप है कि बोली प्रक्रिया के दौरान मूल्यांकन से जुड़े नियमों में बदलाव किया गया। बताया गया है कि फेयरफैक्स की शुरुआती बोली 75 रुपये प्रति शेयर थी। इसके बाद विनिवेश प्रक्रिया की निगरानी करने वाले सचिवों के समूह ने मूल्यांकन प्रक्रिया में बदलाव करते हुए दोबारा बोलियां आमंत्रित कीं। इसके बाद कंपनी की ओर से 81 रुपये प्रति शेयर की नई बोली लगाए जाने की जानकारी दी गई। वहीं, सरकार की ओर से निर्धारित शुरुआती न्यूनतम मूल्य 94.42 रुपये प्रति शेयर बताया गया था। ऐसे में सवाल उठ रहे हैं कि निर्धारित न्यूनतम मूल्य से कम बोली को स्वीकार करने का आधार क्या था और इस निर्णय के पीछे कौन से वित्तीय तथा प्रशासनिक कारण रहे।



रेलवे स्टोर्स कोड के इस्तेमाल पर भी सवाल

इस सौदे को लेकर एक अन्य विवाद नियमों की व्याख्या से जुड़ा बताया जा रहा है। आरोप है कि न्यूनतम निर्धारित मूल्य से कम बोली स्वीकार करने के निर्णय को उचित ठहराने के लिए ब्रिटिश शासनकाल के रेलवे स्टोर्स कोड का हवाला दिया गया। इस संहिता के प्रावधानों के अनुसार, विशेष परिस्थितियों में संबंधित अधिकारी निर्धारित न्यूनतम मूल्य से कम बोली स्वीकार कर सकता है, लेकिन इसके लिए कारणों को लिखित रूप में दर्ज करना आवश्यक होता है। अब सवाल उठाया जा रहा है कि रेलवे विभाग की खरीद प्रक्रिया से जुड़े इस प्रावधान का इस्तेमाल देश के एक बड़े बैंक की हिस्सेदारी बिक्री में किस आधार पर किया गया। क्या इस निर्णय के लिए अलग से कानूनी और वित्तीय आधार मौजूद था? क्या पूरी प्रक्रिया में सभी संभावित खरीदारों को समान अवसर दिया गया? इन सवालों पर स्पष्ट जानकारी सामने आना जरूरी माना जा रहा है।

बिक्री प्रक्रिया को लेकर पांच बड़े सवाल

आईडीबीआई बैंक की हिस्सेदारी बिक्री को लेकर कई महत्वपूर्ण सवाल सामने आ रहे हैं। पहला सवाल यह है कि शुरुआती बोलियां और संभावित खरीदारों की सूची तैयार होने के बाद बिक्री प्रक्रिया में बदलाव करने की आवश्यकता क्यों पड़ी? यदि मूल्यांकन के नियम बदले गए, तो इसका आधार क्या था? दूसरा सवाल यह है कि नई शर्तों के तहत अन्य संभावित निवेशकों को भी दोबारा बोली लगाने का अवसर क्यों नहीं दिया गया? क्या सभी इच्छुक कंपनियों को समान अवसर उपलब्ध कराया गया था? तीसरा सवाल दूसरे संभावित बोलीदाता की पहचान को लेकर है। यदि बिक्री प्रक्रिया में एक से अधिक कंपनियां शामिल थीं, तो दूसरे बोलीदाता का नाम सार्वजनिक नहीं किए जाने का आधार क्या है? चौथा सवाल एलआईसी के निवेश और पॉलिसीधारकों के हितों से जुड़ा है। जब बैंक को संकट से बाहर निकालने में बीमा निगम की बड़ी पूंजी लगी थी, तो हिस्सेदारी बेचने के निर्णय में पॉलिसीधारकों के हितों का आकलन किस तरह किया गया? पांचवां और सबसे महत्वपूर्ण सवाल यह है कि बैंक की वित्तीय स्थिति में सुधार और मुनाफे के बावजूद हिस्सेदारी बेचने का फैसला किस आर्थिक नीति के तहत लिया गया? क्या सरकार ने बैंक के भविष्य के मूल्यांकन और सार्वजनिक हितों को ध्यान में रखते हुए सभी विकल्पों पर विचार किया था?

सार्वजनिक धन और पारदर्शिता पर टिकी निगाहें

आईडीबीआई बैंक की हिस्सेदारी बिक्री का मामला केवल एक बैंक के निजीकरण तक सीमित नहीं है। इससे सार्वजनिक क्षेत्र के संस्थानों, सरकारी निवेश और आम नागरिकों की बचत के इस्तेमाल से जुड़े व्यापक सवाल भी जुड़े हुए हैं। आलोचकों का तर्क है कि जब कोई सरकारी संस्थान वित्तीय संकट में होता है, तब उसे बचाने के लिए सार्वजनिक धन और आम नागरिकों की बचत का सहारा लिया जाता है। लेकिन जब वही संस्थान आर्थिक रूप से मजबूत होकर मुनाफा कमाने लगता है, तब उसके निजीकरण का निर्णय लिया जाता है। ऐसे में बिक्री की प्रक्रिया, मूल्यांकन और संभावित खरीदारों के चयन में पूरी पारदर्शिता जरूरी है। हालांकि, सौदे में अनियमितता या किसी विशेष पक्ष को अनुचित लाभ पहुंचाने के आरोपों की स्वतंत्र जांच और आधिकारिक दस्तावेजों के आधार पर ही पुष्टि की जा सकती है। फिलहाल इस पूरे मामले में सबसे बड़ा मुद्दा यह है कि आईडीबीआई बैंक की हिस्सेदारी बिक्री का निर्णय किन शर्तों, मूल्यांकन और सार्वजनिक हितों के आधार पर किया गया। अब देश की निगाहें इस सौदे से जुड़े वित्तीय दस्तावेजों, सरकारी स्पष्टीकरण और बिक्री प्रक्रिया की पारदर्शिता पर टिकी हैं।

आज का राशिफल

(रविवार) 01 नवम्बर 2026

मेष — आज का दिन उत्साह और आत्मविश्वास से भरा रहेगा। कार्यक्षेत्र में नई जिम्मेदारी मिल सकती है। आर्थिक मामलों में सोच-समझकर निर्णय लें

वृषभ — आज का दिन नए संपर्क बनाने और योजनाओं को आगे बढ़ाने के लिए अनुकूल रहेगा। व्यापार में लाभ के संकेत हैं।

मिथुन — आज धन और संपत्ति से जुड़े मामलों में सकारात्मक परिणाम मिल सकते हैं। नौकरी और व्यापार में धैर्य से काम लें।

कर्क — आज आपको अपने कामकाज में विशेष सावधानी बरतनी होगी। विरोधियों की गतिविधियों पर ध्यान रखें, लेकिन विवाद से दूर रहें।

सिंह — आज आपकी बातचीत और कार्यशैली से लोग प्रभावित होंगे। रुके हुए काम आगे बढ़ सकते हैं। व्यापार में नए अवसर मिलेंगे

कन्या — आज भाग्य का साथ मिलने से कई रुके हुए काम पूरे हो सकते हैं। शिक्षा और प्रतियोगिता से जुड़े लोगों के लिए दिन अच्छा रहेगा

तुला — आज भावनाओं में बहकर कोई बड़ा फैसला लेने से बचें। कार्यक्षेत्र में मेहनत का अच्छा परिणाम मिल सकता है।

वृश्चिक — नए विचारों और योजनाओं पर काम करने का अवसर मिल सकता है। मित्रों का सहयोग मिलेगा, लेकिन किसी भी वादे से पहले अपनी स्थिति समझ लें

धनु — आज आपका आत्मविश्वास बढ़ा रहेगा और सामाजिक कार्यों में मान-सम्मान मिल सकता है। नौकरी में अधिकारियों का सहयोग मिलेगा।

मकर — आज कामकाज में जिम्मेदारियां बढ़ सकती हैं, लेकिन आपकी मेहनत से अच्छे परिणाम मिलेंगे। धन के लेन-देन में सावधानी रखें।

कुंभ — आज कार्यक्षेत्र में आपकी मेहनत और सूझबूझ की सराहना होगी। आर्थिक मामलों में लाभ के अवसर मिल सकते हैं

मीन — आज साझेदारी और पारिवारिक मामलों में संतुलन बनाए रखना जरूरी होगा। कार्यक्षेत्र में नए अवसर सामने आ सकते हैं।

त्योहार की मिठास में मिलावट और लापरवाही का जहर नहीं घुलना चाहिए

दिवाली पर मिठाई और फरसाण की बढ़ती मांग के बीच खाद्य सुरक्षा से समझौता गंभीर चिंता का विषय, मनपा की कार्रवाई के साथ नियमित निगरानी भी जरूरी

दिवाली खुशियों, रोशनी और मिठास का त्योहार है। इस अवसर पर घरों में मिठाइयां बनती हैं, रिश्तेदारों और मित्रों के बीच मिठाई के डिब्बों का आदान-प्रदान होता है और बाजारों में फरसाण तथा अन्य खाद्य पदार्थों की मांग तेजी से बढ़ जाती है। लेकिन त्योहार की इसी रौनक के बीच एक ऐसा सवाल भी खड़ा होता है, जिसे अक्सर खरीदारी की भागदौड़ में नजरअंदाज कर दिया जाता है—क्या बाजार में बिकने वाला हर खाद्य पदार्थ वास्तव में सुरक्षित और स्वच्छ है? अहमदाबाद महानगरपालिका के हेल्थ फूड विभाग की ओर से चार खाद्य उत्पादन इकाइयों को सील करने की कार्रवाई इसी सवाल को गंभीरता से उठाती है। जांच में कहीं इस्तेमाल किए गए खाद्य तेल के निस्तारण में लापरवाही मिली, तो कहीं पैकेजिंग और लेबलिंग के नियमों का पालन नहीं किया जा रहा था। कुछ इकाइयों में कर्मचारियों के लिए जरूरी सुरक्षा उपकरणों की कमी और स्वच्छता संबंधी खामियां भी सामने आईं। ये केवल कागजी नियमों के उल्लंघन की बातें नहीं हैं, बल्कि सीधे तौर पर आम नागरिकों के स्वास्थ्य और खाद्य सुरक्षा से जुड़ा मामला है। खाद्य पदार्थों का उत्पादन करने वाले किसी भी कारोबारी की पहली जिम्मेदारी उपभोक्ता को सुरक्षित और गुणवत्तापूर्ण सामान उपलब्ध कराना है।

मुनाफा कमाना व्यापार का हिस्सा हो सकता है, लेकिन इसके लिए स्वच्छता, गुणवत्ता और सुरक्षा के मानकों को नजरअंदाज करना किसी भी स्थिति में उचित नहीं ठहराया जा सकता। विशेष रूप से त्योहारों के समय जब उत्पादन और बिक्री का दबाव बढ़ जाता है, तब इन मानकों का पालन और भी जरूरी हो जाता है। इस्तेमाल किए गए खाद्य तेल का उचित निस्तारण भी खाद्य सुरक्षा का महत्वपूर्ण हिस्सा है।

इसके लिए निर्धारित व्यवस्था और अधिकृत एजेंसियों से अनुबंध की अनिवार्यता का उद्देश्य तेल के अनधिकृत दोबारा इस्तेमाल को रोकना है। इसी तरह उत्पादन परिसर की सफाई, कर्मचारियों के लिए कैप, एप्रन, मास्क और दस्ताने तथा खाद्य पदार्थों की सही पैकेजिंग और लेबलिंग केवल औपचारिकताएं नहीं हैं। इनका सीधा संबंध उपभोक्ताओं के भरोसे और स्वास्थ्य से है। हालांकि, चार इकाइयों को सील कर देना अपने आप में पूरी समस्या का समाधान नहीं है। सवाल यह है कि क्या खाद्य सुरक्षा विभाग की निगरानी केवल दिवाली और अन्य बड़े त्योहारों तक सीमित रहेगी, या सालभर नियमित रूप से ऐसी जांच होती रहेगी? यदि उत्पादन इकाइयों में लंबे समय से स्वच्छता संबंधी कमियां मौजूद थीं, तो उनकी पहचान पहले क्यों नहीं हो सकी? आखिरकार, त्योहार की मिठास स्वाद में होनी चाहिए, लापरवाही में नहीं।

हथकड़ी लगाकर टॉयलेट गया चोर हुआ रफूचक्कर, बाहर रस्सी थामे खड़ा रहा सिपाही

महानगर मेट्रो ब्यूरो

बदायूं। उत्तर प्रदेश के बदायूं जिले में पुलिस की निगरानी और हथकड़ी के बावजूद चोरी का एक आरोपी थाने से फरार हो गया। आरोपी ने शौचालय जाने की अनुमति मांगी और इसी दौरान पुलिसकर्मियों को चकमा देकर वहां से निकल गया। हैरानी की बात यह रही कि सिपाही शौचालय के बाहर हथकड़ी से बंधी रस्सी पकड़कर खड़ा रहा, जबकि आरोपी अंदर से रस्सी को अलग कर फरार हो चुका था। काफी देर तक कोई हलचल नहीं होने पर जब सिपाही ने रस्सी खींची तो वह हथकड़ी से अलग होकर बाहर आ गई। इसके बाद पुलिसकर्मियों को आरोपी के फरार होने का पता चला और थाने में अफरा-तफरी मच गई। जानकारी के अनुसार, यह मामला बदायूं के जरीफनगर थाने का है। फरार आरोपी की पहचान दहगवां के वार्ड नंबर एक निवासी मिथुन उर्फ टिकाऊ के रूप में हुई है। उस पर दहगवां चौराहे पर स्थित समाजवादी पार्टी के नेता लड्डन मियां के पेट्रोल पंप की रसोई से गैस सिलेंडर चोरी करने का आरोप है। चोरी की यह घटना पेट्रोल पंप पर लगे सीसीटीवी कैमरे में भी दर्ज हुई थी। फुटेज के आधार पर आरोपी की पहचान और तलाश की जा रही थी। बताया गया कि शुक्रवार को पेट्रोल पंप के मैनेजर महिपाल ने चोरी की घटना को लेकर जरीफनगर थाने में शिकायत दी थी। उनकी तहरीर के आधार पर पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज की। इसके बाद पुलिस आरोपी मिथुन को पकड़कर थाने ले आई। वहां उसकी गतिविधियों और चोरी से जुड़े मामले को लेकर पूछताछ की जा रही थी। पुलिस के अनुसार, आरोपी को थाने लाने के बाद उसकी जानकारी रोजनामचे में दर्ज कर पूछताछ की जा रही थी। शुक्रवार रात करीब आठ बजे आरोपी ने पुलिसकर्मियों से शौचालय जाने की बात कही। इसके बाद एक सिपाही उसे हथकड़ी लगाकर शौचालय तक ले गया। सुरक्षा के लिहाज से सिपाही बाहर ही खड़ा रहा और हथकड़ी से जुड़ी रस्सी अपने हाथ में पकड़े रहा। पुलिसकर्मी को लगा कि आरोपी शौचालय के अंदर है और उसकी निगरानी बनी हुई है, लेकिन कुछ देर बाद स्थिति बिल्कुल अलग निकली।



लखनऊ को थी दहलाने की साजिश, पाकिस्तान से आए हथियार... संदिग्धों से पूछताछ में चौंकाने वाले खुलासे

महानगर मेट्रो ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में हमले की कथित साजिश के मामले में गिरफ्तार चार संदिग्धों से पूछताछ के दौरान कई अहम जानकारियां सामने आने का दावा किया गया है। उत्तर प्रदेश आतंकवाद निरोधक दस्ते (एटीएस) के अनुसार, संदिग्धों के संपर्क पाकिस्तान में बैठे शहजाद भट्टी नेटवर्क से जुड़े एक कथित हैंडलर के साथ थे। जांच एजेंसी का आरोप है कि इसी नेटवर्क के जरिए उन्हें लखनऊ पहुंचने के लिए आर्थिक सहायता दी गई और विदेशी हथियार उपलब्ध कराए गए। मामले की गंभीरता को देखते हुए सुरक्षा एजेंसियां अब इस पूरे नेटवर्क और इसके पीछे की योजना का पता लगाने में जुटी हैं। एटीएस के मुताबिक, चारों संदिग्ध 27 अक्टूबर को अमृतसर से रवाना हुए थे और दिल्ली होते हुए 29 अक्टूबर की रात लखनऊ पहुंचे। जांच में दावा किया गया है कि पाकिस्तान में मौजूद राणा भाई नामक कथित हैंडलर ने उनकी यात्रा के लिए 2550 रुपये भेजे थे। एजेंसी के अनुसार, संदिग्ध इंटरनेट माध्यमों के जरिए उसके संपर्क में थे। जांच अधिकारी अब यह पता लगाने का प्रयास कर रहे हैं कि आरोपियों को लखनऊ भेजने के पीछे किस तरह की योजना थी और इस काम में अन्य कौन-कौन लोग शामिल थे। पूछताछ के दौरान विदेशी हथियारों की आपूर्ति से जुड़ी जानकारी भी सामने आने का दावा किया गया है। एटीएस के अनुसार, संदिग्धों को हथियार और कारतूस उपलब्ध कराए गए थे। जांच एजेंसी अब यह पता लगाने में जुटी है कि इन हथियारों की आपूर्ति किस माध्यम से हुई और इसके पीछे कौन सा नेटवर्क काम कर रहा था। हथियारों से जुड़े तथ्यों की पुष्टि और उनकी आपूर्ति के पूरे सिलसिले का पता लगाना जांच का महत्वपूर्ण हिस्सा है। संदिग्धों के मोबाइल फोन की जांच में भी कई महत्वपूर्ण सुराग मिलने की बात कही गई है। एटीएस के अनुसार, मोबाइल में विदेशी नंबरों से संपर्क और इंटरनेट आधारित संदेश सेवाओं के इस्तेमाल से जुड़े साक्ष्य मिले हैं। इसके अलावा कुछ संदिग्ध बातचीत, वीडियो और संवेदनशील प्रतिष्ठानों से संबंधित तस्वीरें भी जांच के दायरे में हैं। एजेंसी इन डिजिटल साक्ष्यों की पड़ताल कर रही है, ताकि यह स्पष्ट हो सके कि संदिग्ध किन लोगों के संपर्क में थे और उनकी गतिविधियों का उद्देश्य क्या था। एटीएस को आशंका है कि संदिग्धों को लखनऊ में पुलिसकर्मियों, सेना के जवानों या किसी संवेदनशील प्रतिष्ठान को निशाना बनाने के इरादे से भेजा गया हो सकता है। हालांकि, इस कथित योजना के वास्तविक स्वरूप और इसमें शामिल लोगों की भूमिका को लेकर जांच अभी जारी है।



करवा चौथ के दिन होटल में बॉयफ्रेंड के साथ मिली पत्नी, पति ने रंगे हाथ पकड़ा...

महानगर मेट्रो ब्यूरो

बरेली। उत्तर प्रदेश के बरेली में करवा चौथ के दिन पति-पत्नी के रिश्ते से जुड़ा एक मामला सामने आया। पति ने अपनी पत्नी को कथित प्रेमी के साथ होटल के कमरे में पकड़ने का दावा करते हुए पुलिस बुला ली। पुलिस ने होटल का कमरा खुलवाया तो पत्नी एक युवक के साथ अंदर मिली। इसके बाद होटल से लेकर कोतवाली तक काफी देर तक हंगामा चलता रहा। पुलिस दोनों पक्षों को थाने ले गई, जहां पत्नी ने पति के साथ रहने से इनकार कर दिया और कथित प्रेमी के साथ जाने की इच्छा जताई। जानकारी के अनुसार, पति मूल रूप से बदायूं का रहने वाला है। उसने करीब एक साल पहले युवती से प्रेम विवाह किया था। दोनों का एक बच्चा भी है। पति का आरोप है कि शादी के कुछ समय बाद ही पत्नी के व्यवहार में बदलाव आने लगा था। वह अक्सर किसी दूसरे युवक से फोन पर बातचीत करती थी। इस बात को लेकर दोनों के बीच कई बार विवाद भी हुआ। पति ने जब पत्नी से इस संबंध में सवाल किए तो उसने आरोपों को गलत बताते हुए सबूत दिखाने की बात कही। हालांकि, पति का शक लगातार बना रहा। पति के मुताबिक, उसकी पत्नी पिछले करीब दो महीने से मायके में रह रही थी और ससुराल लौटने को तैयार नहीं थी। करवा चौथ के दिन वह किसी काम से बरेली आया हुआ था। इसी दौरान बरेली जंक्शन के पास उसकी नजर पत्नी पर पड़ी। पत्नी को एक अन्य युवक के साथ देखकर उसे पहले से चला आ रहा शक और गहरा हो गया। इसके बाद उसने दोनों पर नजर रखी। कुछ समय बाद दोनों जंक्शन के पास एक अस्पताल के बगल में स्थित होटल पहुंचे और एक कमरे में चले गए। पति ने दोनों को होटल के कमरे में जाते देखा तो उसने तुरंत डायल 112 पर सूचना देकर पुलिस बुला ली। पुलिस मौके पर पहुंची और होटल का कमरा खुलवाया।



भोपाल में खाद्य विभाग का बड़ा एक्शनः स्कूल, कॉलेज और हॉस्टल की मेस व कैंटीन में होगी ताबड़तोड़ औचक जांच

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भोपाल। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में शैक्षणिक संस्थानों के हॉस्टलों और कैंटीनों में विद्यार्थियों को परोसे जाने वाले भोजन की गुणवत्ता को लेकर जिला प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है। अक्टूबर महीने में दो अलग-अलग हॉस्टलों में भोजन के अंदर कीड़े और मरी हुई छिपकली मिलने की घटनाओं के बाद खाद्य एवं औषधि प्रशासन ने शहरभर में विशेष जांच अभियान शुरू किया है। इसके तहत स्कूलों, कॉलेजों और छात्रावासों की मेस तथा कैंटीनों में अचानक निरीक्षण किया जाएगा। अभियान को प्रभावी बनाने के लिए खाद्य सुरक्षा विभाग ने छह अधिकारियों की दो विशेष टीमें गठित की हैं। प्रशासन की इस कार्रवाई का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को सुरक्षित और गुणवत्तापूर्ण भोजन उपलब्ध कराना है। हाल ही में सामने आई घटनाओं ने शैक्षणिक संस्थानों में



भोजन तैयार करने और परोसने की व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए थे। पहला मामला पंचशील नगर स्थित अनुसूचित जाति कन्या महाविद्यालय के छात्रावास का था, जहां अक्टूबर में विद्यार्थियों को परोसे गए भोजन में कीड़े मिलने की शिकायत सामने आई थी। इस घटना के बाद छात्रावास में काफी हंगामा हुआ था। दूसरी घटना मुगालिया छाप स्थित श्रमोदय आवासीय विद्यालय के बालक छात्रावास में हुई थी। यहां विद्यार्थियों को परोसी गई आलू की सब्जी में मरी हुई छिपकली मिलने का मामला सामने आया था। दूषित भोजन खाने के बाद करीब 13 विद्यार्थियों की तबीयत बिगड़ गई थी, जिन्हें उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा था। लगातार सामने आई इन घटनाओं के बाद जिला प्रशासन ने शैक्षणिक संस्थानों में भोजन की गुणवत्ता और स्वच्छता व्यवस्था की जांच कराने का निर्णय लिया। कलेक्टर प्रियंक मिश्रा ने 12 अक्टूबर को खाद्य सुरक्षा की जिला स्तरीय सलाहकार समिति की बैठक बुलाकर अधिकारियों को स्कूलों, कॉलेजों और छात्रावासों की मेस तथा कैंटीनों का सघन निरीक्षण करने के निर्देश दिए थे। इसके बाद खाद्य सुरक्षा विभाग ने जांच अभियान की रूपरेखा तैयार करते हुए छह अधिकारियों को दो टीमों में नियुक्त किया है। पहली टीम में खाद्य सुरक्षा अधिकारी जेपी तवंशी, वर्षा व्यास और अर्चना प्रमाकर को शामिल किया गया है। वहीं दूसरी टीम की जिम्मेदारी जगदीश विश्वकर्मा, साधना सक्सेना और पूजा शाक्य को सौंपी गई है। दोनों टीमें अलग-अलग क्षेत्रों में जाकर शैक्षणिक संस्थानों की भोजन व्यवस्था का निरीक्षण करेंगी। जांच के दौरान मेस और कैंटीन में तैयार भोजन के साथ कच्ची खाद्य सामग्री की गुणवत्ता भी देखी जाएगी। निरीक्षण के दौरान यह भी जांचा जाएगा कि खाद्य सामग्री को किस तरह रखा जा रहा है और भोजन तैयार करने वाले स्थान पर साफ-सफाई की पर्याप्त व्यवस्था है या नहीं। कच्चे और पके हुए भोजन के भंडारण, खाद्य पदार्थों को ढककर रखने तथा चूहों और कीटों से बचाव के इंतजामों पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। इसके अलावा विद्यार्थियों को भोजन परोसने के तरीके और रसोईघर की स्वच्छता की भी जांच होगी। खाद्य सुरक्षा विभाग की टीमें भोजन के नमूने भी एकत्र करेंगी।

नोएडा में अब एंबुलेंस के लिए पहले से खाली होगा रास्ता! पुलिस ने बनाया खास प्लान, जारी किया हेल्पलाइन नंबर

24 घंटे मिलेगी ट्रैफिक सहायता, चौराहों पर एंबुलेंस पहुंचने से पहले अलर्ट होंगे पुलिसकर्मी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नोएडा। ग्रेटर नोएडा में अब गंभीर मरीजों और सड़क हादसों में घायल लोगों को अस्पताल पहुंचाने वाली एंबुलेंस को ट्रैफिक जाम में फंसने से बचाने के लिए पुलिस ने खास पहल शुरू की है। गौतमबुद्ध नगर पुलिस ने इसके लिए 'ऑपरेशन फास्ट' लागू किया है। इस व्यवस्था के तहत एंबुलेंस को 24 घंटे ट्रैफिक सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। एंबुलेंस के रास्ते और उसकी लोकेशन की जानकारी मिलते ही ट्रैफिक पुलिस पहले से सक्रिय हो जाएगी और संबंधित चौराहों पर रास्ता खाली कराने की व्यवस्था करेगी। इसके लिए पुलिस ने हेल्पलाइन नंबर 92188..... भी जारी किया है। पुलिस की इस पहल का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि किसी गंभीर मरीज या दुर्घटना में घायल व्यक्ति को अस्पताल पहुंचने में केवल ट्रैफिक जाम के कारण देरी न हो। इसके लिए ट्रैफिक पुलिस कंट्रोल रूम में विशेष एंबुलेंस ट्रैफिक सहायता सेल बनाया जा रहा है। यह सेल एंबुलेंस की



मौजूदा लोकेशन, उसके गंतव्य अस्पताल और चुने गए मार्ग की जानकारी लेकर रास्ते में पड़ने वाले प्रमुख चौराहों पर तैनात पुलिसकर्मियों को पहले से अलर्ट करेगा। इस व्यवस्था का लाभ लेने के लिए एंबुलेंस चालक, अस्पताल का कंट्रोल रूम या इमरजेंसी डिस्पैचर हेल्पलाइन नंबर पर संपर्क कर सकेगा। कॉल के दौरान एंबुलेंस की वर्तमान स्थिति, मरीज को जिस अस्पताल में ले जाना है उसका पता और प्रस्तावित रास्ते की जानकारी देनी होगी। सूचना मिलते ही ट्रैफिक पुलिस संबंधित मार्ग पर यातायात व्यवस्था संभालने की तैयारी शुरू कर देगी। एंबुलेंस के चौराहे पर पहुंचने से पहले ही वहां तैनात पुलिसकर्मी दूसरे वाहनों को नियंत्रित कर रास्ता खाली कराएंगे। जरूरत पड़ने पर ट्रैफिक सिग्नल में कुछ समय के लिए बदलाव भी किया जा सकेगा, ताकि एंबुलेंस को बिना अनावश्यक इंतजार के आगे बढ़ाया जा सके। इसके साथ ही एक चौराहे से आगे निकलने के बाद अगले चौराहे पर भी पुलिसकर्मियों को पहले से सूचना दी जाएगी। इस तरह एंबुलेंस को पूरे मार्ग पर लगातार ट्रैफिक सहायता देने की योजना बनाई गई है। पुलिस ने इस व्यवस्था में आम लोगों की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए भी तैयारी की है। शहर में लगे सार्वजनिक उद्घोषणा तंत्र के माध्यम से लोगों से एंबुलेंस को रास्ता देने की अपील की जाएगी। पुलिसकर्मी भी वाहन चालकों को निर्देश देंगे कि वे एंबुलेंस के सामने या उसके रास्ते में वाहन खड़े न करें और उसे निकलने के लिए पर्याप्त जगह दें। पुलिस कमिश्नर लक्ष्मी सिंह के निर्देशन में शुरू की गई इस पहल के तहत सरकारी और निजी अस्पतालों, एंबुलेंस संचालकों तथा आपातकालीन सेवा से जुड़े नियंत्रण केंद्रों को भी जोड़ा गया है।

केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने दाखिल किया नामांकन, मुख्यमंत्री मोहन यादव रहे मौजूद

महानगर मेट्रो ब्यूर

भोपाल। मध्य प्रदेश में राज्यसभा उपचुनाव को लेकर शनिवार को राजधानी भोपाल में राजनीतिक गतिविधियां तेज रहीं। केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने मध्य प्रदेश से राज्यसभा सीट के लिए अपना नामांकन दाखिल कर दिया। इस दौरान मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल सहित पार्टी के कई वरिष्ठ नेता मौजूद रहे। विधानसभा परिसर में नामांकन के समय भाजपा के दोनों उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा और राजेंद्र शुक्ला, कैबिनेट मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, प्रहलाद पटेल तथा सांसद वी.डी. शर्मा भी उपस्थित रहे। इसके अलावा मंत्रिमंडल के कई सदस्य और बड़ी संख्या में विधायक भी नामांकन प्रक्रिया के दौरान मौजूद रहे। नामांकन दाखिल करने के बाद भाजपा नेताओं ने हरदीप सिंह पुरी का स्वागत किया और विधानसभा में पार्टी के संख्या बल को देखते हुए उनकी जीत का भरोसा जताया। भाजपा का मानना है कि सदन में उसके विधायकों की पर्याप्त संख्या होने के कारण चुनाव में पार्टी की स्थिति मजबूत है। हालांकि, तेलंगाना के कंटे सायन्ना के भी नामांकन पत्र दाखिल करने के लिए विधानसभा पहुंचने से चुनाव को लेकर राजनीतिक चर्चाएं तेज हो गई हैं। निर्वाचन आयोग के निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार राज्यसभा की इस सीट के लिए 12 नवंबर को मतदान कराया जाएगा। इसी दिन मतगणना भी होगी। नामांकन प्रक्रिया पूरी होने के बाद अब सभी राजनीतिक दलों की नजर चुनावी कार्यक्रम और आगे की प्रक्रिया पर है। दूसरी ओर, हरदीप सिंह पुरी की उम्मीदवारी को लेकर कांग्रेस ने विरोध जताया है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी सहित पार्टी के अन्य नेताओं ने भाजपा पर निशाना साधते हुए उनकी उम्मीदवारी पर सवाल उठाए। कांग्रेस का आरोप है कि मध्य प्रदेश की राज्यसभा सीट पर प्रदेश के बाहर के नेता को उम्मीदवार बनाया जा रहा है। पार्टी नेताओं ने इसे प्रदेश के राजनीतिक प्रतिनिधित्व से जुड़ा मुद्दा बताते हुए भाजपा के फैसले का विरोध किया। कांग्रेस के विरोध के दौरान एनएसयूआई और कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने भी प्रदर्शन किया। विभिन्न स्थानों पर कार्यकर्ताओं ने पुतला दहन कर अपनी नाराजगी जाहिर की। कांग्रेस नेताओं ने केंद्र और प्रदेश की भाजपा सरकार पर भी निशाना साधा। वहीं, भाजपा नेताओं ने अपने संख्या बल और चुनावी स्थिति को देखते हुए पुरी की जीत का भरोसा जताया है। राजनीतिक रूप से इस उपचुनाव को भाजपा के लिए अहम माना जा रहा है। विधानसभा में पार्टी के मजबूत संख्या बल के कारण हरदीप सिंह पुरी की जीत की संभावना जताई जा रही हैं।



6 वनकर्मी सस्पेंड, STF गठित... कूनों में चीते की गोली मारकर हत्या के मामले में तगड़ा एक्शन

महानगर मेट्रो ब्यूरो

श्योपुर। मध्य प्रदेश के कूनो राष्ट्रीय उद्यान से बाहर निकले 19 महीने के चीते केएनजी-22 की गोली लगने से हुई मौत के मामले में सरकार ने सख्त कार्रवाई की है। चीते की सुरक्षा और निगरानी में लापरवाही के प्रारंभिक आरोपों के आधार पर मुरैना और श्योपुर वन मंडल के 6 कर्मचारियों को निलंबित कर दिया गया है। वहीं, मामले में 8 संदिग्धों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। घटना की गंभीरता को देखते हुए राज्य सरकार ने विशेष जांच दल (एसटीएफ) का गठन किया है, जबकि केंद्र सरकार ने भी जांच के लिए अधिकारियों की एक टीम भेजी है। जानकारी के अनुसार, कूनो राष्ट्रीय उद्यान से बाहर निकला 19 महीने का चीता केएनजी-22 मुरैना जिले के पहाड़गढ़ क्षेत्र के नितनवास इलाके में घायल अवस्था में मिला था। जांच के दौरान उसके शरीर से बंदूक के पांच छर्रे मिलने की बात सामने आई। चीते की हालत गंभीर होने के कारण उसे बचाने के लिए आपातकालीन शल्य चिकित्सा की गई, लेकिन तमाम प्रयासों के बावजूद मंगलवार को उसकी मौत हो गई। घटना के बाद वन विभाग



और प्रशासन में हड़कंप मच गया। मामले की शुरुआती जांच में चीते की निगरानी और सुरक्षा व्यवस्था में लापरवाही सामने आने के बाद वन विभाग ने संबंधित कर्मचारियों पर कार्रवाई की है। विजयपुर क्षेत्र से तीन और मुरैना जिले के पहाड़गढ़ क्षेत्र से तीन वनकर्मियों को निलंबित किया गया है। निलंबित कर्मचारियों में पहाड़गढ़ के रेंजर आकाश तोमर, कन्हार चौकी के डिप्टी रेंजर कीर्ति शांडिल्य और दिनेश मरैया के नाम शामिल हैं। श्योपुर वन मंडल के विजयपुर क्षेत्र के तीन अन्य कर्मचारियों पर भी कार्रवाई की गई है। वन वृत्त ग्वालियर के मुख्य वन संरक्षक लवित भारती ने छह कर्मचारियों के निलंबन की पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि मामले की जांच जारी है और प्रारंभिक तौर पर चीते की सुरक्षा तथा निगरानी में लापरवाही पाए जाने के आधार पर यह कार्रवाई की गई है। अधिकारियों के अनुसार, घटना से जुड़े सभी पहलुओं की जांच की जा रही है, ताकि यह पता लगाया जा सके कि चीते को किन परिस्थितियों में गोली लगी और इसके पीछे कौन लोग जिम्मेदार हैं। इस मामले में आठ संदिग्धों के खिलाफ प्राथमिकी भी दर्ज की गई है। पुलिस और वन विभाग की टीमें संभावित आरोपियों से पूछताछ कर रही हैं। जांच के दौरान कुछ संदिग्धों को जंगल और अस्थायी ठिकानों से हिरासत में लिए जाने की जानकारी सामने आई है। इसके साथ ही जंगल के कुछ हिस्सों में खुदाई कर साक्ष्य तलाशे जा रहे हैं। जांच एजेंसियां घटना में इस्तेमाल हथियार और अन्य महत्वपूर्ण सबूतों की तलाश कर रही हैं। हालांकि, हथियार की बरामदगी और संदिग्धों की भूमिका को लेकर अभी आधिकारिक पुष्टि होना बाकी है। चीते की मौत के बाद वन्यजीव सुरक्षा व्यवस्था पर भी सवाल उठने लगे हैं। कूनो राष्ट्रीय उद्यान में चीतों के संरक्षण और निगरानी को लेकर लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। ऐसे में एक युवा चीते का पार्क की सीमा से बाहर घायल मिलना और बाद में उसकी मौत हो जाना वन विभाग के लिए गंभीर मामला बन गया है।

बिना टिकट यात्री को पकड़ने के बाद टीटीई पर मारपीट का आरोप, ट्रेन से नीचे खींचकर प्लेटफॉर्म पर पीटा

महानगर मेट्रो ब्यूर

गुना। मध्य प्रदेश के गुना जिले में कोटा-इंदौर एक्सप्रेस में टिकट जांच के दौरान यात्री के साथ कथित मारपीट का मामला सामने आया है। आरोप है कि बिना टिकट यात्रा कर रहे एक यात्री को दो टीटीई ने चांचौड़ा-बीनागंज रेलवे स्टेशन पर ट्रेन से नीचे खींच लिया और प्लेटफॉर्म पर उसके साथ मारपीट की। घटना का वीडियो इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित होने के बाद रेलवे विभाग में हलचल मच गई है। अब टिकट जांच कर्मचारियों के व्यवहार और पूरी कार्रवाई को लेकर सवाल उठ रहे हैं। जानकारी के अनुसार, कोटा से इंदौर की ओर जा रही इंटरसिटी एक्सप्रेस के सामान्य डिब्बे में कुंभराज रेलवे स्टेशन से संतोष नाम का यात्री सवार हुआ था। यात्रा के दौरान टिकट जांच कर्मचारियों ने उससे टिकट दिखाने को कहा। बताया जा रहा है कि संतोष के पास यात्रा का टिकट नहीं था। इसी बात को लेकर यात्री और टिकट जांच कर्मचारियों के बीच बहस शुरू हो गई। आरोप है कि ट्रेन के चांचौड़ा-बीनागंज स्टेशन पहुंचने पर विवाद बढ़ गया। इसी दौरान दो टीटीई ने संतोष की कॉलर पकड़कर उसे ट्रेन से नीचे खींच लिया। इसके बाद प्लेटफॉर्म पर उसके साथ धक्का-मुक्की और मारपीट की गई। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, यात्री को प्लेटफॉर्म पर घसीटने और थप्पड़ मारने का घटनाक्रम भी सामने आया है। स्टेशन पर मौजूद किसी व्यक्ति ने पूरी घटना का वीडियो बना लिया, जो बाद में इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित हो गया। वीडियो सामने आने के बाद रेलवे में यात्रियों के साथ व्यवहार और टिकट जांच की प्रक्रिया को लेकर सवाल उठने लगे हैं। बिना टिकट यात्रा करना रेलवे नियमों का उल्लंघन है और ऐसे मामलों में निर्धारित किराया तथा जुर्माना वसूलने का प्रावधान है। लेकिन इस घटना में आरोप है कि नियमों के तहत कार्रवाई करने के बजाय यात्री के साथ मारपीट की गई। ऐसे में यह सवाल भी उठ रहा है कि टिकट नहीं होने पर संबंधित कर्मचारियों ने निर्धारित प्रक्रिया का पालन क्यों नहीं किया। मामले को लेकर गुना के मुख्य टिकट निरीक्षक राजकुमार मीणा से संपर्क किया गया। उन्होंने बताया कि वह फिलहाल अवकाश पर राजस्थान में हैं। उन्होंने वायरल वीडियो मंगवाकर पूरे घटनाक्रम की जानकारी लेने की बात कही है। साथ ही यह पता लगाया जाएगा कि गुना से टिकट जांच के लिए कौन-कौन से कर्मचारी गए थे और घटना किन परिस्थितियों में हुई। फिलहाल वीडियो के आधार पर मामले की जांच की बात कही जा रही है। जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा कि घटना के दौरान क्या हुआ और संबंधित कर्मचारियों की भूमिका क्या रही। यात्रियों का कहना है कि बिना टिकट यात्रा करने पर रेलवे को नियमानुसार कार्रवाई करने का अधिकार है, लेकिन किसी भी यात्री के साथ मारपीट या अभद्र व्यवहार उचित नहीं है। अब देखना होगा कि रेलवे जांच के बाद संबंधित कर्मचारियों के खिलाफ क्या कदम उठाता है।

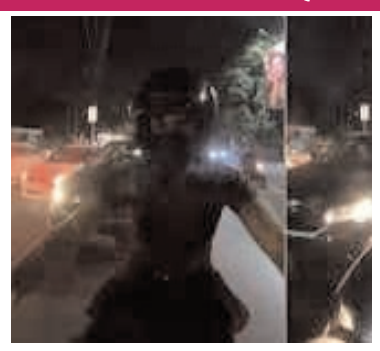


सड़क पर दबंगई! भोपाल में कार से टक्कर हुई तो बाइक सवार ने गुस्से में हाथ मार दिया, जवाब में कार वाले ने पिस्टल तान दी

न्यू मार्केट इलाके की घटना का वीडियो इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भोपाल। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में सड़क पर हुई मामूली टक्कर के बाद शुरू हुआ विवाद देखते ही देखते गंभीर रूप ले गया। न्यू मार्केट इलाके में कार और बाइक के बीच हुई भिड़ंत के बाद दोनों वाहन चालकों में कहासुनी हो गई। इसी दौरान गुस्से में आए बाइक सवार ने कार पर हाथ मार दिया। इससे नाराज कार चालक ने ऐसा कदम उठा लिया, जिसने सड़क पर मौजूद लोगों को भी हैरान कर दिया। आरोप है कि कार चालक ने अपनी गाड़ी से पिस्टल निकाली और बाइक सवार पर तानकर उसे धमकाने लगा। घटना का वीडियो इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित होने के बाद पुलिस ने मामले में कार्रवाई शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, घटना भोपाल के न्यू मार्केट इलाके की है, जो टीटी नगर थाना क्षेत्र में आता है। सड़क पर कार और बाइक की टक्कर होने के बाद दोनों के बीच विवाद शुरू हुआ था। शुरुआत में मामला केवल कहासुनी तक सीमित था, लेकिन बाइक सवार की ओर से कार पर हाथ मारने के बाद कार चालक का गुस्सा बढ़ गया। आरोप है कि उसने गाड़ी से पिस्टल निकालकर बाइक सवार की तरफ तान



दी। सड़क पर दिनदहाड़े हथियार दिखाने की इस घटना से आसपास मौजूद लोगों में भी हलचल मच गई। इसी दौरान किसी व्यक्ति ने पूरी घटना का वीडियो अपने मोबाइल में रिकॉर्ड कर लिया। बाद में यह वीडियो इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित हो गया। वीडियो में कार और बाइक के बीच विवाद के बाद कार चालक की ओर से हथियार दिखाए जाने का घटनाक्रम सामने आया है। वीडियो प्रसारित होने के बाद मामला पुलिस तक पहुंचा और अधिकारियों ने इसकी जांच शुरू कर दी। भोपाल के अतिरिक्त पुलिस आयुक्त शैलेंद्र सिंह चौहान ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि पुलिस ने वीडियो में दिखाई दे रही कार के पंजीकरण नंबर के आधार पर चालक की पहचान कर ली है। आरोपी के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। पुलिस का कहना है कि उसे जल्द गिरफ्तार किया जाएगा। फिलहाल पुलिस पूरे घटनाक्रम की जांच कर रही है और आरोपी की गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे हैं। गौरतलब है कि भोपाल में सड़क पर विवाद के दौरान हथियार दिखाने का यह पहला मामला नहीं है। इससे पहले पिपलानी थाना क्षेत्र में भी कहासुनी के दौरान पिस्टल दिखाने की घटना सामने आई थी। न्यू मार्केट की ताजा घटना ने एक बार फिर शहर की सड़कों पर बढ़ती आक्रामकता और मामूली विवादों के गंभीर रूप लेने पर सवाल खड़े कर दिए हैं। सड़क पर वाहन चलाते समय छोटी-मोटी टक्कर या कहासुनी होना आम बात है, लेकिन ऐसे मामलों में संयम रखने के बजाय हथियार निकालना किसी की जान और सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा पैदा कर सकता है। पुलिस की कार्रवाई के साथ यह भी जरूरी है कि वाहन चालक विवाद की स्थिति में कानून अपने हाथ में लेने के बजाय शांतिपूर्वक मामला सुलझाएं। फिलहाल न्यू मार्केट की इस घटना में पुलिस आरोपी की गिरफ्तारी की तैयारी में जुटी है।

mahangarmetro.com
महानगर मेट्रो
अहमदाबाद, (रविवार)
01 नवंबर 2026

हाशिम बाबा गैंग के शूटर से पुलिस की मुठभेड़, दोनों तरफ से चलीं 7 गोलियां



महानगर मेट्रो ब्यूरो

द्वारका। दिल्ली के द्वारका जिले में पुलिस के विशेष दस्ते और हाशिम बाबा गिरोह के कथित शूटर के बीच मुठभेड़ का मामला सामने आया है। नजफगढ़-गुरुग्राम यूईआर-2 मार्ग पर घेराबंदी के दौरान आरोपी ने पुलिस टीम पर गोलीबारी की। जवाबी कार्रवाई में पुलिस की गोली उसके पैर में लगी, जिसके बाद उसे गिरफ्तार कर उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया। पुलिस ने मौके से एक पिस्तौल और कारतूस भी बरामद किए हैं। पुलिस के अनुसार, आरोपी की पहचान शिवम के रूप में हुई है। पुलिस को सूचना मिली थी कि वह किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने की तैयारी में है। इस सूचना के आधार पर द्वारका जिला पुलिस के विशेष दस्ते ने नजफगढ़-गुरुग्राम यूईआर-2 मार्ग पर उसकी घेराबंदी की। पुलिस का दावा है कि खुद को घिरा देखकर आरोपी ने टीम पर गोलीबारी शुरू कर दी। इसके बाद पुलिसकर्मियों ने जवाबी कार्रवाई की। इस दौरान दोनों ओर से करीब 7 राउंड गोलियां चलने की जानकारी सामने आई है। जवाबी कार्रवाई में शिवम घायल हो गया। पुलिस ने उसे मौके से गिरफ्तार कर अस्पताल में भर्ती कराया। घटनास्थल से बरामद पिस्तौल और कारतूस को कब्जे में लेकर जांच की जा रही है। पुलिस के मुताबिक, शिवम डाबड़ी थाने में दर्ज हत्या के एक मामले में आरोपी है। इसके अलावा 24 अक्टूबर को नजफगढ़ में हुई एक अन्य हत्या और डकैती के मामलों में भी उसका नाम सामने आया है। पुलिस अब उसके आपराधिक रिकॉर्ड की जांच कर रही है और यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि वह हाशिम बाबा गिरोह के किन सदस्यों के संपर्क में था। फिलहाल पुलिस मुठभेड़ से जुड़े घटनाक्रम, बरामद हथियार और आरोपी के कथित आपराधिक नेटवर्क की जांच में जुटी है। अधिकारियों के अनुसार, जांच के दौरान सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

मंगोलपुरी के जूता फैक्ट्री में लगी भीषण आग, 4 लोगों की दर्दनाक मौत

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मंगोलपुरी। दिल्ली के मंगोलपुरी इलाके में शुक्रवार रात जूते बनाने वाली एक फैक्ट्री में भीषण आग लगने से बड़ा हादसा हो गया। आग की चपेट में आने और धुएं के कारण छह लोग बेहोशी की हालत में मिले। उन्हें तत्काल बाहर निकालकर संजय गांधी अस्पताल पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने चार लोगों को मृत घोषित कर दिया, जबकि दो अन्य का उपचार जारी है। सूचना मिलते ही दमकल विभाग की 20 गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। अधिकारियों के मुताबिक, दमकल विभाग को शुक्रवार रात करीब 9:32 बजे मंगोलपुरी स्थित जूता फैक्ट्री में आग लगने की सूचना मिली थी। सूचना मिलते ही दमकल की गाड़ियों को घटनास्थल के लिए रवाना किया गया। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, आग सबसे पहले फैक्ट्री के बेसमेंट में लगी थी। इसके बाद परिसर में धुआं फैल गया, जिससे अंदर मौजूद लोगों को बाहर निकलने में परेशानी हुई। दमकल अधिकारी एडीओ पारस कुमार ने बताया कि आग बेसमेंट में लगी थी और बचाव दल ने उसे वहीं तक सीमित रखने का प्रयास किया। फैक्ट्री में धुआं काफी अधिक होने के कारण राहत एवं बचाव अभियान में कठिनाई आई। इस दौरान एक व्यक्ति को तीसरी मंजिल की सीढ़ियों से और पांच अन्य लोगों को चौथी मंजिल से सुरक्षित बाहर निकाला गया। सभी छह लोगों को तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया। दिल्ली पुलिस के अनुसार, अस्पताल में चार लोगों की मौत हो गई, जबकि दो घायलों का इलाज जारी है। हादसे के बाद दमकल कर्मियों ने आग को पूरी तरह बुझा दिया। फिलहाल घटनास्थल पर ठंडा करने की प्रक्रिया पूरी की जा रही है, ताकि दोबारा आग लगने की आशंका न रहे। घटना के बाद पुलिस ने हादसे के कारणों की जांच शुरू कर दी है। दिल्ली पुलिस के डीसीपी विक्रम सिंह ने बताया कि मामले में नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। फैक्ट्री मालिक को पूछताछ के लिए बुलाया गया है। इसके अलावा ठेकेदार और कर्मचारियों से भी जानकारी जुटाई जा रही है। पुलिस यह पता लगाने का प्रयास कर रही है।



त्योहारों में मिलावटखोरी पर बड़ा एक्शन, दिल्ली में 4,000 किलो खराब खाद्य सामग्री नष्ट

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। त्योहारों के दौरान मिलावटी और खराब गुणवत्ता वाले खाद्य पदार्थों की बिक्री रोकने के लिए दिल्ली के खाद्य सुरक्षा विभाग ने कार्रवाई तेज कर दी है। पिछले दो महीनों में विभाग की टीमों ने 30 विशेष अभियान चलाए। इस दौरान अलग-अलग खाद्य पदार्थों के 290 नमूने जांच के लिए लिए गए, जिनमें से 85 नमूने निर्धारित मानकों के अनुरूप नहीं पाए गए। इसके अलावा विभिन्न स्थानों से 4,000 किलोग्राम से अधिक खराब गुणवत्ता वाली खाद्य सामग्री जब्त कर नष्ट कराई गई। विभाग की ओर से त्योहारों के दौरान लोगों को सुरक्षित खाद्य सामग्री उपलब्ध कराने के उद्देश्य से बाजारों, दुकानों और खाद्य निर्माण इकाइयों की निगरानी बढ़ाई गई है। जांच अभियान में विशेष रूप से घी, पनीर, खोया और मिठाइयों की गुणवत्ता पर ध्यान दिया जा रहा है। अधिकारियों की टीमें खाद्य पदार्थों के नमूने लेकर उनकी जांच करा रही हैं, ताकि मिलावट और खराब गुणवत्ता वाले उत्पादों की बिक्री पर रोक लगाई जा सके। दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. पंकज कुमार सिंह ने कहा कि त्योहारों के दौरान नागरिकों को मिलने वाले खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता और सुरक्षा से किसी भी तरह का समझौता नहीं किया जाएगा। उन्होंने खाद्य सुरक्षा विभाग को बाजार से लेकर निर्माण इकाइयों तक नियमित निगरानी रखने और नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। इससे पहले मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के निर्देशों पर भी खाद्य सुरक्षा विभाग ने कई स्थानों पर छापेमारी की थी। निहाल विहार इलाके में बिना लाइसेंस संचालित रसगुल्ला निर्माण इकाइयों पर औचक कार्रवाई की गई थी। जांच के दौरान वहां से 402 किलोग्राम खाद्य सामग्री नष्ट कराई गई। विभाग की टीमों ने निर्माण इकाइयों में खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता और साफ-सफाई से जुड़े इंतजामों की भी जांच की थी। इसी क्रम में मोरी गेट स्थित खोया मंडी में भी कार्रवाई की गई थी। यहां जांच के दौरान 520 किलोग्राम खराब खोया और छेना नष्ट कराया गया। विभाग की इस कार्रवाई का उद्देश्य खराब गुणवत्ता वाले खाद्य उत्पादों को बाजार में पहुंचने से रोकना था। त्योहारों के समय मिठाइयों और दूध से बने उत्पादों की मांग बढ़ जाती है। ऐसे में मिलावटखोरी और खराब खाद्य सामग्री की बिक्री की आशंका भी बढ़ जाती है।



महाराष्ट्र FDA ने सीज किया 5 करोड़ का खाने का सामान, Blikit और Relice Retail पर FIR लाइसेंस सस्पेंड

महानगर मेट्रो ब्यूरो

महाराष्ट्र। में खाद्य एवं औषधि प्रशासन (एफडीए) ने एक्सपायरी, खराब और वापस लौटाए गए खाद्य उत्पादों के रखरखाव तथा निस्तारण में लापरवाही के मामलों को लेकर बड़ी कार्रवाई की है। विभाग ने ठाणे, नवी मुंबई और पुणे जिलों में विशेष जांच अभियान चलाकर कई गोदामों, वितरण केंद्रों और भंडारण परिसरों की जांच की। इस दौरान 5 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य की खाद्य सामग्री जब्त की गई। कार्रवाई के तहत कई प्रतिष्ठानों के लाइसेंस निलंबित किए गए हैं, जबकि दो मामलों में पुलिस ने प्राथमिकी भी दर्ज की है। एफडीए ने अक्टूबर 2026 में यह विशेष अभियान शुरू किया था। इसका मुख्य उद्देश्य ऐसे खाद्य उत्पादों की दोबारा बिक्री पर रोक लगाना था, जिन्हें एक्सपायर होने, खराब होने या किसी कारण से वापस लौटाए जाने के बाद निस्तारण के लिए अलग रखा जाना चाहिए था। जांच के दौरान विभाग को कुछ प्रतिष्ठानों में खाद्य सामग्री के भंडारण और निपटान की प्रक्रिया में गंभीर कमियां मिलीं। इसके बाद



अधिकारियों ने संबंधित परिसरों से खाद्य सामग्री जब्त करने के साथ लाइसेंस निलंबन की कार्रवाई की। अभियान के दौरान नवी मुंबई के तुर्भे स्थित एम/एस सवला फूड्स एंड कोल्ड स्टोरेज प्राइवेट लिमिटेड के परिसर से 91,353 किलोग्राम खाद्य सामग्री जब्त की गई। इसकी अनुमानित कीमत 4.12 करोड़ रुपये से अधिक बताई गई है। विभाग के अनुसार, इतनी बड़ी मात्रा में खाद्य सामग्री मिलने के बाद कंपनी का खाद्य व्यवसाय लाइसेंस तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया। इस कार्रवाई को पूरे अभियान की सबसे बड़ी कार्रवाई माना जा रहा है। इसी तरह ठाणे जिले के भिवंडी क्षेत्र में भी एफडीए ने कार्रवाई की। भिवंडी के पगांव स्थित एम/एस ब्लिंक कॉमर्स प्राइवेट लिमिटेड के परिसर से करीब 32.71 लाख रुपये मूल्य का खाद्य स्टॉक जब्त किया गया। विभाग ने कंपनी का लाइसेंस निलंबित करने के साथ भिवंडी तालुका पुलिस थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई। आरोप है कि खाद्य उत्पादों के रखरखाव और निस्तारण से जुड़े नियमों का उचित पालन नहीं किया जा रहा था। भिवंडी के ही पदघा गांव स्थित एम/एस क्लाउडस्टोर रिटेल प्राइवेट लिमिटेड के परिसर में भी जांच के दौरान करीब 6.88 लाख रुपये मूल्य का स्टॉक जब्त किया गया। इस प्रतिष्ठान का लाइसेंस भी निलंबित कर दिया गया और पदघा पुलिस थाने में मामला दर्ज कराया गया। एफडीए की कार्रवाई के बाद संबंधित प्रतिष्ठानों में खाद्य सामग्री के भंडारण और वितरण व्यवस्था की जांच तेज कर दी गई है। विभाग ने भिवंडी के वडपे स्थित रिलायंस कंज्यूमर प्रोडक्ट्स और रिलायंस रिटेल के प्रतिष्ठानों के लाइसेंस भी निलंबित किए हैं। इसके अलावा अंबरनाथ के उसाटणे स्थित जोमैटो हाइपरप्योर का लाइसेंस 15 अक्टूबर 2026 को ही निलंबित किया जा चुका था। पुणे जिले के चाकण स्थित रिलायंस रिटेल लिमिटेड और निघोजे स्थित ब्लिंकिट कॉमर्स प्राइवेट लिमिटेड के खिलाफ भी लाइसेंस निलंबन के आदेश जारी किए गए हैं। एफडीए की इस कार्रवाई से खाद्य सामग्री के भंडारण, वितरण और निस्तारण से जुड़े कारोबार में हड़कंप मचा हुआ है। विभाग का कहना है कि एक्सपायरी या खराब खाद्य उत्पादों को किसी भी स्थिति में दोबारा उपभोक्ताओं तक नहीं पहुंचने दिया जाएगा। ऐसे उत्पादों को निर्धारित नियमों के अनुसार अलग रखकर उनका सुरक्षित निस्तारण करना जरूरी है। अधिकारियों के अनुसार, खाद्य सुरक्षा मानकों का उल्लंघन करने वाले प्रतिष्ठानों के खिलाफ आगे भी जांच और सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। विभाग का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि बाजार में बिकने वाले खाद्य उत्पाद सुरक्षित और निर्धारित गुणवत्ता मानकों के अनुरूप हों। इस कार्रवाई ने ऑनलाइन सामान पहुंचाने वाली कंपनियों, खुदरा दुकानों और खाद्य भंडारण केंद्रों की जिम्मेदारी को लेकर भी सवाल खड़े किए हैं।

रूस के दूतावास में नौकरी का झांसा देकर 50 से अधिक भारतीयों से ठगी, बिहार का युवक गिरफ्तार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। विदेश में नौकरी पाने और बेहतर भविष्य बनाने की उम्मीद रखने वाले भारतीय युवाओं को निशाना बनाकर धोखाधड़ी करने का मामला सामने आया है। दिल्ली पुलिस ने रूस के विभिन्न देशों में स्थित दूतावासों में नौकरी दिलाने का झांसा देकर 50 से अधिक भारतीय नागरिकों के साथ कथित तौर पर ठगी करने के आरोप में 25 वर्षीय युवक अमन कुमार को गिरफ्तार किया है। बिहार निवासी अमन पर फर्जी वेबसाइट तैयार करवाकर नौकरी के विज्ञापन जारी करने और आवेदन करने वाले उम्मीदवारों से ऑनलाइन परीक्षा तथा पंजीकरण शुल्क के नाम पर पैसे वसूलने का आरोप है। पुलिस के अनुसार, आरोपी पिछले चार से पांच महीनों से इस फर्जीवाड़े को संचालित कर रहा था। पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपी ने नौकरी की तलाश कर रहे लोगों को आकर्षित करने के लिए बाकायदा एक वेबसाइट तैयार करवाई थी। इसके लिए उसने एक वेब डिजाइनर की मदद ली और www.embassytest.com नाम से वेबसाइट बनवाई। इसके बाद लोकप्रिय नौकरी पोर्टलों पर भर्ती से संबंधित विज्ञापन प्रकाशित



किए गए। विज्ञापनों में दुनिया भर के रूसी दूतावासों में कुल 147 पदों पर भर्ती किए जाने का दावा किया गया था। इस तरह विदेश में नौकरी की तलाश कर रहे उम्मीदवारों के सामने रोजगार का अवसर होने का भ्रम पैदा किया गया। आरोप है कि वेबसाइट पर आवेदन करने वाले उम्मीदवारों को ऑनलाइन परीक्षा और पंजीकरण प्रक्रिया पूरी करने के लिए कहा जाता था। इसके बदले प्रत्येक उम्मीदवार से 850 रुपये शुल्क के रूप में जमा करवाए गए। नौकरी की उम्मीद में बड़ी संख्या में लोगों ने इस प्रक्रिया पर भरोसा किया और निर्धारित राशि का भुगतान कर दिया। पुलिस का मानना है कि आरोपी ने फर्जी वेबसाइट और नौकरी के विज्ञापनों के माध्यम से 50 से अधिक भारतीयों को निशाना बनाया। इस पूरे मामले का खुलासा तब हुआ, जब भारत स्थित रूसी दूतावास को 17 भारतीय नागरिकों की ओर से नौकरी के नाम पर धोखाधड़ी किए जाने की शिकायतें प्राप्त हुईं। शिकायतों के सामने आने के बाद दूतावास ने मामले की जानकारी दिल्ली पुलिस को दी। इसके बाद पुलिस ने साइबर थाने में मामला दर्ज कर जांच शुरू की। जांच एजेंसियों ने वेबसाइट से जुड़ी तकनीकी जानकारियों, ऑनलाइन गतिविधियों और रुपये के लेन-देन से संबंधित रिकॉर्ड की पड़ताल की। इसी जांच के आधार पर पुलिस को आरोपी तक पहुंचने में सफलता मिली। दिल्ली पुलिस ने तकनीकी साक्ष्यों और लेन-देन की जानकारी के आधार पर सोमवार को उत्तर प्रदेश के मेरठ से अमन कुमार को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने इस मामले में वेबसाइट तैयार करने वाले व्यक्ति की भूमिका की भी जांच की। इसके बाद उसे मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल से पकड़ लिया गया। फिलहाल उससे पूछताछ की जा रही है, ताकि यह स्पष्ट हो सके कि वेबसाइट तैयार करते समय उसे कथित धोखाधड़ी की जानकारी थी या नहीं और इस पूरे मामले में उसकी क्या भूमिका रही। पुलिस जांच में अमन के विदेश आने-जाने से जुड़ी जानकारी भी सामने आई है। उसके आव्रजन रिकॉर्ड के अनुसार, वह पिछले साल दिसंबर में यूनाइटेड किंगडम गया था और 11 अक्टूबर को भारत लौटा था।

'मेरे जाने के बाद दूसरी शादी कर लेना...' बेटे को लेकर 18वीं मंजिल से कूद गई इंजीनियर की पत्नी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

पुणे। महाराष्ट्र के पिंपरी-चिंचवड़ में एक 33 वर्षीय महिला और उसके छह वर्षीय बेटे की मौत का मामला सामने आया है। दोनों की मौत शुक्रवार शाम एक रिहायशी इमारत की 18वीं मंजिल से गिरने के बाद हुई। घटना के बाद इलाके में शोक का माहौल है। सूचना मिलते ही वाकड़ पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। पुलिस को घटनास्थल से 7 से 8 पन्नों का एक कथित सुसाइड नोट भी मिला है, जिसे जांच के लिए अपने कब्जे में लिया गया है। मृत महिला की पहचान एकता बांगड़ के रूप में हुई है। वह अपने पति और छह वर्षीय बेटे के साथ पिंपरी-चिंचवड़ के सिग्नेचर पार्क स्थित एक आवासीय सोसायटी में रहती थीं। उनके पति मनोज बांगड़ पुणे की एक सूचना प्रौद्योगिकी कंपनी में इंजीनियर हैं। शुरुआती जानकारी के अनुसार, घटना शुक्रवार शाम करीब 6:30 बजे की है। उस समय घर में महिला और उनका बेटा मौजूद



थे। कुछ समय बाद दोनों के साथ हुई घटना की जानकारी सामने आई, जिसके बाद सोसायटी में अफरा-तफरी मच गई। पुलिस को मौके से मिले कथित सुसाइड नोट में महिला ने अपने पति के लिए कुछ बातें लिखी हैं। नोट में उन्होंने पति से भविष्य में दोबारा विवाह कर जीवन को आगे बढ़ाने की बात कही है। पुलिस इस नोट में लिखी गई बातों और घटना से जुड़े अन्य पहलुओं की जांच कर रही है। हालांकि, नोट में दर्ज बातों को ही घटना का अंतिम कारण नहीं माना जा सकता। पुलिस सभी परिस्थितियों की पड़ताल कर रही है। प्रारंभिक जांच में यह जानकारी सामने आई है कि एकता पिछले कई वर्षों से रीढ़ की हड्डी से जुड़ी बीमारी से परेशान थीं। उन्होंने अलग-अलग अस्पतालों में उपचार भी कराया था। पुलिस इस स्वास्थ्य संबंधी परेशानी और घटना से जुड़े अन्य पारिवारिक तथा व्यक्तिगत पहलुओं की जानकारी जुटा रही है। घटना की सूचना मिलने पर वाकड़ पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करते हुए आकस्मिक मृत्यु का मामला दर्ज किया है। कथित सुसाइड नोट को कब्जे में लेकर उसकी जांच की जा रही है। साथ ही परिवार के सदस्यों और अन्य संबंधित लोगों से जानकारी जुटाई जा रही है, ताकि घटना के पीछे की परिस्थितियां स्पष्ट हो सकें। इस घटना ने परिवार और आसपास के लोगों को गहरे सदमे में डाल दिया है। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच जारी है और सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

महाराष्ट्र के चंद्रपुर में एक दिन में बाघ के 3 हमले, दो किसानों की मौत, चरवाहा घायल... खेतों में जाने से डर रहे ग्रामीण

सिंदेवाही क्षेत्र में आठ दिनों के भीतर तीन लोगों की जान जाने की बात सामने आई

महानगर मेट्रो ब्यूरो

चंद्रपुर। महाराष्ट्र के चंद्रपुर जिले में बाघों के लगातार हमलों ने ग्रामीण इलाकों में चिंता बढ़ा दी है। जंगल से सटे गांवों में रहने वाले किसानों और पशुपालकों के लिए खेतों में काम करना और मवेशियों को चराने ले जाना अब जोखिम भरा होता जा रहा है। शुक्रवार को जिले की तीन अलग-अलग तहसीलों में बाघ के हमले की घटनाएं सामने आईं। इनमें दो किसानों की मौत हो गई, जबकि एक चरवाहा गंभीर रूप से घायल हो गया। लगातार हो रही घटनाओं के चलते ग्रामीणों में भय का माहौल है और लोग जंगल के आसपास जाने से बच रहे हैं। तीनों घटनाएं चिमूर, सिंदेवाही और पोंभूर्णा तहसील में हुईं। इनमें सिंदेवाही क्षेत्र की स्थिति विशेष रूप से चिंताजनक बताई जा रही है। यहां पिछले आठ दिनों के भीतर बाघ के हमलों में तीन लोगों की मौत होने की बात सामने आई है। लगातार हो रही घटनाओं ने ग्रामीणों की चिंता बढ़ा दी है। खेती और पशुपालन पर निर्भर लोगों के सामने अब रोजी-रोटी के साथ अपनी सुरक्षा का सवाल भी खड़ा हो गया है। पहली घटना चिमूर तहसील के गरडापार गांव की है। यहां 50 वर्षीय



किसान सदाशिव खडसंग शुक्रवार को अपने खेत में कपास चुनने का काम कर रहे थे। उनके साथ उनकी पत्नी और एक अन्य महिला मजदूर भी मौजूद थीं। दोपहर करीब एक बजे अचानक बाघ ने सदाशिव पर हमला कर दिया। इस घटना में उनकी मौके पर ही मौत हो गई। खेत में मौजूद अन्य लोगों के लिए यह घटना बेहद भयावह रही। अचानक हुए हमले से वहां अफरा-तफरी मच गई और परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। दूसरी घटना सिंदेवाही तहसील के धुमनखेड़ा इलाके में हुई। यहां 60 वर्षीय किसान पत्रू रामा मेश्राम शुक्रवार को अपने खेत पर गए थे, लेकिन देर शाम तक घर नहीं लौटे। परिवार के लोगों ने उनकी तलाश शुरू की और ग्रामीण भी खोजबीन में जुट गए। तलाश के दौरान खेत में उनकी चप्पल और चश्मा मिला, जिसके बाद परिजनों की चिंता और बढ़ गई। बाद में घटनास्थल से करीब आधा किलोमीटर दूर उनका शव बरामद हुआ। इसी इलाके में दोपहर के समय एक पट्टेदार बाघ दिखाई देने की जानकारी भी सामने आई थी। आशंका जताई जा रही है कि किसान पर हमला इसी बाघ ने किया। हालांकि, घटना को लेकर वन विभाग की जांच और पुष्टि के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो सकेगी। बताया जा रहा है कि सिंदेवाही क्षेत्र में आठ दिनों के भीतर बाघ के हमलों में तीन लोगों की मौत हो चुकी है। लगातार हो रही इन घटनाओं से ग्रामीणों में डर के साथ नाराजगी भी बढ़ रही है। तीसरी घटना पोंभूर्णा तहसील के सातारा तुकूम इलाके की है। यहां 60 वर्षीय चरवाहे राजेश्वर बिजा सिडाम अपने मवेशियों को चराने गए थे। इसी दौरान झाड़ियों में मौजूद बाघ ने उन पर हमला कर दिया। हमले में राजेश्वर गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका इलाज जारी है। एक ही दिन में सामने आई तीन घटनाओं ने चंद्रपुर जिले के जंगल से सटे गांवों में सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। ग्रामीणों की रोजमर्रा की जिंदगी खेती और पशुपालन पर निर्भर है। किसानों को फसल की देखभाल और कटाई के लिए खेतों में जाना पड़ता है, वहीं पशुपालकों को मवेशियों के लिए चरागाहों तक पहुंचना जरूरी होता है।

नालासोपारा में 15 वर्षीय किशोरी से सामूहिक दुष्कर्म का आरोप, दो सगे भाई गिरफ्तार

महानगर मेट्रो ब्यूरो



पालघर। महाराष्ट्र के पालघर जिले के नालासोपारा पूर्व इलाके में 15 वर्षीय किशोरी के साथ सामूहिक दुष्कर्म का गंभीर मामला सामने आया है। घटना के संबंध में पुलिस ने दो सगे भाइयों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों की पहचान 24 वर्षीय नतीफ शेख और 30 वर्षीय अरबाज शेख के रूप में हुई है। परिजनों की शिकायत के आधार पर पेल्हार पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता और पॉक्सो अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस में दर्ज प्राथमिकी के अनुसार, घटना 27 अक्टूबर की सुबह करीब 7:30 बजे से दोपहर 12:30 बजे के बीच की बताई गई है। आरोप है कि किशोरी को नालासोपारा पूर्व के धानिवबाग इलाके में गावदेवी मंदिर के पास स्थित एक कपड़े की दुकान में बुलाया गया था। वहां दोनों आरोपियों ने उसके साथ जबरदस्ती की। शिकायत में यह भी कहा गया है कि आरोपियों ने किशोरी को घटना के बारे में किसी को बताने पर उसकी तस्वीरें और वीडियो सार्वजनिक करने की धमकी दी थी। परिजनों के मुताबिक, आरोपियों में से एक ने पहले किशोरी से बातचीत बढ़ाई और उसे अपने प्रभाव में लेने की कोशिश की। शिकायत में दावा किया गया है कि इस दौरान उसे फिल्मी कलाकारों के वैवाहिक जीवन के उदाहरण देकर समझाने का प्रयास किया गया। शाहरुख खान और गौरी खान तथा सोनाक्षी सिन्हा और जहीर इकबाल के रिश्तों का जिक्र किए जाने की बात भी सामने आई है। हालांकि, इन दावों की पुष्टि पुलिस जांच के बाद ही हो सकेगी। शिकायत में एक अन्य महिला की भूमिका का भी उल्लेख किया गया है। आरोप है कि किशोरी को प्रभावित करने के लिए उस महिला को उसके संपर्क में लाया गया था। इसके अलावा, किशोरी को नए दस्तावेज बनवाने और विदेश भेजने जैसी बातें कहे जाने का भी दावा किया गया है। पुलिस इन सभी आरोपों और घटनाक्रम की अलग-अलग पहलुओं से जांच कर रही है। मामले में दर्ज प्राथमिकी के अनुसार, आरोपियों ने किशोरी को धमकाया था कि यदि उसने किसी को घटना की जानकारी दी तो उसकी तस्वीरें और वीडियो उसकी मां तक पहुंचा दिए जाएंगे और उन्हें सार्वजनिक भी कर दिया जाएगा। इस धमकी के कारण किशोरी पर दबाव बनाए जाने का आरोप है। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने शिकायत के आधार पर कार्रवाई की। पेल्हार पुलिस थाने में 30 अक्टूबर की देर शाम दोनों आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 64(1), 65(1), 70(2) और 351(2) के साथ पॉक्सो अधिनियम 2012 की धारा 4 और 8 के तहत मामला दर्ज किया गया। इसके बाद पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस अब घटना से जुड़े साक्ष्यों और शिकायत में सामने आए अन्य तथ्यों की जांच कर रही है।

महाराष्ट्र में प्रतिबंधित तंबाकू मामले में एफडीए के 4 अधिकारी निलंबित, 21 के खिलाफ जांच के आदेश

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। महाराष्ट्र में प्रतिबंधित तंबाकू उत्पादों के खिलाफ की गई कार्रवाई में कथित अनियमितताओं को लेकर राज्य सरकार ने खाद्य एवं औषधि प्रशासन के अधिकारियों पर कार्रवाई की है। सरकार ने दो सहायक आयुक्तों समेत विभाग के 4 अधिकारियों को निलंबित कर दिया है, जबकि 21 अन्य अधिकारियों के खिलाफ विभागीय जांच के आदेश दिए हैं। इस तरह कुल 25 अधिकारियों की भूमिका जांच के दायरे में आ गई है। राज्य के खाद्य एवं औषधि प्रशासन मंत्री नरहरि जिरवाल ने इसकी जानकारी देते हुए कहा कि खाद्य सुरक्षा और जनस्वास्थ्य से जुड़े मामलों में नियमों की अनदेखी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। मंत्री के अनुसार, ठाणे में मेसर्स हाई स्ट्रीट इम्पेक्स एलएलपी और पुणे जिले के मावल तालुका में मेसर्स सॉक्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के खिलाफ की गई कार्रवाई के दौरान गंभीर प्रक्रियागत खामियां सामने आई थीं। मामले की जांच खाद्य एवं औषधि प्रशासन के आयुक्त तुकाराम मुंढे के माध्यम से कराई गई। जांच में संबंधित अधिकारियों की भूमिका पर सवाल उठने के बाद चार अधिकारियों को निलंबित करने का निर्णय लिया गया। निलंबित अधिकारियों में संयुक्त खाद्य आयुक्त दिगंबर भोगावडे, सहायक खाद्य आयुक्त यदुराज दहातोंडे, खाद्य सुरक्षा अधिकारी अशोक इलागेर और सी. आर. स्वामी शामिल हैं। 30 अक्टूबर 2026 को जारी आदेश के अनुसार, इन अधिकारियों के खिलाफ महाराष्ट्र सिविल सेवा (अनुशासन एवं अपील) नियम, 1979 के नियम 8 के तहत विभागीय कार्रवाई शुरू की गई है। सरकार ने एक अन्य अधिकारी पी. पी. सूर्यवंशी को भी कारण बताओ नोटिस जारी किया है। बताया गया है कि संबंधित तंबाकू उत्पादों पर स्पष्ट रूप से लिखा था कि उनका उपयोग खाने के लिए नहीं, बल्कि केवल हुक्का पीने के लिए किया जाना है। ऐसे में खाद्य सुरक्षा कानून के तहत की गई कार्रवाई की वैधता और संबंधित अधिकारियों की भूमिका को लेकर सवाल उठे हैं। आरोप है कि कार्रवाई के लिए अधिकारियों पर दबाव भी बनाया गया था, हालांकि एक अधिकारी ने इससे इनकार कर दिया था। इस पूरे मामले में मावल तालुका के टाकवे स्थित सॉक्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड कंपनी पर की गई कार्रवाई भी चर्चा में है। जानकारी के अनुसार, 2 जनवरी 2026 को खाद्य एवं औषधि प्रशासन के विशेष जांच दल ने कंपनी के परिसर पर छापा मारा था। इस दौरान प्रतिबंधित तंबाकू उत्पादों का बड़ा भंडार जब्त किया गया। जब्त सामग्री का कुल वजन 5 लाख 48 हजार 488 किलोग्राम बताया गया, जिसकी अनुमानित कीमत 31 करोड़ 67 लाख 21 हजार 987 रुपये थी। कार्रवाई के दौरान कंपनी के परिसर को भी सील कर दिया गया था। सरकार अब दोनों मामलों में अधिकारियों की जिम्मेदारी, कार्रवाई के कानूनी आधार, संबंधित विभागों के अधिकार क्षेत्र और निर्धारित प्रक्रियाओं के पालन की जांच करा रही है। इसके तहत 21 अन्य अधिकारियों की भूमिका की भी समीक्षा की जाएगी। जांच में यह पता लगाया जाएगा।



सरकार ने कपास आयात पर सीमा शुल्क छूट 31 दिसंबर तक बढ़ाई

नई दिल्ली ।

सरकार ने घरेलू कपड़ा क्षेत्र को बढ़ावा देने और उत्पादन लागत कम करने के लिए कपास आयात पर सीमा शुल्क छूट की अवधि दो महीने बढ़ाकर 31 दिसंबर, 2026 तक कर दी है। यह छूट पहले 31 अक्टूबर तक प्रभावी थी। वित्त मंत्रालय ने एक बयान में बताया कि इस फैसले से कपड़ा और परिधान क्षेत्र की उत्पादन लागत में कमी आने की उम्मीद है, जिसका सीधा लाभ कपड़ा बनाने वाली कंपनियों और अंततः उपभोक्ताओं को मिलेगा। यह कदम बाजार में कपास की बेहतर उपलब्धता सुनिश्चित करेगा, जिससे घरेलू कपड़ा उद्योग, विशेषकर सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एसएमई) के प्रदर्शन पर सकारात्मक प्रभाव पड़ने की संभावना है। मंत्रालय ने यह भी स्पष्ट किया कि इस विस्तार से घरेलू किसानों के हितों का भी ध्यान रखा गया है।

बाइनैंस पर अब तक का सबसे बड़ा साइबर हमला, 6.3 अरब की क्रिप्टो चोरी

उत्तर कोरिया पर संदेह, एक्सचेंज ने ग्राहकों के नुकसान की भरपाई का आश्वासन दिया

नई दिल्ली ।

दुनिया के सबसे बड़े क्रिप्टोकरेंसी एक्सचेंज बाइनैंस को एक बड़े साइबर हमले का सामना करना पड़ा है, जिसमें हैकरों ने अनुमानित 6.3 अरब डॉलर (लगभग 52,000 करोड़ रुपये) की क्रिप्टोकरेंसी चुरा ली।

इस घटना ने वैश्विक क्रिप्टो बाजार को हिला दिया है और विश्लेषकों ने इस चोरी के पीछे उत्तर कोरिया का हाथ होने का आरोप लगाया है, जिसे अब तक की सबसे बड़ी वित्तीय डकैतियों में से एक बताया जा रहा है। बाइनैंस पर हुआ यह जटिल हमला गुरुवार देर रात को लगभग 20 मिनट के भीतर अंजाम दिया गया, जिसने कंपनी के वॉलेट को हैकरों के नियंत्रण वाले वॉलेट में क्रिप्टोकरेंसी स्थानांतरित करने का निर्देश दिया। हमले की खबर सामने आते ही क्रिप्टोकरेंसी की कीमतों में तेजी से गिरावट आई और बाइनैंस ने ग्राहकों की सुरक्षा के लिए निकासी सेवाओं को अस्थायी रूप से रोक दिया। स्टेबलकॉइन जारी करने वाली कुछ कंपनियों ने चोरी की गई संपत्तियों में से लगभग आधी, यानी करीब 3 अरब डॉलर, को फ्रीज कर दिया है। अमेरिकी ब्लॉकचेन विश्लेषण कंपनियों और संघीय जांच ब्यूरो (एफबीआई) के अनुसार, इस हमले के तौर-तरीके उत्तर कोरिया की विशिष्ट हैकिंग इकाई द्वारा पहले किए गए बड़े साइबर हमलों से मिलते-जुलते हैं। 2025 में हुए बायबिट एक्सचेंज हमले के लिए भी एफबीआई ने उत्तर कोरिया को जिम्मेदार ठहराया था, हालांकि उत्तर कोरिया ऐसे आरोपों से लगातार इनकार करता रहा है।

बाइनैंस ने तुरंत घोषणा की है कि वह ग्राहकों के नुकसान की भरपाई अपने कोष से करेगी, जिसके लिए उसने लगभग 6.34 अरब डॉलर अलग रखे हैं। कंपनी के पास सुरक्षा में सेंधमारी की स्थिति में ग्राहकों की संपत्तियों की सुरक्षा के लिए 1 अरब डॉलर का बिटकॉइन रिजर्व फंड भी है। बाइनैंस एफबीआई और अमेरिकी सीक्रेट सर्विस जैसी कानून प्रवर्तन एजेंसियों के साथ मिलकर इस मामले की गहन जांच कर रहा है। कंपनी ने सोशल मीडिया पर बताया कि निकासी सेवाएं अगले 48 घंटों में फिर से शुरू होने की उम्मीद है। इस सेंधमारी के बाद बिटकॉइन छह सप्ताह के निचले स्तर 76,368 डॉलर पर आ गया, जबकि ईथर भी 3 फीसदी से अधिक गिरकर 2,178 डॉलर रह गया।

एयू एसएफबी पर डेटा लीक का खतरा

हैकर्स का संवेदनशील जानकारी चुराने का दावा

नई दिल्ली ।

एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक एक संभावित डेटा लीक के बड़े खतरे में है। स्कारलेट ग्रुप नामक हैकिंग समूह ने बैंक के ग्राहकों और आंतरिक रिकॉर्ड से आधार, पैन, केवाईसी, सिबिल स्कोर जैसी संवेदनशील जानकारी चुराने का दावा किया है। हैकर्स ने बैंक को बातचीत के लिए छह दिन की समय सीमा दी है और डेटा सार्वजनिक करने की धमकी दी है। बैंक ने हालांकि अपने मुख्य सिस्टम को सुरक्षित बताया है, पर सेल्सफोर्स ऐप से जुड़े सीमित डेटा ब्रीच की संभावना स्वीकार की है। हैकर्स का दावा है कि लीक हुए डेटा में ग्राहकों के आधार, पैन, केवाईसी, सिबिल स्कोर, बैंक स्टेटमेंट और ऋण संबंधी विवरण, साथ ही आंतरिक कंपनी रिकॉर्ड भी शामिल हैं। इन दावों की अभी पुष्टि नहीं हुई है। बैंक ने पुष्टि की है कि केवल उसके वाहन वित्त ग्राहकों से जुड़ी सीमित जानकारी प्रभावित हुई है। बैंक का कहना है कि मुख्य बैंकिंग सिस्टम अप्रभावित है और सभी सेवाएं सामान्य हैं; मामले की गहन जांच जारी है। ग्राहकों को अनजान कॉल/मैसेज से सावधान रहने, ओटीपी/पिन/पासवर्ड साझा न करने, और नियमित रूप से लेनदेन की जांच करने को कहा गया है। संदिग्ध गतिविधि की तत्काल सूचना बैंक को देने की सलाह दी गई है।

उतार-चढ़ाव भरे सप्ताह में भारतीय शेयर बाजार ने मारी बाजी

फेडरल रिजर्व के ब्याज दरों को स्थिर रखने के फैसले ने बाजार को नई दिशा दी

मुंबई ।



भारतीय शेयर बाजार के लिए पिछला सप्ताह बेहद उतार-चढ़ाव भरा रहा। वैश्विक कारकों और कच्चे तेल की ऊंची कीमतों के दबाव में सप्ताह की शुरुआत गिरावट के साथ हुई, लेकिन अमेरिकी फेडरल रिजर्व के ब्याज दरों को स्थिर रखने के फैसले ने बाजार को नई दिशा दी। शुरुआती झटकों और बीच में दबाव के बावजूद, निवेशकों के भरोसे ने बाजार को मजबूत वापसी करने में मदद की, और प्रमुख सूचकांकों ने लगभग 2 फीसदी की साप्ताहिक बढ़त के साथ सप्ताह का अंत किया। सप्ताह की शुरुआत सोमवार को जोरदार गिरावट के साथ हुई, जहां सेंसेक्स 500 अंक से अधिक और निफ्टी 185 अंक से अधिक लुढ़क गया। कच्चे तेल की ऊंची कीमतों और रुपये में कमजोरी ने निवेशकों की धारणा को प्रभावित किया। हालांकि, शुरुआती बिकवाली के बाद बाजार ने गजब की वापसी करते हुए निचले स्तरों से लगभग 2 फीसदी की रिकवरी दर्ज की, और सेंसेक्स 482 अंक तथा निफ्टी 153 अंक की बढ़त के साथ बंद हुए। मंगलवार को बाजार एक बार फिर वैश्विक दबाव में दिखा। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें, अमेरिकी बॉन्ड यील्ड में बढ़ोतरी और फेड के फैसले से पहले निवेशकों की सतर्कता के कारण गैप-डाउन ओपनिंग हुई। हालांकि, दिन के अंत तक बाजार ने अपनी अधिकांश गिरावट को कम कर दिया और लगभग सपाट बंद हुआ। बुधवार को भी गिरावट का सिलसिला जारी रहा। रिलायंस इंडस्ट्रीज और आईटी शेयरों में नुकसान के साथ-साथ कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें और फेडरल रिजर्व के नीतिगत फैसले का इंतजार बाजार पर हावी रहा। सेंसेक्स 352 अंक और निफ्टी 50 अंक से अधिक टूटकर बंद हुए।

सोना और चांदी की कीमतों में बड़ी गिरावट

- सोना 1.42 लाख, चांदी 1.85 लाख के पर

नई दिल्ली ।



भारतीय सर्राफा बाजार में श निवार को सोने और चांदी की कीमतों में बड़ी गिरावट दर्ज की गई है, जिससे ग्राहकों को खरीदारी का एक सुनहरा अवसर मिला है। अंतर्राष्ट्रीय बाजार में जारी तेज बिकवाली का सीधा असर घरेलू सर्राफा बाजार पर दिखा। चांदी लगभग 11 महीने के अपने सबसे निचले स्तर 1,85,504 रुपये प्रति किलोग्राम पर आ गई, जबकि 24 कैरेट सोने का भाव 1,42,540 रुपये प्रति 10 ग्राम रहा। यह गिरावट केवल आज की नहीं है, बल्कि शुक्रवार को भी राष्ट्रीय राजधानी में चांदी 8,300 रुपये गिरकर 1,90,200 रुपये प्रति किलो पर बंद हुई थी, जबकि सोना 1,300 रुपये की कमी के साथ 1,45,200 रुपये प्रति 10 ग्राम पर था। जानकारों के अनुसार, कच्चे तेल की ऊंची कीमतें, वैश्विक महंगाई की चिंताएं और अमेरिका में ब्याज दरों पर सख्त रुख की आशंका इस गिरावट के प्रमुख कारण हैं। डॉलर की मजबूती और निवेशकों की रणनीति भी कीमती धातुओं पर दबाव डाल रही है। हालांकि, खरीदारों को सलाह दी जाती है कि आभूषणों की कुल लागत में मेकिंग चार्ज और जीएसटी भी जुड़ते हैं।

पीआई इंडस्ट्रीज ने भारत में विकसित पहला कीटनाशक अणु पेश किया

छह नवंबर से होगा व्यावसायिक इस्तेमाल

नई दिल्ली ।



पीआई इंडस्ट्रीज ने भारत में विकसित किए गए पहले कीटनाशक अणु पायोक्सानिलिप्रोल को लॉन्च किया है। एंथ्रानिलिक डायमाइड वर्ग का यह अभिनव उत्पाद 6 नवंबर को रबी सत्र के दौरान बाजार में उतारा जाएगा, जिसका प्रारंभिक लक्ष्य धान और मक्का की फसलें होंगी। कंपनी के एक अ धिकारी ने बताया कि पायोक्सानिलिप्रोल एक दशक से अधिक के गहन शोध का परिणाम है। इसे विशेष रूप से भारतीय कृषि परिस्थितियों और किसानों की ज़रूरतों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। धनतेरस के अवसर पर इसकी शुरुआत में, कंपनी पहले चरण में धान और मक्का पर केंद्रित रहेगी, जिसे बाद में अन्य फसलों के लिए भी उपलब्ध कराया जाएगा। शुरुआत में इसे रबी सत्र के दौरान उन चुनिंदा फसलों और क्षेत्रों में सीमित मात्रा में उतारा जाएगा जहां इसकी सबसे अधिक आवश्यकता है, न कि एक साथ देशभर में। पीआई इंडस्ट्रीज का लक्ष्य केवल बिक्री बढ़ाना नहीं, बल्कि किसानों के साथ मिलकर काम करना है। इसके तहत लगभग एक लाख किसानों को नमूने उपलब्ध कराकर, खेतों में इसका प्रदर्शन किया जाएगा और उनसे प्रतिक्रिया ली जाएगी।

चीन के शेयर बाजार में भारी गिरावट

निवेशकों को 329 लाख करोड़ का नुकसान

भारत और अमेरिका के शेयर बाजार भी चीन की राह पर?

नई दिल्ली ।

दुनिया के शेयर बाजारों में इन दिनों जिस तरह की अनिश्चितता दिखाई दे रही है। उसने अंतरराष्ट्रीय निवेशकों और आर्थिक विशेषज्ञों की चिंता बढ़ा दी है। चीन, अमेरिका और भारत जैसे बड़े बाजारों में उतार-चढ़ाव केवल घरेलू अर्थव्यवस्था का मामला नहीं रह गया है। इसका असर वैश्विक पूंजी, विदेशी निवेश और अंतरराष्ट्रीय व्यापार पर भी पड़ रहा है।

चीन के शेयर बाजार में 52 सप्ताह तक लगातार गिरावट और 329 लाख करोड़ रुपये के नुकसान निवेशकों को होने की बात सामने आ रही है।

चीन के शेयर बाजार की गिरावट ने सभी शेयर बाजारों में हलचल पैदा कर दी है। 25 अक्टूबर की ब्लूमबर्ग रिपोर्ट के अनुसार, मई के बाद से चीनी शेयर बाजार का मूल्य लगभग 3। 5 लाख करोड़ डॉलर घट चुका है। भारतीय मुद्रा में यह करीब 329 लाख करोड़ रुपये होता है। 30 अक्टूबर की रॉयटर्स रिपोर्ट के मुताबिक, चीन का सीएसआई 300 सूचकांक लगातार 12वें सप्ताह गिरावट की ओर था। पिछले 12 सप्ताह में लगभग 14 प्रतिशत बाजार टूट चुका था। यह चीन के शेयर बाजार की कमजोरी का महत्वपूर्ण संकेत है।

चीन की गिरावट के आर्थिक कारण

चीन की अर्थव्यवस्था में घरेलू खपत की कमजोरी, रियल एस्टेट क्षेत्र का संकट, कंपनियों के मुनाफे में गिरावट और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (ढ्ढ) से जुड़ी कंपनियों के शेयरों का अत्यधिक मूल्यांकन प्रमुख कारण माना जा रहा है। निवेशकों को आशंका है, कंपनियों का उत्पादन और निर्यात बढ़ने के बावजूद घरेलू मांग तथा वास्तविक मुनाफे में अपेक्षित वृद्धि नहीं हो रही है। तकनीकी कंपनियों में भारी निवेश के बावजूद भविष्य में उससे कितना लाभ होगा, इस पर भी सवाल उठ रहे हैं।

भारत में विदेशी निवेशकों की बिकवाली चिंता का विषय

भारत के शेयर बाजार मे सबसे बड़ी चुनौती विदेशी संस्थागत निवेशकों (स्रक्कृ) की लगातार बिकवाली है। विदेशी मुद्रा भंडार भी चिंता का विषय बना हुआ है। अक्टूबर के पहले 25 दिनों में विदेशी निवेशकों ने भारतीय शेयर बाजार से लगभग 48,056 करोड़ रुपये निकाल लिए थे। वर्ष 2026 में कुल निकासी 3.08 लाख करोड़ के स्तर पर पहुंच गई है । सितंबर में भी विदेशी निवेशकों ने 35,861 करोड़ रुपये की शुद्ध बिकवाली की है। इसके पीछे अमेरिका के सरकारी बॉन्ड पर 5 प्रतिशत से अधिक ब्याज मिलने, डॉलर की मजबूती, कच्चे तेल की ऊंची कीमतों और एशियाई तकनीकी कंपनियों में निवेश के बढ़ते आकर्षण मुख्य कारण हैं। विदेशी निवेशकों के लिए भारत की तुलना में दूसरे बाजारों में निवेश अधिक आकर्षक और सुरक्षित दिखाई दे रहा है।

जिओ की लिस्टिंग से मिली बाजार को राहत

भारतीय शेयर बाजार में अक्टूबर के अंतिम दिनों में कुछ सुधार जरूर आया है। 30 अक्टूबर को सेंसेक्स 0.42 प्रतिशत और निफ्टी 0.51 प्रतिशत बढ़कर बंद हुए। पूरे अक्टूबर में सेंसेक्स में 2.7 प्रतिशत और निफ्टी में 1.9 प्रतिशत की बढ़त दर्ज हुई।

महाराष्ट्र में लंबे अभियान के दौरान 18.94 करोड़ का खाद्य तेल जब्त

80 कारोबारियों के लाइसेंस निलंबित, एफडीए आयुक्त ने मिलावटखोरों को चेताया

मुंबई ।

महाराष्ट्र खाद्य एवं औषधि प्रशासन (एफडीए) ने खाद्य तेल में मिलावट और घटिया गुणवत्ता के खिलाफ चलाए गए सात महीने के अभियान में बड़ी कार्रवाई की है। विभाग ने इस दौरान करीब 18.94 करोड़ रुपये मूल्य का 28,753 क्विंटल खाद्य तेल जब्त किया और 80 खाद्य कारोबारियों के लाइसेंस निलंबित कर दिए। एफडीए ने एक अप्रैल से 29 अक्टूबर के बीच राज्य भर में 1,089 निरीक्षण किए। इन छापों में खाद्य तेल निर्माताओं, री-पैकिंग करने वालों, थोक एवं खुदरा विक्रेताओं को निशाना बनाया गया।

प्रयोगशाला जांच के लिए 1,660 नमूने एकत्र किए गए, जिनमें से 485 की रिपोर्ट आ चुकी है। एफडीए आयुक्त तुकाराम मुंढे ने चेतावनी दी है कि मिलावटी या असुरक्षित तेल के निर्माण, भंडारण या बिक्री पर सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। विभाग ने राज्य के सात मंडलों में 80 लाइसेंस निलंबित किए हैं, जिनमें छत्रपति संभाजीनगर में सर्वाधिक 27 और पुणे में 22 लाइसेंस शामिल हैं।

जब्त तेल की बात करें तो पुणे में सबसे अधिक 19,551 क्विंटल और छत्रपति संभाजीनगर में 5,736 क्विंटल तेल बरामद हुआ। हालांकि, मूल्य के हिसाब से छत्रपति संभाजीनगर में 8.34 करोड़ रुपये का तेल जब्त किया गया, जो सबसे अधिक है। लाइसेंस निलंबन के प्रमुख कारणों में दोबारा इस्तेमाल किए गए टिन, बिना लेबल वाले कंटेनरों में तेल बेचना, स्वच्छता मानकों का उल्लंघन और लेबलिंग नियमों की अनदेखी शामिल है। निलंबित प्रतिष्ठान इस अवधि में कोई भी खाद्य कारोबार नहीं कर पाएंगे।

जतिन कुमार नायक ने संभाला इरेडा के चेयरमैन का पदभार

नई दिल्ली।

जतिन कुमार नायक ने भारतीय नवीकरणीय ऊर्जा विकास एजेंसी लिमिटेड (इरेडा) के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक (सीएमडी) का पदभार संभाल लिया है। कंपनी ने बयान जारी कर यह जानकारी दी। नायक इससे पहले सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी आरईसी लिमिटेड में कार्यकारी निदेशक (वित्त) के पद पर कार्यरत थे। कंपनी के अनुसार नायक को तीन दशक से अधिक का व्यापक और विविध अनुभव है। वह आरईसी की अनुषंगी कंपनी आरईसी ट्रांसमिशन प्रोजेक्ट्स कंपनी लिमिटेड में मुख्य वित्त अधिकारी (सीएफओ) के रूप में भी अपनी सेवाएं दे चुके हैं। अपने करियर के शुरुआती दौर में उन्होंने एनएचपीसी, हिंदुस्तान कॉपर, नेशनल एल्युमिनियम कंपनी लिमिटेड (नाल्को) और नीलाचल इस्पात निगम लिमिटेड में भी काम किया है। उनका अनुभव बिजली क्षेत्र के साथ-साथ खनन एवं धातु जैसे संसाधन-आधारित उद्योगों में भी रहा है। नायक ने ओडिशा के भुवनेश्वर स्थित उत्कल विश्वविद्यालय से वाणिज्य में स्नातकोत्तर की डिग्री हासिल की है। इससे पहले मंत्रिमंडल की नियुक्ति समिति (एसीसी) ने उन्हें यह जिम्मेदारी देने के लिए मंजूरी दी थी।

सरकार के सिंगल यूज उपकरण प्रतिबंध पर अस्पतालों का कड़ा विरोध

प्रमुख अस्पताल समूहों ने सरकार को सौंपा ज्ञापन, डायलिसिस समेत कई सेवाएं होंगी प्रभावित

नई दिल्ली ।

देश के बड़े अस्पताल समूहों और स्वास्थ्य क्षेत्र से जुड़ी एसोसिएशनों ने सरकार के उस फैसले का कड़ा विरोध किया है, जिसमें एक बार इस्तेमाल होने वाले चिकित्सा उपकरणों के दोबारा उपयोग पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया गया है। उनकी चिंता है कि इस निर्णय से जटिल बीमारियों के इलाज का खर्च 25 से 75 फीसदी तक बढ़ सकता है और डायलिसिस जैसी महत्वपूर्ण सेवाएं भी बुरी तरह प्रभावित होंगी। अस्पतालों ने कहा है कि पहले से ही आर्थिक दबाव झेल रहे स्वास्थ्य क्षेत्र की मुश्किलें इससे और बढ़ेंगी। नारायण हेल्थ, मणिपाल हॉस्पिटल्स, फोर्टिस हेल्थकेयर, के आईएमएस हॉस्पिटल्स और मेदांता सहित कई बड़े अस्पताल समूहों के वरिष्ठ अधिकारियों ने विभिन्न स्वास्थ्य एसोसिएशनों के साथ मिलकर सरकार को एक विस्तृत ज्ञापन सौंपा है। इसमें उन्होंने मांग की है कि एक बार इस्तेमाल होने वाले सभी मेडिकल उपकरणों पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने के बजाय, कुछ चुनिंदा उपकरणों को तय सुरक्षा मानकों के तहत दोबारा इस्तेमाल करने की अनुमति दी जाए। दरअसल, स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय (डीजीएचएस) ने 16 अक्टूबर को एक निर्देश जारी कर उन चिकित्सा उपकरणों के दोबारा इस्तेमाल पर रोक लगा दी थी, जिन्हें निर्माता कंपनियों ने केवल एक बार इस्तेमाल के लिए बनाया है।

फ्रांस के जेवियर नियल को वोडाफोन समूह में हिस्सेदारी खरीदने की मिली मंजूरी

नई दिल्ली ।

भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) ने फ्रांसीसी उद्योगपति जेवियर नियल को ब्रिटेन स्थित वोडाफोन समूह पीएलसी में 16.2 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदने की योजना को अपनी मंजूरी दे दी है। यह अधिग्रहण नियल की पारिवारिक निवेश कंपनी वेगा एसएएस के माध्यम से किया जाएगा। सीसीआई द्वारा जारी बयान के अनुसार, नियल अपनी पारिवारिक निवेश कंपनी वेगा एसएएस के जरिए यह हिस्सेदारी खरीद रहे हैं। वेगा, फ्रांस के कानून के तहत पंजीकृत एक सरलीकृत संयुक्त शेयर बाजार की कंपनी माया एसएएस की पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी है। जेवियर नियल फ्रांस की दूरसंचार कंपनी इलियड के संस्थापक भी हैं, जो उन्हें दूरसंचार क्षेत्र का एक अनुभवी खिलाड़ी बनाती है। यह उल्लेखनीय है कि अधिग्रहणकर्ता वेगा एसएएस की भारत में कोई व्यावसायिक उपस्थिति या गतिविधि नहीं है। वहीं, वोडाफोन समूह भारत में अपनी इकाई वोडाफोन आइडिया लिमिटेड के माध्यम से मोबाइल और फिक्स्ड लाइन दूरसंचार सेवाएं प्रदान करता है। वैश्विक स्तर पर, वोडाफोन समूह यूरोप और अफ्रीका के प्रमुख बाजारों में दूरसंचार सेवाएं प्रदान करता है। निष्पक्ष व्यापार नियामक सीसीआई ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट के जरिए इस प्रस्तावित सौदे को अपनी अंतिम मंजूरी की पुष्टि की है, जिससे वोडाफोन समूह में एक महत्वपूर्ण शेयरधारक के रूप में जेवियर नियल की एंट्री का रास्ता साफ हो गया है।

लायंस और सरकार का गैस विवाद अब मध्यस्थता से सुलझेगा-सुप्रीम कोर्ट

कृष्णा-गोदावरी बेसिन में गैस की कथित चोरी से जुड़ा है मामला

नई दिल्ली ।

उच्चतम न्यायालय ने रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) और केंद्र सरकार के बीच लंबे समय से चले आ रहे लगभग 14,750 करोड़ रुपये के गैस विवाद को सुलझाने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। न्यायालय ने इस जटिल मामले को मध्यस्थता के लिए भेज दिया है और पूर्व न्यायाधीश न्यायमूर्ति रंजना प्रकाश देसाई को मध्यस्थ नियुक्त किया है। यह विवाद कृष्णा-गोदावरी बेसिन में पड़ोसी ओएनजीसी गैस ब्लॉक से कथित तौर पर गैस निकालकर रिलायंस के ब्लॉक में पहुंचाने से संबंधित है, जिससे सरकार को राजस्व का नुकसान होने का आरोप है। सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने इस मामले में मध्यस्थता का रास्ता तब चुना, जब उसने पाया कि दोनों पक्षों के बीच कोई आपसी सहमति वाला समाधान नहीं निकल पा रहा था। न्यायालय ने कहा कि न्यायमूर्ति देसाई को ऐसे जटिल व्यावसायिक विवादों को सुलझाने का व्यापक अनुभव है। न्यायालय ने दोनों पक्षों को यह भी अनुमति दी है कि वे मध्यस्थ की सहायता के लिए एक-एक विशेषज्ञ को नियुक्त कर सकते हैं। रिलायंस की ओर से अदालत को बताया गया कि कंपनी मध्यस्थता के लिए पूरी तरह तैयार है। दोनों पक्ष मध्यस्थ के सामने लिखित और मौखिक रूप से अपना पक्ष रख सकेंगे और उन्हें न्यायमूर्ति देसाई से संपर्क कर बैठक तथा सुनवाई का सुविधाजनक कार्यक्रम तय करने को कहा गया है। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने मध्यस्थता पूरी करने के लिए कोई समय-सीमा तय नहीं की है। मामले की अगली सुनवाई चार सप्ताह बाद होगी, जिसमें मध्यस्थता की प्रगति की समीक्षा की जाएगी।

यह मामला रिलायंस और उसके सहयोगी कंपनियों की उस अपील से जुड़ा है, जिसमें उन्होंने दिल्ली उच्च न्यायालय के उस फैसले को उच्चतम न्यायालय में चुनौती दी थी। दिल्ली उच्च न्यायालय ने रिलायंस के पक्ष में आए 14,750 करोड़ रुपए के पिछले मध्यस्थता फैसले को रद्द कर दिया था।

विदेशी निवेशकों ने अक्टूबर में की भारी बिकवाली, 22,012 करोड़ के शेयर बेचे

घरेलू संस्थागत निवेशकों ने 62,220 करोड़ रुपये का रिकॉर्ड निवेश किया

नई दिल्ली ।

अक्टूबर महीने में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने भारतीय शेयर बाजार से 22,012 करोड़ रुपये के शेयर बेचे, जिससे उनकी इस साल की कुल बिकवाली 2.87 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गई है। हालांकि, एफपीआई की इस लगातार बिकवाली के बावजूद भारतीय बाजार मजबूत बने रहे, जिसका मुख्य श्रेय घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) की रिकॉर्ड खरीदारी और प्राथमिक बाजार में आए दमदार आईपीओ को जाता है। आंकड़ों के अनुसार, जहां एफपीआई ने सेकेंडरी बाजार से बड़ी निकासी की, वहीं उन्होंने प्राथमिक बाजार, जिसमें आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) शामिल हैं, के जरिये 12,902 करोड़ रुपये का निवेश किया। यह पिछले 15 महीनों में प्राथमिक बाजारों में उनका सबसे बड़ा निवेश है, जिसने सेकेंडरी बाजार में बिकवाली के असर को कुछ हद तक कम करने में मदद की। इस बीच, घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने अक्टूबर के दौरान 62,220 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे, जिससे बाजार को अभूतपूर्व समर्थन मिला। इसी के परिणामस्वरूप, सेकेंडरी बाजार में लगातार बिकवाली के बावजूद बेंचमार्क निफ्टी 50 और सेंसेक्स क्रमशः 1.9 फीसदी और 2.7 फीसदी की बढ़त के साथ बंद हुए। प्राथमिक बाजार में इस मजबूती का एक प्रमुख कारण अक्टूबर में आए 13 आईपीओ थे, जिनमें जियो प्लेटफॉर्म्स का 30,187.65 करोड़ रुपये का आईपीओ भी शामिल था। विश्लेषकों का मानना है कि सेकेंडरी बाजार से एफपीआई की लगातार निकासी के पीछे कई वैश्विक और घरेलू कारण हैं। इनमें जापानी और अमेरिकी बॉन्ड यील्ड में वृद्धि से पूंजी का बाहर जाना, आपूर्ति श्रृंखला की बाधाएं, कमोडिटी की बढ़ती कीमतें और मार्जिन पर दबाव प्रमुख हैं।

तुम्हें कितने मार्क्स मिले...?

पेपर का रिजल्ट आने पर अपने बच्चे से कभी न पूछें ये सवाल



यह बात सच्ची है कि जब आप अपने बच्चे से अक्सर 'तुम्हें कितने मार्क्स मिले?' ये सवाल पूछते हैं, तो यह कई तरह से उनकी सेल्फ़-वर्थ, सिखने की प्रक्रिया और मनोधर्म पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकता है। आज हम आपको बताते हैं कि ये सवाल बच्चे के लिए खतरनाक साबित हो सकता है।

क्यों यह सवाल नुकसान पहुंचाता है

जब सबसे पहला सवाल ये होता है कि 'कितने अंक आए?', तो बच्चे को यह संदेश जाता है कि अंक = मूल्य = आपकी योग्यता। पर वास्तव में 'अंक' सिर्फ एक परीक्षा का परिणाम हैं, व्यक्ति की सम्पूर्ण क्षमता या गुण नहीं। उदाहरण के लिए, एक लेख कहता है कि यह हो सकता है कि बच्चों को यह महसूस हो जाए कि उनका पूरा मूल्य सिर्फ उनकी ग्रेड्स से तय होता है। जब यह सवाल बार-बार पूछा जाए, तो बच्चे में यह डर बन सकता है कि अगर अंक कम आए तो उन्हें मम्मा-पापा की नाराज़गी या शर्मिंदगी झेलनी पड़ेगी। यह दबाव उनकी पढ़ाई, आत्मविश्वास और मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित कर सकता है।

सिखने की प्रक्रिया पर ध्यान कम देना

दिए गए मार्क्स के पीछे क्या हुआ- जैसे तैयारी कैसे हुई, कौन-सी चीज कठिन लगी, किस तरीके से समझा जा सकता था, इन पर कम ध्यान जाता है। परिणाम पर ज्यादा फोकस होने से बच्चों में 'स्कोर करने की रणनीति' बन सकती है बजाय 'समझने की रणनीति' के। यदि संवाद का मुख्य आधार सवाल 'कितने अंक?' हो जाए, तो बच्चे हो सकता है कि उस बातचीत को अपेक्षा-पूर्ति के रूप में देखें- न कि खुली बातचीत के रूप में। इससे पिता-माता-बच्चा के बीच भरोसा कम हो सकता है।

बेहतर तरीका — क्या-क्या पूछा जा सकता है

- 'तुम्हारी एक्साम के दौरान सबसे कठिन क्या लगा? उस पर काम कैसे कर सकते हैं?'
- 'क्या तुमको लगता है तुमने उस विषय में यह तरीके आजमाए? अगर नहीं, तो अगली बार कैसे करोगे?'
- 'क्या वो हिस्सा था जिसमें तुमने अच्छा किया? उस पर हम कैसे और सुधार कर सकते हैं?'
- 'पढ़ाई के अलावा तुम्हें क्या-क्या मज़ेदार लगा आज स्कूल में?'

ऐसे सवाल बच्चों की सोचना, भावनाओं को समझने और संवाद बढ़ाने में मदद करते हैं।

सिर्फ कुछ मिनटों में बनाएं ये पांच टेस्टी सैंडविच, बनाने का तरीका भी है बेहद आसान

शायद ही कोई व्यक्ति ऐसा होगा, जिसे सैंडविच खाना पसंद न हो। तो अगर आपको सैंडविच खाना पसंद है, तो ये खबर आपके लिए खास होने वाली है। चाहे आप ऑफिस जा रहे हों, बच्चों के टिफिन की तैयारी कर रहे हों या घर पर कुछ हल्का और टेस्टी खाना चाहते हों—सैंडविच हर मौके के लिए परफेक्ट ऑप्शन माना जाता है।

ऐसे में आज हम आपको पांच तरह के स्वादिष्ट सैंडविच की रेसिपी बताने जा रहे हैं जिन्हें आप कुछ ही मिनटों में घर पर बना सकते हैं। ये न सिर्फ खाने में लाजवाब हैं बल्कि हेल्दी और एनर्जेटिक भी हैं। तो चलिए जानते हैं इन्हें बनाने का आसान तरीका और खास टिप्स जिससे आपके सैंडविच बनें बिल्कुल कैफे स्टाइल!

1. वेज ग्रिल सैंडविच

ये सैंडविच बनाना काफी आसान है। इसके लिए सबसे पहले तो ब्रेड पर बटर लगाएं, उसमें टमाटर, खीरा, आलू, और चटनी लगाएं। अब इसे सैंडविच मेकर में गोल्डन ब्राउन होने तक ग्रिल करें। इसे चटनी और कैचअप के साथ परोसें।

2. पनीर टिक्का सैंडविच

पनीर टिक्का सैंडविच खाने में काफी स्वादिष्ट लगता है। इसे बनाने के लिए सबसे पहले पनीर को मसालों और दही में मेरिनेट करें। इसके बाद इसे इसे ब्रेड के बीच में रखकर ग्रिल करें और पुदीना चटनी के साथ परोसें।

3. एग मेयो सैंडविच

अगर आपको अंडे खाना पसंद है तो आप उबले अंडे को कद्दूकस करके उसमें मेयोनेज को मिक्स करें। दोनों चीजों को मिक्स करें और फिर नमक, काली मिर्च डालें और टोस्टेड ब्रेड पर लगाएं। बस इसे फिर ग्रिल कर लें और कैचअप के साथ परोसें।

4. चीज कॉर्न सैंडविच

ये सैंडविच ज्यादातर हर किसी को पसंद आता है। ये सैंडविच बनाने के लिए सबसे पहले स्वीट कॉर्न को उबाल लें। अब इसमें चीज और थोड़ा ओरिगेनो मिलाएं। अब इसे इसे ब्रेड में भरकर ग्रिल करें। ये सिंपल सा सैंडविच बच्चों से लेकर बड़े भी खूब चाव से खाते हैं।

5. स्पाइसी चटनी सैंडविच

जो लोग तीखा खाना पसंद करते हैं तो उनके लिए ये सैंडविच कमाल का है। इसे बनाने के लिए सबसे पहले ब्रेड पर हरी चटनी फैलाएं। इस हरी चटनी को तीखा ही रखें। अब चटनी फैलाने के बाद टमाटर और प्याज रखें। आखिर में इसे हल्का टोस्ट करें और गर्मागर्म सर्व करें।



बोर्ड परीक्षा के लिए बच्चे की बेहतर तैयारी के लिए अभिभावक करें ये काम

जो बच्चे इस साल बोर्ड की परीक्षा देने वाले उन्हें मानसिक और शारीरिक रूप से तैयार करने के लिए अभिभावकों को भी कुछ तरीके अपनाने चाहिए, ताकि बच्चा बोर्ड परीक्षा में बेहतर परिणाम ला सके।



10वीं या 12वीं कक्षा में पढ़ रहे बच्चे के लिए बोर्ड परीक्षा एक अहम पड़ाव होता है, जो उनके भविष्य को तय करने में मदद करता है। अच्छे अंक आने पर बेहतर कॉलेज में प्रवेश, छात्रवृत्ति और करियर के लिए क्षेत्र तय करने में मदद मिलती है। ऐसे में भारत के अधिकतर सभी स्कूलों,कोचिंग क्लासेज बच्चों को बोर्ड परीक्षा के लिए तैयार करते हैं।

माता-पिता अपने बच्चे की बोर्ड परीक्षा के लिए सबसे अधिक चिंतित होते हैं। ऐसे में वह बच्चे पर पढ़ाई का अतिरिक्त दबाव बनाने लगते हैं। लेकिन इसका असर बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य पर भी होता है और अतिरिक्त दबाव उन्हें परेशान कर सकता है। बोर्ड परीक्षा बच्चों के लिए जीवन का एक महत्वपूर्ण चरण होती है और इसमें अभिभावकों की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण होती है। ऐसे में जो बच्चे इस साल बोर्ड की परीक्षा देने वाले उन्हें मानसिक और शारीरिक रूप से तैयार करने के लिए अभिभावकों को भी कुछ तरीके अपनाने चाहिए, ताकि बच्चा बोर्ड परीक्षा में बेहतर परिणाम ला सके।



प्रोत्साहित करें

बच्चा दबाव में तब आता है, जब माता पिता अपनी चिंता अत्यधिक जाहिर करते हैं, वो भी नकारात्मक तरीके से। उन पर दबाव बनाने के बजाए माता पिता को बच्चे को परीक्षा के लिए प्रेरित करना चाहिए। साथ ही बच्चे के छोटे-छोटे प्रयासों और उपलब्धियों की सराहना करें।परीक्षा को जीवन-मरण का प्रश्न बनाने की बजाय इसे एक सीखने का अवसर मानें।

पढ़ाई की योजना बनाने में मदद करें

बच्चे के साथ मिलकर एक प्रभावी टाइम टेबल तैयार करें। टाइमटेबल ऐसा हो ताकि पढ़ाई और आराम के बीच संतुलन बनाए रखा जा सके। कठिन विषयों को अधिक समय दें और पिछले साल के प्रश्न पत्र और महत्वपूर्ण टॉपिक्स की पहचान करें।

मानसिक स्वास्थ्य का ध्यान रखें

इस बात का ध्यान रखें कि बच्चा मानसिक रूप से परेशान न हो। उसका उत्साहवर्धन करने का प्रयास करें। ऐसी बातें करें जो उसे उत्साहित करें ना कि निराश करें। जैसे 'तुम यह कर सकते हो' और 'मैं तुम्हारे साथ हूं' आदि बातें कहें। बच्चे की तुलना अन्य बच्चों से न करें।

परिणाम को लेकर ज्यादा चिंता न करें

बच्चे को यह समझाएं कि मेहनत का परिणाम हमेशा सकारात्मक होता है। परीक्षा के बाद भी उसे यह भरोसा दिलाएं कि आपका प्यार और समर्थन उसके साथ है। परिक्षा में बेहतर अंक को भविष्य के लिए एकमात्र रास्ता न बनाएं।

नियमित ब्रेक और नींद का ध्यान रखें

दिनभर पढ़न से बच्चा होनहार नहीं ह जाएगा। जरूरी है कि हर एक दो घंटे की पढ़ा के बाद उसे 10-15 मिनट का ब्रेक मिले। इ ब्रेक में वह दिमाग को फ्रेश करें। शारीरि गतिविधि करे ताकि उसके दिमाग को आरा और सेहत दुरुस्त रह सके। इसके साथ ही नीं बेहतर जरूरी है। बच्चे को कम से कम 7- घंटे की नींद लेने के लिए प्रोत्साहित करें।

खानपान का ध्यान रखें

बच्चे को पौष्टिक भोजन दें, जिसमें फल सब्जियां, नट्स, और प्रोटीन शामिल हो। जंक फूड देने से बचें। ये सेहत के लिए त नुकसानदायक होता ही है, एकाग्रता भी भं करता है। परीक्षा से ध्यान भटकाने वा कारकों को कम करें, जैसे बच्चे के मोबाइ और सोशल मीडिया उपयोग को नियंत्रित करे घर का माहौल ऐसा हो जहां वह पढ़ाई के लि ध्यान केंद्रित कर सके और शांत वातावरण म मन लगा कर पढ़ सके।

रिवीजन और मॉक टेस्ट पर ध्यान दें

परीक्षा के करीब आते-आते बच्चे को पू सिलेबस का रिवीजन करने के लिए प्रेरित करे समय सीमा के साथ मॉक टेस्ट दें ताकि बच को परीक्षा का अनुभव हो सके।

आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित करें

बच्चे को समस्याओं को खुद हल करने क आदत डालें। जब बच्चा किसी प्रश्न में अटक हो, तब उसे मार्गदर्शन दें, लेकिन उसे पूरी तर आप पर निर्भर न बनाएं।

बच्चों में जोड़ों के दर्द के 7 संकेत, आज नजरअंदाज किया तो उम्र भर रहेंगे परेशान

बच्चों में जोड़ों से जुड़ी दिक्कतें केवल उम्रदराज लोगों में नहीं, बल्कि छोटे बच्चों में भी हो सकती हैं। कई बार माता-पिता इसे सामान्य बढ़ने का दर्द समझकर नजरअंदाज कर देते हैं, लेकिन यदि ये दर्द बार-बार हों या रात में बढ़ जाएं, तो ये



जोड़ों की समस्या का संकेत हो सकता है। यहां बाल रोग विशेषज्ञों द्वारा बताए गए 7 प्रमुख संकेत दिए गए हैं जिन्हें नजरअंदाज नहीं करना चाहिए।

रात में बढ़ने वाला दर्द

अगर बच्चे को दिन में ठीक रहता है लेकिन रात को दर्द बढ़ जाता है, तो यह सामान्य नहीं है। ऐसा दर्द सूजन या जोड़ों में सूक्ष्म संक्रमण का संकेत हो सकता है।

चलने या दौड़ने में कठिनाई

यदि बच्चा अचानक लंगड़ाने लगे, धीरे चले या दौड़ने से बचे, तो ये संकेत हैं कि उसके जोड़ों में दर्द या जकड़न (ह्यह्लह्लद्धद्धड्डह्लह्यह्य) हो सकती है।

सूजन या लालिमा

किसी एक या अधिक जोड़ों में सूजन, लालपन या गर्माहट महसूस होना सूजन (द्वड्डद्वद्यड्डद्वड्डह्लह्लश्ड्ड) का संकेत है। यह आर्थराइटिस या संक्रमण से भी हो सकता है।

सुबह उठते ही जकड़न

यदि बच्चा सुबह उठते ही अपने हाथ-पैरों को मोड़ने या सीधा करने में परेशानी बताता है, तो यह जोड़ों में सूजन या आर्थराइटिस का लक्षण हो सकता है।

किसी विशेष जोड़ में बार-बार दर्द

अगर दर्द हर बार एक ही घुटने, टखने या कोहनी में हो रहा है, तो यह केवल थकान नहीं, बल्कि जोड़ों की कोई आंतरिक समस्या हो सकती है।

बुखार या थकान के साथ दर्द

अगर जोड़ों का दर्द बुखार, कमजोरी या भूख न लगने के साथ हो, तो तुरंत डॉक्टर को दिखाना चाहिए। यह संक्रमण या ऑटोइम्यून बीमारी का संकेत हो सकता है।

बच्चे का खेलने से बचना

यदि बच्चा पहले की तरह खेलना, कूदना या चढ़ना-उतरना छोड़ दे, तो यह दर्द से बचने की कोशिश हो सकती है।

कब डॉक्टर को दिखाए

अगर बच्चे का दर्द 2 हफ्तों से ज़्यादा बना रहे, जोड़ों में सूजन या बुखार आ जाए या फिर बच्चा लंगड़ाने लगे या चलने से बचे तो डॉक्टर को जरूर दिखाए। विशेषज्ञ सलाह देते हैं कि बच्चों के जोड़ों के दर्द को 'द्दह्म्2द्बद्वद्द श्वड्डद्बद्व' मानकर टालना ठीक नहीं। जल्दी जांच कराने पर समस्या का इलाज सरल और प्रभावी हो सकता है। संतुलित आहार, पर्याप्त पानी और हल्की फिजिकल एक्टिविटी बच्चों के जोड़ों को मजबूत रखते हैं।

शुरू हो गई हैं सर्दियां, बनाकर तैयार करें ये पांच तरह के लड्डू ताकि न हो तबियत खराब



सर्दियों का मौसम आते ही शरीर को अतिरिक्त पोषण और गर्माहट की जरूरत होती है। इस मौसम में हमारी इम्यूनिटी अक्सर कमजोर पड़ जाती है, जिससे सर्दी-जुकाम जल्दी हो सकती है। ऐसे में घर पर बने देसी लड्डू न केवल स्वाद में लाजवाब होते हैं, बल्कि सेहत के लिए भी बेहद फायदेमंद हैं। पारंपरिक तरीके से बनाए गए लड्डू शरीर को एनर्जी, गर्मी और जरूरी न्यूट्रिएंट्स देते हैं।

सर्दी के मौसम में कुछ खास तरह के लड्डू पाचन को बेहतर बनाते हैं, जोड़ों के दर्द से राहत देते हैं और शरीर को अंदर से मजबूत बनाते हैं। अगर आप ठंड में स्वस्थ और एक्टिव रहना चाहते हैं, तो अपनी डाइट में इन देसी लड्डुओं को जरूर शामिल करें। आइए जानते हैं ऐसे पांच तरह के लड्डू जो सर्दियों में आपकी तबीयत खराब होने से बचा सकते हैं।

तिल-गुड़ के लड्डू

तिल और गुड़ का मेल सर्दियों में सबसे बेहतरीन माना जाता है। ये शरीर को गर्म रखता है और ब्लड में हीमोग्लोबिन का स्तर बढ़ाता है। इसमें कैल्शियम और आयरन भरपूर होता है, जो हड्डियों को मजबूत बनाता है।

गोंद के लड्डू

गोंद से बने लड्डू जोड़ों के दर्द और ठंड से होने वाली कमजोरी में फायदेमंद होते हैं। इसमें घी, मेवा और गेहूं का आटा मिलाकर बनाया जाता है जो एनर्जी बूस्टर की तरह काम करता है।

मेथी के लड्डू

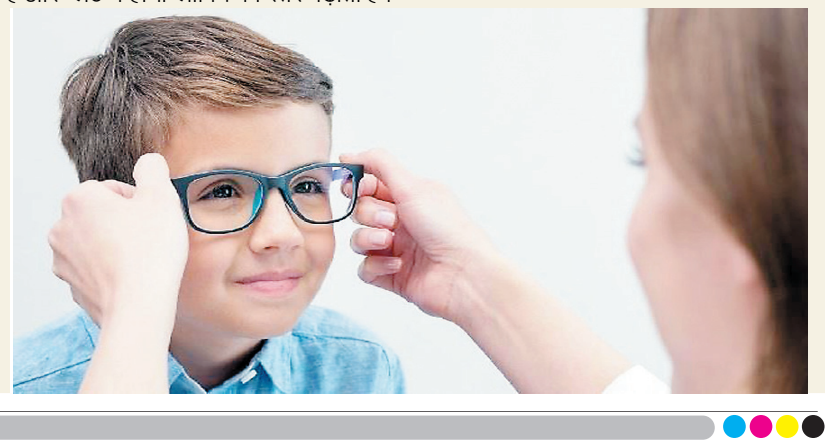
मेथी के लड्डू सर्दियों में शरीर को अंदर से गर्म रखते हैं और ब्लड शुगर को नियंत्रित करते हैं। महिलाओं के लिए ये खासतौर पर फायदेमंद माने जाते हैं क्योंकि ये हॉर्मोनल बैलेंस को भी सपोर्ट करते हैं।

मूंगफली के लड्डू

मूंगफली प्रोटीन का अच्छा स्रोत है। इसके लड्डू ठंड के मौसम में ऊर्जा प्रदान करते हैं और इम्यूनिटी बढ़ाते हैं। गुड़ के साथ मिलाकर खाने से ये स्वादिष्ट और पौष्टिक दोनों बन जाते हैं।

सूखे मेवे के लड्डू

बादाम, काजू, अखरोट, किशमिश और खजूर से बने लड्डू विटामिन्स और मिनरल्स से भरपूर होते हैं। ये शरीर को ताकत देते हैं और स्किन ग्लोइंग बनाए रखते हैं। तो आप चाहें तो इसे भी बनाकर तैयार कर सकते हैं।





पैन पैसिफिक ओपन के फाइनल में पहुंचीं लेयला फर्नांडेज

टोक्यो। पैन पैसिफिक ओपन 2026 में कनाडा की स्टार टेनिस खिलाड़ी लेयला फर्नांडेज ने शानदार प्रदर्शन करते हुए फाइनल में जगह बना ली है। उन्होंने सेमीफाइनल मुकाबले में कामिला राखिमोवा को सीधे सेटों में 7-5, 6-3 से हराया। वहीं, दूसरे सेमीफाइनल में डायना श्नाइडर ने मिया पोहांकोवा को हराकर खिताबी मुकाबले में अपनी जगह पक्की की।कनाडा की लेयला फर्नांडेज ने सेमीफाइनल मुकाबले में उज्बेकिस्तान की कामिला राखिमोवा को 7-5, 6-3 से हराया। दोनों खिलाड़ियों के बीच यह मुकाबला एक घंटे 54 मिनट तक चला। फर्नांडेज को दोनों सेटों में शुरुआती समय में ब्रेक का सामना करना पड़ा, लेकिन उन्होंने शानदार वापसी करते हुए मुकाबला अपने नाम कर लिया। लेयला फर्नांडेज के लिए यह साल का तीसरा डब्ल्यू फाइनल होगा। एशियाई दौरे पर उनका प्रदर्शन शानदार रहा है। उन्होंने सितंबर में सिंगापुर ओपन का खिताब जीता था, जहां उन्होंने तालिया गिब्सन को हराया था। हालांकि, पिछले सप्ताह निंगबो ओपन के फाइनल में उन्हें एलेना रिबाकिना के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था।

डायना श्नाइडर ने भी फाइनल में बनाई जगह

दूसरे सेमीफाइनल में रूस की डायना श्नाइडर ने वाइल्ड कार्ड से प्रवेश करने वाली 18 वर्षीय मिया पोहांकोवा को 6-4, 7-6 (7) से हराया। यह मुकाबला एक घंटे 46 मिनट तक चला। श्नाइडर ने पहले सेट में शुरुआती ब्रेक के बाद वापसी की और 6-4 से जीत हासिल की। दूसरे सेट में उन्हें टाईब्रेक के दौरान सेट प्वाइंट भी बचाना पड़ा।दूसरे सेट में दोनों खिलाड़ियों के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिली। पोहांकोवा ने सेट जीतने का मौका बनाया, लेकिन श्नाइडर ने शानदार खेल दिखाते हुए सेट प्वाइंट बचा लिया। इसके बाद उन्होंने टाईब्रेक 9-7 से जीतकर मुकाबला अपने नाम कर लिया। इस जीत के साथ श्नाइडर ने सीजन के अपने पहले फाइनल में जगह बना ली।

सिंधु और अनमोल के बीच सेमीफाइनल मुकाबला

जर्मनी। हाइलो ओपन 2026 में भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया है। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु और युवा शटलर अनमोल खरब ने महिला एकल के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। दोनों खिलाड़ियों की जीत के साथ अब सेमीफाइनल में ऑल-इंडियन मुकाबला तय हो गया है। वहीं पुरुष एकल में लक्ष्य सेन ने भी शानदार वापसी करते हुए अंतिम चार में अपनी जगह पक्की कर ली है।

भारत की स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी और दूसरी वरीयता प्राप्त पीवी सिंधु ने हाइलो ओपन 2026 के क्वार्टर फाइनल में शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने डेनमार्क की अमाली शुल्ज को लगातार दो गेम में 21-12, 21-10 से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। यह मुकाबला सिर्फ 28 मिनट तक चला, जिसमें सिंधु ने शुरुआत से ही अपनी प्रतिद्वंद्वी पर दबाव बनाए रखा।

भारत की युवा बैडमिंटन खिलाड़ी अनमोल खरब ने क्वार्टर फाइनल में शानदार प्रदर्शन करते हुए छठी वरीयता प्राप्त उन्नति हुड्डा को हरा दिया। दोनों भारतीय खिलाड़ियों के बीच मुकाबला काफी रोमांचक रहा।

युवराज सिंह की चयनकर्ताओं को बड़ी सलाह

अभिषेक-वैभव को वनडे में मौका नहीं मिला तो होगी बड़ी नाइंसाफी



नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व दिग्गज ऑलराउंडर युवराज सिंह ने युवा बल्लेबाजों को लेकर बड़ा बयान दिया है। युवराज चाहते हैं कि अभिषेक शर्मा, वैभव सूर्यवंशी और ईशान किशन को वनडे क्रिकेट में भी नियमित मौके मिलने चाहिए। उनका मानना है कि इन खिलाड़ियों की प्रतिभा को देखते हुए उन्हें 50 ओवर के फॉर्मेट से दूर रखना सही नहीं है।

पूर्व भारतीय ऑलराउंडर युवराज सिंह का मानना है कि अभिषेक शर्मा, वैभव सूर्यवंशी और ईशान किशन जैसे प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को वनडे क्रिकेट में भी खेलने का मौका मिलना चाहिए। युवराज लंबे समय से अभिषेक को मार्गदर्शन देते रहे हैं और उनकी बल्लेबाजी को करीब से समझते हैं। उन्होंने साफ कहा कि इन खिलाड़ियों को 50 ओवर के फॉर्मेट में मौका नहीं देना उनकी प्रतिभा के साथ नाइंसाफी होगी। युवराज सिंह ने पीटीआई से बातचीत में कहा, 'मैं ईमानदारी से अभिषेक को वनडे क्रिकेट में खेलते हुए देखना चाहूंगा। मैं पहले भी कह चुका हूं कि अगर हम ईशान किशन, अभिषेक और वैभव सूर्यवंशी जैसे खिलाड़ियों को 50 ओवर के क्रिकेट में नहीं चुनते हैं, तो कहीं न कहीं हम उनकी प्रतिभा के साथ नाइंसाफी कर रहे हैं।'

युवराज ने आगे कहा, 'मैं समझता हूं कि हमारे पास कुछ बेहतरीन खिलाड़ी हैं और उनके लिए टीम में जगह बनाना मुश्किल है। लेकिन जिस तरह ये युवा बल्लेबाज प्रदर्शन कर रहे हैं, उम्मीद है कि उन्हें जल्द ही टीम में जगह मिलनी चाहिए। अभिषेक ने जो कुछ हासिल किया है, वह उनकी कड़ी

तीनों खिलाड़ियों ने दिखाई है अपनी ताकत

अभिषेक शर्मा, ईशान किशन और वैभव सूर्यवंशी ने टी20 क्रिकेट में अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से खास पहचान बनाई है। ईशान किशन ने 2026 टी20 वर्ल्ड कप में भारत की खिताबी जीत में अहम योगदान दिया था। वहीं अभिषेक अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी से लगातार प्रभावित कर रहे हैं। दूसरी ओर युवा वैभव सूर्यवंशी ने कम उम्र में ही बड़े-बड़े गेंदबाजों के खिलाफ बेखौफ बल्लेबाजी करके सुर्खियां बटोरी हैं।

ईशान की वनडे टीम में हो चुकी है वापसी

ईशान किशन की वनडे टीम में वापसी कुछ महीने पहले हुई थी। उन्होंने अफगानिस्तान और इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज में हिस्सा लिया था। लखनऊ में खेले गए वनडे मुकाबले में ईशान ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 125 रनों की विस्फोटक पारी खेली थी। हालांकि, इंग्लैंड के खिलाफ दो मुकाबलों में वह बड़ी पारी खेलने में सफल नहीं रहे थे। न्यूजीलैंड के खिलाफ आगामी पांच मैचों की वनडे सीरीज के लिए भी ईशान किशन भारतीय टीम का हिस्सा हैं।

हॉन्गकॉन्ग सिक्सेसः भारत ने लगाई हार की हैट्रिक! अब इंग्लैंड ने हराया

मोंग कोक। हॉन्गकॉन्ग सिक्सेस 2026 में भारतीय टीम का निराशाजनक प्रदर्शन जारी है। पाकिस्तान और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के बाद अब इंग्लैंड ने भी भारत को हरा दिया है। शनिवार को खेले गए बाउल सेमीफाइनल-2 में इंग्लैंड ने भारत को तीन रन से शिकस्त दी। इस हार के साथ ही भारतीय टीम ने लगातार तीसरी हार झेली। अब भारत को टूर्नामेंट



में 11वें और 12वें स्थान के लिए मुकाबला खेलना होगा।भारत को यूएई के खिलाफ छह विकेट से हार का सामना करना पड़ा था। टिन क्वॉंग रोड रिक्रिएशन ग्राउंड पर खेले गए मुकाबले में यूएई ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी चुनी। भारतीय टीम ने छह ओवर में छह विकेट पर 94 रन बनाए। भारत की ओर से टी. नटराजन ने 14 गेंदों में तीन चौके और चार छक्कों की मदद से 38 रन बनाए। राहुल त्रिपाठी ने 24 और कप्तान क्रुणाल पंड्या ने 15 रन का योगदान दिया। हालांकि, बाकी बल्लेबाज बड़ी पारी नहीं खेल सके। जवाब में यूएई ने 95 रन का लक्ष्य महज 4.2 ओवर में बिना विकेट गंवाए हासिल कर लिया। कप्तान खालिद शाह ने 14 गेंदों में नाबाद 52 और अंश टंडन ने 12 गेंदों में नाबाद 39 रन बनाए।

उम्मीदों पर खरे नहीं उतरे...नहीं चला भुवनेश्वर का जादू!

चार साल बाद की थी वापसी, आकाश चोपड़ा ने जताई निराशा

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय टीम के अनुभवी तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार की चार साल बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी उम्मीद के मुताबिक नहीं रही है। न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज के शुरुआती तीन मुकाबलों में उनके प्रदर्शन ने सवाल खड़े कर दिए हैं। पूर्व भारतीय सलामी बल्लेबाज और मशहूर कमेंटेटर आकाश चोपड़ा ने भी भुवनेश्वर की वापसी को लेकर निराशा जाहिर की है। आकाश चोपड़ा का मानना है कि भुवनेश्वर की वापसी वैसी नहीं रही, जैसी भारतीय प्रशंसकों और टीम मैनेजमेंट को उनसे उम्मीद थी। यही वजह रही कि न्यूजीलैंड के खिलाफ चौथे टी20 मुकाबले में उन्हें प्लेइंग इलेवन से बाहर बैठना पड़ा और उनकी जगह मयंक यादव को मौका दिया गया।

चोपड़ा ने भुवनेश्वर के प्रदर्शन पर उठाए सवाल

आकाश चोपड़ा ने अपने यूट्यूब चैनल पर साझा किए गए वीडियो में भुवनेश्वर कुमार के प्रदर्शन का विश्लेषण किया। उन्होंने कहा कि शुरुआती तीन टी20 मुकाबलों में भुवनेश्वर ने काफी रन खर्च किए, जिसके बाद उनकी वापसी पर सवाल उठने लगे हैं। चोपड़ा ने कहा, 'इंजरी की वजह से प्रसिद्ध कृष्णा को वनडे टीम में नहीं चुना गया। भुवी को वनडे टीम में नहीं चुना गया है। उन्होंने शुरुआती तीन टी20 मैचों में इतने रन दिए हैं कि उनकी वापसी पर सवाल उठ रहे हैं। चौथे टी20 में उन्हें प्लेइंग इलेवन से बाहर रखने ने उनकी वापसी पर उठ रहे सवाल को और गहरा दिया है। भुवी की वापसी वैसी नहीं रही है जैसी इंडियन फैंस उम्मीद कर रहे थे।'

चौथे टी20 में भी भारतीय गेंदबाजों ने लुटाए 259 रन

न्यूजीलैंड के खिलाफ चौथे टी20 मुकाबले में भारतीय गेंदबाजी एक बार फिर प्रभाव छोड़ने में नाकाम रही। भुवनेश्वर कुमार की गैरमौजूदगी में उतरी भारतीय टीम ने 259 रन खर्च कर दिए। इसके जवाब में भारतीय बल्लेबाज 172 रन ही बना सके और टीम को 87 रन से हार का सामना करना पड़ा। इस मुकाबले में भुवनेश्वर की जगह मयंक यादव को प्लेइंग इलेवन में शामिल किया गया था। हालांकि, भारतीय गेंदबाजी की कमजोरियां इस मैच में भी उजागर हुईं।

पांचवें टी20 में भुवनेश्वर की वापसी पर नजर

अब सभी की निगाहें सीरीज के पांचवें और आखिरी टी20 मुकाबले पर टिकी हैं। यदि भुवनेश्वर कुमार को इस मैच में भी मौका नहीं मिलता है, तो उनके अंतरराष्ट्रीय टी20 करियर को लेकर चर्चाएं और तेज हो सकती हैं। भारत और न्यूजीलैंड के बीच पांचवां टी20 मुकाबला एक नवंबर को हैमिल्टन में खेला जाएगा। भारतीय टीम सीरीज में 3-1 की अजेय बढ़त बना चुकी है। टीम इंडिया की कोशिश आखिरी मुकाबला जीतकर सीरीज को 4-1 से अपने नाम करने की होगी, जबकि न्यूजीलैंड जीत के साथ सीरीज का अंत 3-2 से करना चाहेगा।

जापान को 4-1 से हराया, अभिषेक-हरमनप्रीत और विष्णुकांत ने दागे गोल



भारतीय हॉकी टीम ने लगाई जीत की हैट्रिक

जालंधर, एजेंसी। भारतीय हॉकी टीम का एशियन चैंपियंस ट्रॉफी में शानदार प्रदर्शन जारी है। पांच बार की चैंपियन भारत ने खेले गए मुकाबले में जापान को 4-1 से करारी शिकस्त दी। इस जीत के साथ ही भारतीय टीम ने टूर्नामेंट में लगातार तीसरी जीत दर्ज की और सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया। भारत की जीत के हीरो अभिषेक नैन रहे, जिन्होंने दो शानदार मैदानी गोल दागे। भारत की ओर से अभिषेक नैन ने 11वें और 51वें मिनट में गोल किया। कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने 47वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर पर गोल दागा, जबकि विष्णुकांत सिंह ने 56वें मिनट में मैदानी गोल कर भारत की जीत सुनिश्चित कर दी। जापान की ओर से एकमात्र गोल शोता यामादा ने 15वें मिनट में पेनल्टी स्ट्रोक पर किया।

पहले हाफ में जापान ने दी कड़ी चुनौती

मुकाबले की शुरुआत में जापान ने आक्रामक रुख अपनाया और दूसरे ही मिनट में पेनल्टी कॉर्नर हासिल कर लिया। हालांकि, जापानी खिलाड़ी केन नागायोशी का प्रयास लक्ष्य से चूक गया। शुरुआती मिनटों में भारतीय मिडफील्ड और फॉरवर्ड लाइन के बीच तालमेल की कमी नजर आई। उपकप्तान हार्दिक सिंह ने खेल को संभालने की कोशिश की। इसी बीच 11वें मिनट में भारत ने शानदार मूव बनाते हुए बढ़त हासिल कर ली। हार्दिक सिंह ने सर्कल के अंदर सुखजीत सिंह को गेंद दी, जिन्होंने अभिषेक को पास दिया। अभिषेक ने गेंद को गोलपोस्ट में पहुंचाकर भारत को 1-0 से आगे कर दिया। यह अभिषेक का 150वां अंतरराष्ट्रीय मुकाबला भी था।

हालांकि, जापान ने हार नहीं मानी। पहले क्वार्टर के आखिरी क्षणों में लगातार दो पेनल्टी कॉर्नर हासिल किए। दूसरे प्रयास के दौरान गेंद भारतीय खिलाड़ी संजय के शरीर से टकराई, जिसके बाद जापान को पेनल्टी स्ट्रोक मिला। 15वें मिनट में शोता यामादा ने इसे गोल में बदलकर स्कोर 1-1 कर दिया। इसके बाद जापान ने मजबूत रक्षात्मक खेल दिखाया और भारतीय खिलाड़ियों को गोल करने के ज्यादा मौके नहीं दिए। पहले हाफ की समाप्ति तक दोनों टीमें 1-1 की बराबरी पर रहीं।

आखिरी क्वार्टर में भारतीय खिलाड़ियों ने बदला मैच का रुख

तीसरे क्वार्टर में भी दोनों टीमों के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिला। भारत ने गोल करने के कुछ अच्छे मौके बनाए, लेकिन जापानी गोलकीपर ताकुमी कितागावा ने शानदार बचाव किया। 36वें मिनट में जापान को एक और पेनल्टी कॉर्नर मिला, लेकिन वह इसका फायदा नहीं उठा सका। तीन क्वार्टर तक स्कोर 1-1 रहने के बाद भारतीय टीम ने आखिरी 15 मिनट में आक्रामक खेल दिखाया। 46वें मिनट में भारत को मैच का पहला पेनल्टी कॉर्नर मिला। कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने शानदार लो फ्लिक के जरिए गेंद को गोलपोस्ट में पहुंचाकर भारत को 2-1 की बढ़त दिला दी। इसके बाद 51वें मिनट में अभिषेक ने बेहतरीन मैदानी गोल कर भारत की बढ़त 3-1 कर दी। मैच खत्म होने से चार मिनट पहले यानी 56वें मिनट में विष्णुकांत सिंह ने कप्तान हरमनप्रीत सिंह के सटीक एरियल पास को गोल में बदलकर स्कोर 4-1 कर दिया।

अब मलयेशिया से होगा भारत का अगला मुकाबला

भारतीय टीम ने टूर्नामेंट में इससे पहले बांग्लादेश को 13-0 और चीन को 5-2 से हराया था। वहीं, जापान ने दक्षिण कोरिया को 3-2 और बांग्लादेश को 1-0 से मात दी थी। भारत का अगला मुकाबला रविवार को मलयेशिया से होगा। हाल ही में आयोजित आइची-नागोया एशियन गेम्स में भी भारतीय टीम ने मलयेशिया को 5-1 से हराया था। वहीं, जापान की टीम अगले मुकाबले में चीन से भिड़ेगी।

भारत vs न्यूजीलैंड...

वनडे सीरीज से पहले टीम इंडिया में बड़ा बदलाव, नबी की हुई एंट्री

मुंबई, एजेंसी। न्यूजीलैंड के खिलाफ आगामी वनडे सीरीज से पहले भारतीय टीम में बदलाव किया गया है। चयन समिति ने तेज गेंदबाज आकिब नबी को पहले तीन वनडे मुकाबलों के लिए भी टीम में शामिल कर लिया है। इससे पहले उन्हें सीरीज के चौथे और पांचवें वनडे के लिए चुना गया था। अब वह सीरीज की शुरुआत से ही भारतीय टीम का हिस्सा होंगे।

आकिब की पहले तीन वनडे में भी हुई एंट्री

आकिब को प्रसिद्ध कृष्णा की जगह भारतीय टीम में शामिल किया गया है। प्रसिद्ध फिलहाल चोट की वजह से रिहैब में हैं और उनका टीम में शामिल होना फिटनेस टेस्ट पर आधारित था, लेकिन वह समय से फिट नहीं हो पाए हैं और ऐसे में आकिब को शामिल करना पड़ा है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने टीम अपडेट जारी करते हुए बताया कि पुरुष चयन समिति ने आकिब नबी को न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले तीन वनडे के लिए भी टीम में शामिल किया है। दाएं हाथ के तेज गेंदबाज आकिब को शुरुआत में सीरीज के आखिरी दो मुकाबलों के लिए चुना गया था। अब उन्हें पहले तीन मैचों के लिए भी टीम में जगह मिल गई है। इस बदलाव के बाद वह पूरी वनडे सीरीज के लिए भारतीय टीम का हिस्सा होंगे। हालांकि, बीसीसीआई की ओर से इस बदलाव की कोई वजह नहीं बताई गई है।



पहले तीन वनडे के लिए भारतीय टीम

पहले तीन मुकाबलों के लिए शुभमन गिल कप्तान होंगे और श्रेयस अय्यर उपकप्तान रहेंगे। टीम में रोहित शर्मा, विराट कोहली और केएल राहुल जैसे अनुभवी खिलाड़ी भी शामिल हैं। ईशान किशन को विकेटकीपर के तौर पर जगह मिली है।

पहले तीन वनडे के लिए टीमः शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर (उपकप्तान), केएल राहुल (विकेटकीपर), अक्षर पटेल, नमन धीर, अंशुल कंबोज, गुरनूर बराड़, ऋतुराज गायकवाड़, अर्शदीप सिंह, ईशान किशन (विकेटकीपर), मोहम्मद सिराज, कुलदीप यादव, नीतीश कुमार रेड्डी (केवल पहला वनडे), आकिब नबी।



दो वनडे के लिए अलग टीम

सीरीज के आखिरी दो मुकाबलों के लिए भी भारतीय टीम में बदलाव है। इन मैचों में श्रेयस अय्यर कप्तानी करेंगे, जबकि ईशान किशन उपकप्तान होंगे। तिलक वर्मा, कुमार कुशाग्र और यश ठाकुर को भी टीम में शामिल किया गया है।

चौथे और पांचवें वनडे के लिए टीमः श्रेयस अय्यर (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, तिलक वर्मा, ईशान किशन (विकेटकीपर, उपकप्तान), अक्षर पटेल, नमन धीर, आकिब नबी, गुरनूर बराड़, ऋतुराज गायकवाड़, अर्शदीप सिंह, कुमार कुशाग्र (विकेटकीपर), मोहम्मद सिराज, यश ठाकुर और कुलदीप यादव।



हॉलीवुड में फिल्म निर्माण से जुड़ीं पूजा बत्रा

बॉलीवुड में कई अभिनेत्रियां ऐसी रही हैं, जिन्होंने अपने करियर की शुरुआत मॉडलिंग और फिल्मों से की, लेकिन कुछ समय बाद उनकी जिंदगी ने ऐसा मोड़ लिया कि वे फिल्मी पर्दे से दूर हो गईं। पूजा बत्रा की कहानी भी कुछ ऐसी ही है। मिस इंडिया का खिताब जीतने के बाद उन्होंने फिल्मों में अपनी पहचान बनाई और फिर निजी जिंदगी के फैसलों के चलते कुछ समय के लिए हिंदी सिनेमा से दूरी बना ली। इसके बाद उन्होंने विदेश में अपनी जिंदगी और करियर को नए सिरे से आगे बढ़ाया।

उन्होंने हॉलीवुड में काम किया और एक फिल्म में अंतरिक्ष यात्री का किरदार निभाया। इस रोल की तैयारी के लिए उन्होंने भारतीय मूल की अंतरिक्ष यात्री कल्पना चावला और सुनीता विलियम्स के जीवन के बारे में भी पढ़ा। अब पूजा अभिनय के साथ फिल्म निर्माण की दुनिया में भी सक्रिय हैं। पूजा बत्रा का जन्म 27 अक्टूबर 1975 को हुआ था। उनके पिता रवि बत्रा भारतीय सेना में कर्नल थे, जबकि उनकी मां नीलम बत्रा ने भी 1971 में मिस इंडिया प्रतियोगिता में हिस्सा लिया था। सेना में पिता की नौकरी के कारण पूजा को बचपन में अलग-अलग जगहों पर रहना पड़ा। उन्होंने करीब 12 साल में 10 स्कूल बदले। बचपन से ही उन्हें खेलों में दिलचस्पी थी और वह दौड़ की प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेती थीं।

पूजा ने कम उम्र में ही मॉडलिंग शुरू कर दी थी। एक साबुन के विज्ञापन से उन्हें काफी पहचान मिली। साल 1993 में उन्होंने मिस इंडिया इंटरनेशनल का खिताब जीता। इस उपलब्धि के बाद उनके लिए मनोरंजन की दुनिया में नए रास्ते खुले। हालांकि, उन्होंने अपनी पढ़ाई भी पूरी की और इसके बाद फिल्मों में कदम रखा। साल 1997 में रिलीज हुई फिल्म 'विरासत' से उन्होंने हिंदी सिनेमा में पहचान बनाई। इस फिल्म में वह अनिल कपूर और तब्बू के साथ नजर आईं। इसके बाद उन्होंने 'भाई', 'हसीना मान जाएगी', 'दिल ने फिर याद किया', 'कहीं प्यार न हो जाए' और 'नायक: द रियल हीरो' जैसी फिल्मों में काम किया।

पूजा की जिंदगी में एक ऐसा भी समय आया, जब उन्होंने फिल्मों से दूरी बना ली। उन्होंने अमेरिका में रहने वाले ऑर्थोपेडिक सर्जन सोनू एस. अहलूवालिया से शादी की और लॉस एंजिलिस में रहने लगीं। बाद में दोनों का तलाक हो गया। इस बदलाव के बाद पूजा ने अपने जीवन और करियर को फिर से आगे बढ़ाने पर ध्यान दिया। उन्होंने भारतीय फिल्मों के साथ अंतरराष्ट्रीय प्रोजेक्ट्स में भी मौके तलाशे।

पूजा के करियर का एक खास पड़ाव 2016 में आई साइंस-फिक्शन फिल्म 'वन अंडर द सन' रही। इस फिल्म में उन्होंने कैथरीन वॉस नाम की अंतरिक्ष यात्री का किरदार निभाया था। कहानी एक ऐसे अंतरिक्ष मिशन की अकेली बची यात्री के बारे में थी, जो धरती पर लौटने के बाद अपनी बीमार बेटी से मिलना चाहती है। फिल्म के लिए तैयारी करते समय पूजा ने कल्पना चावला और सुनीता विलियम्स के जीवन के बारे में पढ़ा। उन्होंने बताया कि इन अंतरिक्ष यात्रियों से उन्हें किरदार की शारीरिक बनावट और व्यक्तित्व को समझने में मदद मिली। फिल्म की शूटिंग सिर्फ 11 दिनों में पूरी हुई थी। इसे कान फिल्म फेस्टिवल में भी पेश किया गया था।

पूजा ने सिर्फ अभिनय तक खुद को सीमित नहीं रखा। वह फिल्म निर्माण के क्षेत्र में भी आगे बढ़ीं और लॉस एंजिलिस स्थित अपनी प्रोडक्शन कंपनी ग्लोबेल इंक के जरिए प्रोजेक्ट्स से जुड़ीं। साल 2026 में उनकी कंपनी के निर्माण में बनी शॉर्ट फिल्म 'इकोज ऑफ अस' कान फिल्म फेस्टिवल के दौरान दिखाई गई। इस फिल्म में दीपक तिजोरी और स्पेनिश अभिनेत्री एलेसांद्रा व्हेलन मेरिडिज नजर आए।



आयशा खान ने फिल्म 'उड़ता तीर' की जमकर सराहना की

आयुष्मान खुराना स्टारर क्रॉस-बॉर्डर स्पाई-कॉमेडी (जासूसी हास्य) फिल्म 'उड़ता तीर' सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है। अभिनेत्री आयशा खान ने फिल्म की जमकर सराहना की। साथ ही, सभी से फिल्म देखने की अपील भी की। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम के स्टोरीज सेक्शन पर फिल्म के एक हास्य सीन की क्लिप शेयर की, जिसमें अभिनेता आयुष्मान खुराना के साथ अभिनेता संदीप आनंद नजर आ रहे हैं। आयशा खान ने इस क्लिप की तारीफ करते हुए लिखा, 'मैं संदीप आनंद की बहुत बड़ी फैन हूं और कल उन्हें स्क्रीन पर देखकर बहुत खुशी हुई। उन्होंने क्या परफॉर्मेंस दी है। मजे ही आ गए तारिक (संदीप आनंद का किरदार) और आप जानते हैं कि अगर आयुष्मान इसमें हैं तो फिल्म धमाकेदार ही होगी।'

अभिनेत्री ने बताया कि फिल्म ने उन्हें बिल्कुल भी बोर नहीं किया। उन्होंने लिखा, 'इस फिल्म में एक भी किरदार कमजोर नहीं है, शानदार टाइमिंग, इतने अच्छे लिखे हुए सीन्स, कल थिएटर में हंस-हंस के मेरी जान निकल गई, मैं ज्यादा कुछ नहीं कहना चाहती, प्लीज अपनी फैमिली के साथ थिएटर में जाकर इस फिल्म को जरूर देखें, पैसा वसूल है। इस फिल्म का बैकग्राउंड म्यूजिक भी सबसे बेस्ट पार्ट में से एक है और स्टोरीलाइन आपको आखिर तक बांधे रखती है, क्लाइमैक्स तो कमाल का है, बस अभी जाओ और देखें।'

फिल्म 'उड़ता तीर' को दर्शकों की तरफ से मिली-जुली प्रतिक्रियाएं देखने को मिल रही हैं। दर्शकों के अनुसार, फिल्म का पहला हाफ काफी मनोरंजक, तेज और मजेदार है, जिसमें सिचुएशनल कॉमेडी और वन-लाइनर्स अच्छे लगते हैं। वहीं, दूसरा हाफ थोड़ा सुस्त और प्रिडिक्टेबल (अनुमान लगाने योग्य) हो जाता है, जहां फिल्म स्पाई कॉमेडी से हटकर देशभक्ति और गंभीर जॉनर की तरफ मुड़ने की कोशिश में थोड़ी उलझ जाती है।

आयुष्मान खुराना की कॉमिक टाइमिंग और कंफ्यूज्ड एक्सप्रेशंस की काफी तारीफ हो रही है। साथ ही सारा अली खान और सपोर्टिंग कास्ट के काम को भी पसंद किया जा रहा है।



निमृत कौर अहलूवालिया ने शुरू की नए प्रोजेक्ट के लिए शूटिंग

एक्ट्रेस निमृत कौर अहलूवालिया इन दिनों अपने नए प्रोजेक्ट को लेकर चर्चा में हैं। वह इसकी शूटिंग के लिए गुजरात पहुंच चुकी हैं। निमृत इस प्रोजेक्ट को लेकर काफी उत्साहित हैं, क्योंकि इसके जरिए उन्हें एक नए किरदार को निभाने और ऐसे जॉनर में काम करने का मौका मिलेगा, जिसमें उन्होंने पहले कभी हाथ नहीं आजमाया है। एक्ट्रेस का कहना है कि वह अपने काम के जरिए खुद को चुनौती देना चाहती हैं और एक्टिंग के नए पहलुओं को एक्सप्लोर करने के लिए हमेशा तैयार रहती हैं। अपने नए प्रोजेक्ट को लेकर निमृत ने कहा, ''मैं इस नए प्रोजेक्ट को शुरू करने के लिए काफी उत्साहित हूं। इसके जरिए मुझे एक बिल्कुल नए किरदार को निभाने और ऐसे जॉनर में काम करने का मौका मिल रहा है, जिसे मैंने पहले एक्सप्लोर नहीं किया है। एक एक्टर के तौर पर मैं हमेशा खुद को चुनौती देना चाहती हूं, अपनी सीमाओं से आगे बढ़ना चाहती हूं और अपनी एक्टिंग के नए पहलुओं को जानना चाहती हूं।'' उन्होंने आगे कहा, ''हर प्रोजेक्ट आपको कुछ नया सिखाता है। मैं इस नए सफर को लेकर उत्साहित हूं और अपने किरदार को पर्दे पर जीवंत करने का इंतजार कर रही हूं। फिलहाल मैं इस प्रोजेक्ट के बारे में ज्यादा कुछ नहीं बता सकती, लेकिन मैं चाहती हूं कि दर्शक जल्द ही देखें कि हम क्या लेकर आ रहे हैं।'' सूत्रों के मुताबिक, निमृत अपने नए प्रोजेक्ट की शूटिंग शुरू करने के लिए गुजरात पहुंची है। हालांकि, इस प्रोजेक्ट की कहानी, किरदार और बाकी डिटेल्स को फिलहाल सीक्रेट रखा गया है। एक्ट्रेस की हालिया सोशल मीडिया पोस्ट के बाद से ही उनके नए प्रोजेक्ट को लेकर फैंस के बीच उत्सुकता बढ़ गई है।

पांच साल बाद फिर साथ दिखेगी रजनीकांत और नयनतारा जोड़ी

'जेलर 2' के बाद अब सुपरस्टार रजनीकांत की मोस्ट अवेटेड फिल्म 'धर्मन' की रिलीज का फैंस बड़ी बेसब्री के साथ इंतजार कर रहे हैं। अब इस मूवी से जुड़ा एक अपडेट सामने आया है। दरअसल, 'थलाइवा' की 'धर्मन' में एक्ट्रेस नयनतारा की भी एंट्री हो गई है। बता दें कि इस फिल्म के जरिए रजनीकांत और नयनतारा पांच साल बाद एक बार फिर साथ नजर आएंगे। दोनों ने आखिरी बार साल 2021 में आई फिल्म 'अन्नात्थे' में साथ काम किया था।

प्रोडक्शन हाउस ने किया नयनतारा का स्वागत

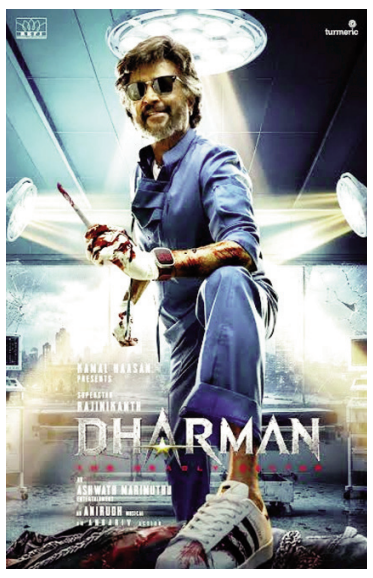
फिल्म के प्रोडक्शन हाउस राज कमल फिल्म्स इंटरनेशनल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर नयनतारा के फिल्म में शामिल होने की जानकारी दी। एक्ट्रेस का स्वागत करते हुए प्रोडक्शन हाउस ने लिखा, 'अब दमदार अंदाज दोगुना होने वाला है। फिल्म 'धर्मन' में नयनतारा का स्वागत है।'

इन फिल्मों में साथ काम कर चुके हैं नयनतारा और रजनीकांत

नयनतारा और रजनीकांत इससे पहले भी कई फिल्मों में साथ काम कर चुके हैं। इनमें 'चंद्रमुखी' (2005), 'कुसेलन' (2008), 'दरबार' (2020) और 'अन्नात्थे' (2021) शामिल हैं। हालांकि, फिल्म 'धर्मन' में नयनतारा का किरदार क्या होगा और इसकी कहानी किस बारे में है, इसे लेकर अभी कोई जानकारी सामने नहीं आई है।

कब रिलीज होगी 'धर्मन'

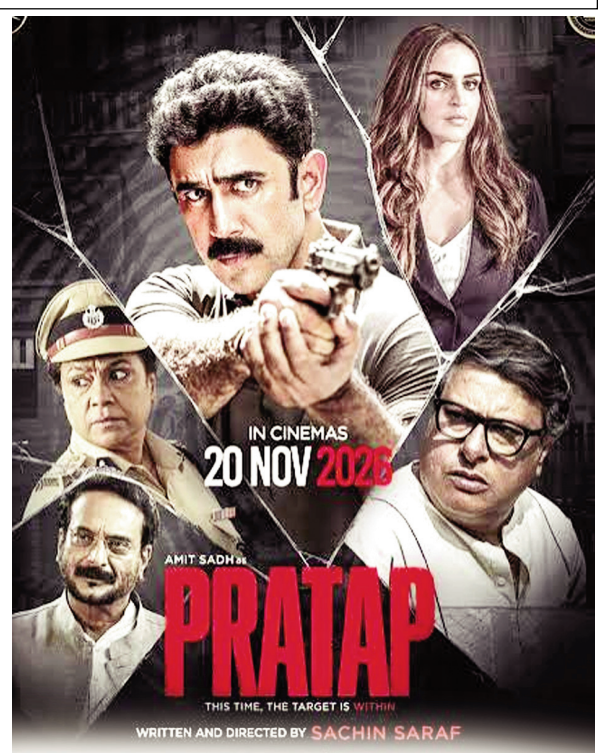
फिल्म 'धर्मन' का निर्देशन अश्वथ मारिमुथु कर रहे हैं, जबकि इसे एक्टर और फिल्ममेकर कमल हासन प्रोड्यूस कर रहे हैं। फिल्म की शूटिंग इस साल की शुरुआत में शुरू हुई थी और टीम अब तक कई शेड्यूल पूरे कर चुकी है। मेकर्स ने अभी तक फिल्म की रिलीज डेट की आधिकारिक घोषणा नहीं की है। हालांकि, खबरों के मुताबिक, फिल्म को पोंगल 2027 के मौके पर सिनेमाघरों में रिलीज करने की योजना बनाई जा रही है।



बैचलर पार्टी डी'यू में पॉली का किरदार निभाएंगी ज्योतिर्मयी

मलयालम फिल्ममेकर अमल नीरद की अपकमिंग फिल्म 'बैचलर पार्टी डी'यू' को लेकर दर्शकों के बीच काफी उत्साह है। अब मेकर्स ने फिल्म में एक्ट्रेस ज्योतिर्मयी के किरदार का नाम भी सामने ला दिया है। वह फिल्म में पॉली के किरदार में नजर आएंगी। डायरेक्टर अमल नीरद ने सोशल मीडिया पर यह जानकारी देते हुए लिखा, 'ज्योतिर्मयी इज पॉली।' यह फिल्म साल 2012 में रिलीज हुई अमल नीरद की सफल फिल्म 'बैचलर पार्टी' का सीक्वल है। यही वजह है कि फिल्म को लेकर फैंस के बीच खास दिलचस्पी बनी हुई है। सूत्रों के मुताबिक, नई फिल्म की कहानी पिछली फिल्म से जुड़ी होगी, लेकिन इसमें कई नए किरदार भी देखने को मिलेंगे। 'बैचलर पार्टी डी'यू' में एक बड़ी स्टारकास्ट नजर आएगी। फिल्म में 'प्रेमलु' से देशभर में पहचान बनाने वाले एक्टर नसलेन लीड रोल में हैं। उनके अलावा कुंचाको बोबन, टोविनो थॉमस, सौबिन शाहिर, श्रीनाथ भासी, शराफुद्दीन, शाइन टॉम चाको, चंदू सलीमकुमार, रजीशा विजयन, हंसिका कृष्णा और पेरिस लक्ष्मी भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। मेकर्स इससे पहले फिल्म में नादिया मोइदू और रजीशा विजयन के किरदारों के नाम का भी खुलासा किया था। नादिया फिल्म में अन्ना मैथ्यूज का किरदार निभा रही हैं, जबकि रजीशा विजयन सिंपल के रोल में दिखाई देंगी। फिल्म में शाइन टॉम चाको गुरु, चंदू सलीमकुमार मम्मू, श्रीनाथ भासी जावी और शराफुद्दीन पप्पन के किरदार में नजर आएंगे। वहीं, सौबिन शाहिर फिल्म में डैनी की भूमिका निभा रहे हैं। हालांकि, टोविनो थॉमस के किरदार को लेकर मेकर्स ने अब तक सस्पेंस बनाए रखा है। फिल्म से उनका लुक सामने आ चुका है, लेकिन उनके किरदार का नाम नहीं बताया गया है। टोविनो के पोस्टर जारी करते हुए अमल नीरद ने मशहूर अंग्रेजी नाटककार विलियम शेक्सपियर की एक पंक्ति भी लिखी थी, 'हेल इज एम्प्टी एंड ऑल द डेविल्स आर हियर।' इस पंक्ति का मतलब है कि नरक खाली है और सारे शैतान यहां मौजूद हैं। डायरेक्टर की इस पोस्ट ने फिल्म को लेकर उत्सुकता बढ़ा दी है।





क्या असल जिंदगी के एनकाउंटर स्पेशलिस्ट पर आधारित है 'प्रताप'

अमित साध की मुख्य भूमिका वाली फिल्म 'प्रताप' के ट्रेलर ने दर्शकों के बीच उत्सुकता बढ़ा दी है। फिल्म में अमित साध एक एनकाउंटर स्पेशलिस्ट की भूमिका निभा रहे हैं। ट्रेलर रिलीज होने के बाद दर्शक कमेंट सेक्शन में यह कयास लगा रहे हैं कि क्या फिल्म की कहानी असल जिंदगी के पुलिस अधिकारियों से प्रेरित है। कई दर्शक अमित के ऑन-स्क्रीन किरदार की तुलना मुंबई पुलिस के अधिकारियों दया नायक और सचिन वाजे से कर रहे हैं और जानना चाहते हैं कि क्या कहानी का उनकी जिंदगी से कोई संबंध है। सचिन सराफ के लेखन और निर्देशन में बनी इस फिल्म का निर्माण यूवी फिल्म्स के बैनर तले प्रदीप रंगवानी ने किया है। फिल्म में ईशा देओल, सीमा बिस्वास, तिग्मांशु धूलिया और मिलिंद गुनाजी भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। 'प्रताप' 20 नवंबर 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। फिल्म के आधिकारिक यूट्यूब ट्रेलर के कमेंट सेक्शन में दर्शकों की यह उत्सुकता साफ नजर आ रही है। कई यूजर्स ने सवाल उठाए हैं कि क्या अमित साध का किरदार किसी वास्तविक पुलिस अधिकारी से प्रेरित है। एक यूजर ने पूछा, 'कहीं ये दया नायक की स्टोरी तो नहीं है?' वहीं, एक अन्य यूजर ने लिखा, 'ये सचिन वाजे की लाइफ से इंस्पायर्ड है क्या?' एक दर्शक ने सवाल किया, 'क्या यह सचिन वाजे की कहानी पर आधारित है?' कुछ अन्य दर्शकों ने भी फिल्म की कहानी के सचिन वाजे या दया नायक की जिंदगी से जुड़े होने की संभावना पर सवाल उठाए।

कई दर्शकों द्वारा इसी तरह के सवाल पूछे जाने से साफ है कि ट्रेलर ने अमित साध के किरदार और उसकी पृष्ठभूमि को लेकर लोगों की जिज्ञासा बढ़ा दी है। जहां फैंस सोशल मीडिया पर फिल्म की संभावित वास्तविक प्रेरणा को लेकर चर्चा कर रहे हैं, वहीं यह देखना दिलचस्प होगा कि 'प्रताप' की कहानी किसी खास पुलिस अधिकारी से प्रेरित है या फिर एनकाउंटर स्पेशलिस्ट की दुनिया पर आधारित एक काल्पनिक कहानी है। फिलहाल, फिल्म के किसी वास्तविक पुलिस अधिकारी पर आधारित होने को लेकर कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ विपक्ष का विरोध तेज, खरगे के आवास पर आयोजित हुई मॉक पार्लियामेंट

सिंघवी ने संविधान और चुनाव आयोग की स्वतंत्रता का मुद्दा उठाया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को लेकर विपक्षी गठबंधन इंडिया ने अपना विरोध तेज कर दिया है। शनिवार को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के दिल्ली स्थित आवास पर विपक्षी नेताओं ने मॉक पार्लियामेंट का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में कांग्रेस सांसद और वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए उन पर संविधान के दायरे से बाहर जाकर काम करने के आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि संविधान किसी एक व्यक्ति की निजी जागीर नहीं है और देश में किसी को भी अपनी मर्जी से संवैधानिक व्यवस्था चलाने की अनुमति नहीं दी जा सकती। खरगे के आवास पर आयोजित इस कार्यक्रम में सिंघवी ने कहा कि मुख्य चुनाव आयुक्त को संविधान के दायरे में रहकर अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करना चाहिए। उन्होंने चुनाव आयोग की स्वतंत्रता पर जोर देते हुए कहा कि यह संस्था किसी व्यक्ति की निजी संपत्ति नहीं है, बल्कि लोकतांत्रिक व्यवस्था का एक महत्वपूर्ण और स्वतंत्र संवैधानिक निकाय है। ऐसे में इसके कामकाज में निष्पक्षता और संवैधानिक मर्यादाओं का पालन जरूरी है। सिंघवी ने आरोप लगाया कि मुख्य चुनाव आयुक्त की ओर से किए जा रहे कुछ कार्य संविधान की भावना के विपरीत हैं। उन्होंने इन मामलों में कार्रवाई की मांग करते हुए कहा कि देश के नागरिक संविधान और लोकतांत्रिक संस्थाओं को लेकर किसी भी तरह की मनमानी स्वीकार नहीं करेंगे। उनके मुताबिक चुनाव आयोग की भूमिका लोकतंत्र में बेहद महत्वपूर्ण है और संस्था के कामकाज को लेकर विपक्ष की ओर से उठाए जा रहे सवालों पर गंभीरता से विचार किया जाना चाहिए। कार्यक्रम के दौरान मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ महाभियोग जैसी कार्रवाई की मांग भी उठाई गई। विपक्षी नेताओं ने कहा कि संवैधानिक पदों पर बैठे व्यक्तियों की जवाबदेही तय होनी चाहिए और लोकतांत्रिक संस्थाओं की स्वतंत्रता बनाए रखना आवश्यक है। विपक्ष ने इस आयोजन के माध्यम से ज्ञानेश कुमार के खिलाफ अपनी आपत्तियों और मांगों को सार्वजनिक रूप से सामने रखा।मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ विरोध दर्ज कराने के लिए इंडिया गठबंधन ने इस कार्यक्रम की योजना बनाई थी। विपक्ष ने इसे 'पब्लिक इम्पीचमेंट' नाम दिया है। इसके तहत मॉक पार्लियामेंट आयोजित कर मुख्य चुनाव आयुक्त पर लगाए गए आरोपों और उनकी कार्यप्रणाली को लेकर चर्चा की जा रही है। विपक्ष का कहना है कि इस आयोजन का उद्देश्य चुनाव आयोग की



जवाबदेही और स्वतंत्रता से जुड़े मुद्दों **को उठाना है।**उन्होंने इन मामलों में कार्रवाई की मांग करते हुए कहा कि देश के नागरिक संविधान और लोकतांत्रिक संस्थाओं को लेकर किसी भी तरह की मनमानी स्वीकार नहीं करेंगे। उनके मुताबिक चुनाव आयोग की भूमिका लोकतंत्र में बेहद महत्वपूर्ण है

बेंगलुरु के पांच सितारा होटल के स्विमिंग पूल में दो विदेशी नागरिकों की मौत

महानगर मेट्रो ब्यूर

बेंगलुरु। कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु के एक पांच सितारा होटल में स्विमिंग पूल के अंदर दो विदेशी नागरिकों की मौत का मामला सामने आया है। शुरुआती जांच में स्विमिंग पूल में बिजली के रिसाव की आशंका जताई जा रही है। हादसे में जर्मनी और स्लोवाकिया के एक-एक नागरिक की जान चली गई, जबकि दो अन्य लोग घायल हुए हैं। पुलिस ने घटनास्थल को सुरक्षित कर जांच शुरू कर दी है। हालांकि,



अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि मेडिकल रिपोर्ट और तकनीकी जांच पूरी होने से पहले हादसे की वास्तविक वजह के बारे में कोई अंतिम निष्कर्ष नहीं निकाला जा सकता। शहर के पुलिस आयुक्त सीमांत कुमार सिंह के अनुसार, घटना देर शाम होटल की तीसरी मंजिल पर बने टेरेस स्विमिंग पूल में हुई। शुरुआती जानकारी के आधार पर आशंका है कि पूल में बिजली का रिसाव हुआ, जिसके कारण यह हादसा हुआ हो सकता है। फिलहाल पुलिस इस बात की जांच कर रही है कि स्विमिंग पूल तक बिजली का प्रवाह किस परिस्थिति में पहुंचा और इसके पीछे तकनीकी खराबी या किसी अन्य कारण की भूमिका थी। पुलिस आयुक्त ने बताया कि प्रथम दृष्टया मामला करंट लगने से हुई मौतों का प्रतीत हो रहा है, लेकिन अभी इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। पुलिस मेडिकल रिपोर्ट के साथ तकनीकी विशेषज्ञों की जांच रिपोर्ट का इंतजार कर रही है। इन रिपोर्टों के सामने आने के बाद ही यह स्पष्ट हो सकेगा।

श्रीनगर में 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' पदयात्रा में शामिल हुए मुख्यमंत्री धामी, जगह-जगह हुआ स्वागत

महानगर मेट्रो ब्यूरो

श्रीनगर (उत्तराखंड)। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने पौड़ी गढ़वाल जिले के श्रीनगर में आयोजित 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' पदयात्रा में भाग लिया। इस दौरान बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता और स्थानीय नागरिक मौजूद रहे। पदयात्रा के दौरान शहर की प्रमुख सड़कों पर उत्साह का माहौल देखने को मिला। जगह-जगह लोगों ने पुष्प वर्षा कर मुख्यमंत्री का स्वागत किया और उनके समर्थन में नारे लगाए। पारंपरिक वाद्ययंत्रों की धुन और कार्यकर्ताओं के नारों के बीच मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने पदयात्रा में शामिल लोगों का अभिवादन स्वीकार किया। पदयात्रा शहर के प्रमुख मार्गों से होकर गुजरी। आयोजकों के अनुसार, इस कार्यक्रम का उद्देश्य लोकतांत्रिक व्यवस्था को मजबूत करने, जनहित से जुड़े मुद्दों को प्राथमिकता देने और अराजकता के खिलाफ संदेश देना था। आयोजन में शामिल भाजपा कार्यकर्ताओं ने सरकार की नीतियों और प्रदेश में चल रहे विकास कार्यों के समर्थन में अपनी बात रखी। पदयात्रा के समापन के बाद विशाल जनसभा का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में कार्यकर्ता और स्थानीय लोग शामिल हुए। सभा को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने राज्य सरकार की नीतियों और मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में किए जा रहे कार्यों का उल्लेख किया। वक्ताओं ने कहा कि सरकार भ्रष्टाचार और अराजकता के खिलाफ शून्य सहनशीलता की नीति के तहत काम कर रही है। उन्होंने दावा किया कि राज्य में विकास, सुशासन और प्रशासनिक पारदर्शिता को प्राथमिकता दी जा रही है।



दुबलिया में सरपंच चुनाव परिणाम पर बवाल, दोबारा मतगणना की मांग को लेकर ग्रामीणों ने लगाया जाम

17 मतों से गिरिराज कंवर को विजयी घोषित करने के बाद भड़का विरोध, सुनेल-रायपुर मार्ग पर चार घंटे तक थमी रही वाहनों की आवाजाही; रीछवा में पत्नी प्रशासक से पति बने सरपंच

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सुनेल (झालावाड़)। जिले की ग्राम पंचायत दुबलिया में सरपंच चुनाव का परिणाम घोषित होते ही विवाद खड़ा हो गया। मतगणना के नतीजों से असंतुष्ट ग्रामीणों ने चुनाव में गड़बड़ी का आरोप लगाते हुए सुनेल-रायपुर मार्ग पर जाम लगा दिया। ग्रामीणों की मांग थी कि चुनाव में डाले गए मतों की दोबारा गिनती कराई जाए। करीब चार घंटे तक मार्ग पर जाम रहने से वाहनों की आवाजाही बाधित रही और राहगीरों को परेशानी का सामना करना पड़ा। इस दौरान ग्रामीणों ने पुलिस पर बल प्रयोग करने का आरोप भी लगाया, हालांकि सुनेल थानाधिकारी ने इन आरोपों से इनकार किया है।जानकारी के अनुसार, दुबलिया ग्राम पंचायत में शुक्रवार देर रात करीब 3:30 बजे सरपंच चुनाव का परिणाम घोषित किया गया। मतगणना में गिरिराज कंवर को 17 मतों से विजयी घोषित किया गया। परिणाम सामने आते ही निकटतम प्रतिद्वंद्वी कृष्णा कुमारी के समर्थकों और असंतुष्ट ग्रामीणों ने मतगणना प्रक्रिया पर सवाल उठाने शुरू कर दिए। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि मतों की गिनती में गड़बड़ी हुई है और निष्पक्ष तरीके से दोबारा मतगणना कराई जानी चाहिए। विरोध बढ़ने के साथ ही बड़ी संख्या में ग्रामीण सुनेल-रायपुर मार्ग पर एकत्र हो गए और सड़क पर जाम लगा दिया। इससे मार्ग के दोनों ओर वाहनों की कतारें लग गईं। ग्रामीणों का कहना था कि जब तक



दोबारा मतगणना की मांग पर निर्णय नहीं लिया जाएगा, तब तक उनका विरोध जारी रहेगा। बताया गया कि रिटर्निंग अधिकारी ने दोबारा मतगणना कराने से इनकार कर दिया, जिसके बाद ग्रामीणों का आक्रोश और बढ़ गया। जाम की सूचना मिलने पर रायपुर तहसीलदार और सुनेल पुलिस का जाप्ता मौके पर पहुंचा। अधिकारियों ने ग्रामीणों से बातचीत कर उन्हें समझाने का प्रयास किया, लेकिन ग्रामीण अपनी मांग पर अड़े रहे। प्रशासनिक अधिकारियों के हस्तक्षेप और समझाइश के बाद करीब चार घंटे से जारी जाम समाप्त कराया गया। इसके बाद मार्ग पर यातायात फिर से शुरू हो सका। जाम के कारण इस मार्ग से गुजरने वाले वाहन चालकों और राहगीरों को काफी परेशानी उठानी पड़ी। वहीं, पुलिस पर बल प्रयोग के आरोप और थानाधिकारी के इनकार के बीच घटना को लेकर क्षेत्र में चर्चा बनी रही। उधर, जिले की रीछवा ग्राम पंचायत में सरपंच चुनाव के परिणाम के बाद एक अलग ही संयोग देखने को मिला है। यहां वर्तमान में संगीता पाठक प्रशासक सरपंच के पद पर कार्यरत हैं, जबकि शनिवार तड़के घोषित चुनाव परिणाम में उनके पति लक्ष्मीनारायण उर्फ पिंटू पाठक ने सरपंच पद पर जीत दर्ज की है। इस तरह अब पत्नी प्रशासक के रूप में कार्यभार संभाल रही हैं और चुनावी जीत के बाद उनके पति निर्वाचित सरपंच का दायित्व संभालेंगे। लक्ष्मीनारायण पाठक की जीत के बाद शनिवार को वार्ड पंचों और समर्थकों के साथ कस्बे में विजय जुलूस निकाला गया। जुलूस के दौरान आतिशबाजी कर जीत का जश्न मनाया गया। एक ही जिले की दो ग्राम पंचायतों में चुनाव परिणाम के बाद सामने आई इन अलग-अलग घटनाओं ने क्षेत्र में पंचायती राज चुनाव को लेकर लोगों का ध्यान खींचा है।

लातूर के कुरियर कार्यालय में पार्सल उतारते समय जोरदार धमाका, दो कर्मचारी घायल; एक की हालत गंभीर

महानगर मेट्रो ब्यूरो

लातूर। महाराष्ट्र के लातूर शहर में शनिवार (31 अक्टूबर) सुबह एक कुरियर कार्यालय में पार्सल उतारते समय अचानक जोरदार धमाका हो गया। उमाटे कुरियर्स कार्यालय में हुई इस घटना से इलाके में अफरा-तफरी मच गई। हादसे में दो लोग घायल हो गए, जिनमें एक की हालत गंभीर बताई जा रही है। शुरुआती पुलिस जांच में आशंका जताई जा रही है कि पार्सल में रखी एयर पिस्तौल के



लिए इस्तेमाल होने वाले कार्बन डाइऑक्साइड (सीओ2) गैस सिलेंडर में विस्फोट हुआ। हालांकि, धमाके की वास्तविक वजह की पुष्टि अभी नहीं हुई है।जानकारी के अनुसार, शनिवार सुबह करीब 10 बजे छत्रपति संभाजीनगर से कुरियर का एक वाहन लातूर स्थित कार्यालय पहुंचा था। कर्मचारी वाहन से पार्सल उतारकर कार्यालय में रख रहे थे। इसी दौरान एक पार्सल में अचानक विस्फोट हो गया। धमाका इतना तेज था कि मौके पर मौजूद लोगों में दहशत फैल गई। घटना के बाद आसपास के लोग भी मौके पर पहुंच गए। इस घटना का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है, जो सोशल मीडिया पर प्रसारित हो रहा है। प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक, छत्रपति संभाजीनगर से कुरियर के माध्यम से एयर पिस्तौल भेजी गई थीं। बताया जा रहा है कि संबंधित पार्सल पिछले दो दिनों से कार्यालय के बाहर फुटपाथ पर रखा हुआ था। पुलिस को आशंका है कि पार्सल में मौजूद एयर पिस्तौल के सीओ2 गैस सिलेंडर में किसी कारण से विस्फोट हुआ होगा। हालांकि, पार्सल कितने समय से वहां रखा था और विस्फोट किन परिस्थितियों में हुआ, इसकी भी जांच की जा रही है।।

अहमदाबाद मनपा की बड़ी कार्रवाई, खाद्य नियमों के उल्लंघन पर चार मिठाई-फरसाण इकाइयां सील

महानगर मेट्रो ब्यूरो।

अहमदाबाद। दिवाली के त्योहार से पहले शहर में मिठाई और फरसाण की बढ़ती मांग को देखते हुए अहमदाबाद महानगरपालिका के स्वास्थ्य एवं खाद्य विभाग ने खाद्य सुरक्षा नियमों का उल्लंघन करने वाली चार उत्पादन इकाइयों के खिलाफ कार्रवाई की है। विभाग की टीम ने शुक्रवार को अलग-अलग क्षेत्रों में जांच के दौरान मिली अनियमितताओं के आधार पर इन चारों इकाइयों को सील कर दिया।



कार्रवाई के बाद खाद्य कारोबारियों में हलचल देखने को मिली। मनपा के अनुसार, शाहीबाग के दूधेश्वर रोड स्थित महेश्वरी एस्टेट में संचालित स्वस्तिक फूड्स और तावड़ीपुरा स्थित महेश्वरी इंडस्ट्रियल एस्टेट की श्याम सुंदर फूड प्रोडक्ट्स इकाई को सील किया गया है। इसके अलावा गांधी रोड पर पुराने प्रताप सिनेमा के पास संचालित प्रकाशकुमार कन्हैयालाल तथा अमृतलाल कुबेरदास नमकीनवाला की खाद्य उत्पादन इकाइयों पर भी कार्रवाई की गई। जांच के दौरान स्वस्तिक फूड्स में इस्तेमाल किए गए खाद्य तेल के निस्तारण से जुड़े नियमों का उल्लंघन सामने आया। परिसर में टाइल्स, दीवारों की सफेदी और फर्श की स्थिति भी निर्धारित स्वच्छता मानकों के अनुरूप नहीं पाई गई।

सोमनाथ मंदिर के आसपास नॉन-वेज बिक्री पर बैन पर हाई कोर्ट की रेड आई

राज्य सरकार का नोटिफिकेशन कैंसिल, रोजी-रोटी के अधिकार को प्राथमिकता

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सोमनाथ। राज्य सरकार को बड़ा झटका देते हुए गुजरात हाई कोर्ट ने सोमनाथ मंदिर के आसपास मीट, मटन और नॉन-वेज की बिक्री पर लगे बैन को रद्द करने का ऐतिहासिक और अहम फैसला सुनाया है। सरकार द्वारा जारी इस विवादित नोटिफिकेशन को कानूनी तौर पर अमान्य करार देते हुए हाई कोर्ट ने साफ कहा है कि यह फैसला सीधे तौर पर लोगों के रोजी-रोटी और जीवनयापन के मौलिक अधिकार से जुड़ा सवाल है। इस पूरे विवाद की बात करें तो राज्य सरकार ने धार्मिक आस्था और पवित्रता बनाए रखने के नाम पर सोमनाथ मंदिर परिसर और उसके आसपास एक खास दायरे में नॉन-वेज और नॉन-वेज डिश की बिक्री पर पूरी तरह बैन या रोक लगाने का नोटिफिकेशन जारी किया था। सरकार के इस फैसले का सीधा असर इस इलाके में सालों से नॉन-वेज और सीफूड का व्यापार करके अपना गुज़ारा करने वाले स्थानीय छोटे व्यापारियों, लॉरी ड्राइवरों और फेरीवालों की रोजी-रोटी पर पड़ा है। सरकार के इस आदेश के खिलाफ व्यापारियों और पीड़ित पक्ष ने गुजरात हाई कोर्ट का दरवाज़ा खटखटाया था। कानूनी लड़ाई के दौरान, याचिकाकर्ता ने दलील दी कि भारतीय संविधान हर नागरिक को सम्मान के साथ जीने और कानूनी व्यापार या नौकरी करने का बुनियादी अधिकार देता है। इस तरह की अचानक रोक से सोमनाथ इलाके के कई परिवार बेरोज़गार हो गए हैं और उनकी रोज़ी-रोटी छिन गई है। हाई कोर्ट ने दोनों पक्षों की दलीलों और कानूनी पहलुओं को गहराई से सुनने के बाद सरकार के नोटिफिकेशन को खारिज कर दिया। कोर्ट ने कड़ा रुख अपनाते हुए कहा कि धार्मिक आस्था का महत्व अपनी जगह है, लेकिन इसके नाम पर स्थानीय लोगों की रोज़ी-रोटी और रोज़गार नहीं छीना जा सकता। संवैधानिक अधिकारों का हवाला देते हुए कोर्ट ने साफ किया कि लोगों की रोज़ी-रोटी का मुद्दा सबसे ऊपर है और कानून के दायरे से बाहर ऐसी रोक नहीं लगाई जा सकतीं।



कोडिनार से लापता दो नाबालिग किशोरियां ऊंझा की दरगाह से बरामद, धर्मांतरण और यौन शोषण के आरोप में चार गिरफ्तार

इंस्टाग्राम के जरिए संपर्क कर किशोरी को बहला-फुसलाकर ले जाने का आरोप

महानगर मेट्रो ब्यूरो

कोडिनार। गुजरात के गिर सोमनाथ जिले की कोडिनार तहसील से एक नाबालिग लड़की के लापता होने के मामले में पुलिस ने दो किशोरियों को महेसाणा जिले की ऊंझा तहसील के उनावा स्थित एक दरगाह से बरामद किया है। पुलिस ने इस मामले में अपहरण, कथित धर्मांतरण और यौन शोषण सहित गंभीर आरोपों के तहत चार लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, मेडिकल जांच में पीड़िता के साथ यौन शोषण की पुष्टि हुई है। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक जयदीपसिंह जाडेजा ने विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया है। पुलिस के मुताबिक, 24 अक्टूबर को एक महिला ने कोडिनार पुलिस थाने में अपनी नाबालिग बेटी के लापता होने की शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने अलग-अलग टीमें बनाकर तलाश शुरू की। जांच के दौरान सीसीटीवी फुटेज और मोबाइल टावर लोकेशन सहित अन्य तकनीकी साक्ष्यों की मदद ली गई। इस दौरान पुलिस को जानकारी मिली कि लापता किशोरी के साथ एक अन्य नाबालिग लड़की भी है और दोनों महेसाणा जिले की ऊंझा तहसील के उनावा स्थित एक दरगाह में मौजूद हैं। इसके बाद स्थानीय पुलिस की मदद से दोनों किशोरियों को सुरक्षित बरामद कर कोडिनार लाया गया। पुलिस



का आरोप है कि सूरत निवासी साकिर हुसैन उर्फ बबली पठान ने इंस्टाग्राम के माध्यम से पीड़िता से संपर्क किया था। आरोप के अनुसार, उसने किशोरी को विवाह का झांसा देकर ऊंझा बुलाया और बाद में उसे उनावा स्थित दरगाह ले गया। वहां कथित तौर पर अन्य आरोपियों के संपर्क में आने के बाद किशोरी का धर्म परिवर्तन कराया गया। पुलिस के अनुसार, इस दौरान उसका नाम बदलकर रोजीताबानू रखा गया और उसे बुर्का पहनाया गया। मामले में यह भी आरोप है कि किशोरी को धार्मिक गतिविधियों में शामिल कराया गया। जांच में पुलिस ने अब्दुल जोखिया, मोहम्मद आसिफ अंसार, साकिर हुसैन उर्फ बबली पठान और निशार काजी को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, आरोपियों में से कुछ की भूमिका किशोरी को दरगाह तक पहुंचाने और कथित धर्मांतरण की प्रक्रिया में सामने आई है। वहीं, निशार काजी पर आरोप है कि उसने पुलिस से बचने के उद्देश्य से दोनों किशोरियों के मोबाइल फोन के सिम कार्ड नष्ट करवाए। उसकी भूमिका सहित मामले से जुड़े अन्य पहलुओं की भी जांच की जा रही है। पुलिस ने 28 अक्टूबर 2026 को कोडिनार पुलिस थाने में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस), गुजरात धर्म स्वतंत्रता संशोधन अधिनियम, पॉक्सो अधिनियम और अनुसूचित जाति-जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस का कहना है कि मेडिकल जांच और पीड़िता के बयान के आधार पर आगे की कार्रवाई की जा रही है। दोनों किशोरियों की सुरक्षा और मामले से जुड़े तथ्यों की पुष्टि को भी जांच का हिस्सा बनाया गया है। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक जयदीपसिंह जाडेजा ने विशेष जांच दल गठित किया है। इसमें ऊना के पुलिस उपाधीक्षक एम.एफ. चौधरी, और गिर सोमनाथ थाने के पुलिस उपनिरीक्षक एन.ए. वाघेला को शामिल किया गया है।

प्रसव पीड़ा से परेशान गर्भवती महिला को ग्रामीणों ने स्ट्रेचर पर 3 किलोमीटर तक पहुंचाया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अल्लूरी। आंध्र प्रदेश के अल्लूरी जिले में सड़क संपर्क की उचित व्यवस्था नहीं होने के कारण एक गर्भवती महिला को प्रसव पीड़ा के दौरान भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। गांव तक पक्की सड़क या आवागमन का उपयुक्त रास्ता नहीं होने के चलते ग्रामीणों को महिला को स्ट्रेचर पर लिटाकर करीब 3 किलोमीटर तक पैदल ले जाना पड़ा। इस घटना ने



एक बार फिर ग्रामीण इलाकों में बुनियादी सुविधाओं और स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता को लेकर सवाल खड़े कर दिए हैं। मिली जानकारी के अनुसार, अराकू विधानसभा क्षेत्र के अनंतगिरि मंडल स्थित तलारीपाडु गांव की रहने वाली किल्लो नीलिमा को प्रसव पीड़ा शुरू हुई। परिजनों और ग्रामीणों ने उन्हें अस्पताल पहुंचाने की कोशिश की, लेकिन गांव तक सड़क की उचित सुविधा नहीं होने के कारण वाहन का पहुंचना संभव नहीं हो सका। ऐसे में ग्रामीणों ने मिलकर महिला को स्ट्रेचर पर लिटाया और पैदल ही उन्हें करीब 3 किलोमीटर दूर बोड्डापाडु गांव तक पहुंचाया। इस दौरान ग्रामीणों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। स्थानीय स्तर पर सामने आई इस घटना ने दूरदराज के गांवों में रहने वाले लोगों की मुश्किलों को उजागर किया है। ग्रामीण क्षेत्रों में सड़क संपर्क की कमी के कारण केवल गर्भवती महिलाओं को ही नहीं, बल्कि अन्य बीमार लोगों और आपातकालीन स्थिति में मरीजों को भी समय पर अस्पताल पहुंचाना चुनौतीपूर्ण हो जाता है। विशेष रूप से प्रसव जैसी स्थिति में अस्पताल तक पहुंचने में देरी महिला और नवजात शिशु के स्वास्थ्य के लिए जोखिम पैदा कर सकती है। इस घटना को लेकर आंध्र प्रदेश यूथ कांग्रेस ने भी राज्य सरकार और प्रशासन की बुनियादी सुविधाओं को लेकर आलोचना की है। संगठन ने सोशल मीडिया पर घटना से जुड़ी जानकारी साझा करते हुए कहा कि वर्ष 2026 में भी कुछ गांवों के लोगों के लिए सड़क जैसी जरूरी सुविधा उपलब्ध नहीं होना चिंता का विषय है। यूथ कांग्रेस ने सवाल उठाया कि जब ग्रामीण क्षेत्रों में सड़क संपर्क की व्यवस्था ही नहीं है

पटना में 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' पदयात्रा के दौरान 1946 में प्रधानमंत्री चयन की प्रक्रिया पर उठाए सवाल, इंदिरा गांधी की हत्या के बाद राजीव गांधी के शपथ ग्रहण का भी किया उल्लेख

सम्राट चौधरी ने फिर उठाया नेहरू-पटेल का मुद्दा, कांग्रेस के फैसलों पर साधा निशाना

महानगर मेट्रो ब्यूरो

पटना। देश की आजादी के बाद जवाहरलाल नेहरू के पहले प्रधानमंत्री बनने और सरदार वल्लभभाई पटेल के पीछे रह जाने का मुद्दा एक बार फिर राजनीतिक चर्चा में आ गया है। बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने पटना में आयोजित 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' पदयात्रा के दौरान इस ऐतिहासिक घटनाक्रम को लेकर कांग्रेस पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि सरदार पटेल को कांग्रेस की प्रदेश समितियों का अधिक समर्थन मिला था, लेकिन महात्मा गांधी की सलाह पर उन्होंने अपना नाम वापस ले लिया और इसके बाद जवाहरलाल नेहरू प्रधानमंत्री बने। सम्राट चौधरी ने कहा कि सरदार पटेल को अधिक समर्थन मिलने के बावजूद उन्हें देश का पहला प्रधानमंत्री बनने का अवसर नहीं मिला। मुख्यमंत्री के मुताबिक, गांधीजी की सलाह पर पटेल ने प्रधानमंत्री पद की दौड़ से अपना नाम वापस ले लिया और नेहरू को देश की कमान सौंप दी गई। उन्होंने यह भी कहा कि उस समय देश में आम चुनाव होने से पहले ही नेहरू प्रधानमंत्री के रूप में पांच साल का कार्यकाल पूरा कर चुके थे। इस मुद्दे को समझने के लिए वर्ष 1946 की राजनीतिक परिस्थितियों पर नजर डालना जरूरी है। उस समय प्रधानमंत्री का चयन आज की तरह आम चुनाव के माध्यम से नहीं हुआ था। कांग्रेस अध्यक्ष का पद महत्वपूर्ण था, क्योंकि इसी पद पर चुने गए नेता को वायसराय ने अंतरिम सरकार बनाने के लिए आमंत्रित किया था। ऐतिहासिक विवरणों के अनुसार, कांग्रेस की 15 प्रांतीय समितियों में से 12 ने सरदार पटेल के नाम का समर्थन किया था, जबकि जवाहरलाल नेहरू को किसी भी प्रांतीय समिति ने नामित नहीं किया था। बाद में महात्मा गांधी की पसंद और कांग्रेस के भीतर हुए घटनाक्रम के बीच पटेल ने अपना नाम वापस ले लिया और नेहरू निर्विरोध कांग्रेस अध्यक्ष चुने गए। इसके बाद उन्हें अंतरिम सरकार का नेतृत्व करने का अवसर मिला। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने अपने संबोधन में पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की हत्या के बाद राजीव गांधी के प्रधानमंत्री बनने का मामला भी उठाया। उन्होंने कहा कि इंदिरा गांधी की हत्या के समय राजीव गांधी बाहर थे और उनके लौटने के बाद राष्ट्रपति ने उन्हें प्रधानमंत्री पद की शपथ दिला दी। सम्राट चौधरी ने इस घटनाक्रम पर सवाल उठाते हुए कहा कि उस समय भी लोकतांत्रिक प्रक्रिया को लेकर चर्चा होनी चाहिए। हालांकि, ऐतिहासिक रिकॉर्ड के मुताबिक, 31 अक्टूबर 1984 को इंदिरा गांधी की हत्या के समय राजीव गांधी पश्चिम



बंगाल में चुनाव प्रचार कर रहे थे, बांग्लादेश में नहीं। उसी दिन राष्ट्रपति ज्ञानी जैल सिंह ने उन्हें प्रधानमंत्री पद की शपथ दिलाई थी। प्रधानमंत्री कार्यालय के ऐतिहासिक विवरण में भी राजीव गांधी के प्रधानमंत्री बनने की तारीख 31 अक्टूबर 1984 दर्ज है। पटना में आयोजित 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' पदयात्रा के माध्यम से भाजपा कांग्रेस के पुराने राजनीतिक फैसलों और लोकतांत्रिक व्यवस्था से जुड़े मुद्दों को जनता के सामने रख रही है।

printed, Published and Owned by SARABJIT MAKAN and Printed by ILEVAN HASMUKHRAI THAKAR Printed at Jay Graphics & Printers, C/15, Vikram Chambers, Ashram Road, Ahmedabd - 380009. and published from F/1 first floor, rajas apartment, near old railway crossing, maninagar east maninagar, Ahmedabad, Gujarat-380008. Editor SARABJIT MAKAN, Mo.: 9638877700, 9662420070.